



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 50] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 16, 1978 (अग्रहायण 25, 1900)

No. 50] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 16, 1978 (AGRAHAYANA 25, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड 1

#### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संसाधन और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं  
(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 10 नवम्बर 1978

सं. ए 35017/1/77-प्रशा० II—महालेखापाल, पंजाब, चंडीगढ़ के कार्यालय के अनुभाग अधिकारी श्री जे० जी० कोष्ठड़ को उनकी प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति हेतु चयन हो जाने के फलस्वरूप 3-11-78 के पूर्वाह्न से प्रथमतः एक वर्ष की अवधि के लिए या अगले आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में, सामान्य केन्द्रीय सेवा में, लेखा अधिकारी—राजपत्रित श्रेणी-II पद पर स्थानान्तर रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

एम० वालचन्द्रन,  
अवर मचिव,  
कृते मचिव,  
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 15 नवम्बर 1978

सं. ए 12024/3/78 प्रशा० I—भारतीय प्रशासन सेवा (आन्ध्र प्रदेश संवर्ग) के श्री के० मुकुमप्पम को राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में रु० 2500-125/2-2750 के बेतनमान में 1-11-78 से, अगले आदेश तक,

(7683)

संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अतिरिक्त सचिव के पद पर सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 20 नवम्बर 1978

सं. ए 19013/3/78-प्रशा०-I—भारतीय डाक सेवा के अधिकारी श्री बी० एन० सोम को राष्ट्रपति द्वारा 15 नवम्बर 1978 के पूर्वाह्न से, अगले आदेशों तक, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

एस० वालचन्द्रन,

अवर सचिव,

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 9 नवम्बर 1978

सं. ए 32014/1/78-प्रशा० III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के निम्नलिखित स्थायी सहायकों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सा भने दर्शायी गई अवधि के लिये, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो,

उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी के ग्रेड में स्थानापन्न रूप से, तदर्थ आधार पर, कार्य करने के लिए नियुक्त किया है:—

क्रम सं.	नाम	अवधि जिसके लिये अनुभाग अधिकारी नियुक्त किया गया
1.	श्री एन० एस० भाटिया	1-11-78 से 28-2-79 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए।
2.	श्री क० एल० शर्मा	1-11-78 से 28-2-79 तक की अतिरिक्त अवधि के लिये।
3.	श्री बी० आर० बस्गा	18-11-78 से 31-1-79 तक की अतिरिक्त अवधि के लिये।
4.	श्री आई० जे० शर्मा	1-11-78 से 31-12-78 तक की अतिरिक्त अवधि के लिये।
5.	श्री एस० के० अरोड़ा	1-11-78 से 31-12-78 तक की अतिरिक्त अवधि के लिये। प्र० सु० का० और विभाग के का० ज्ञा० सं० 12/1/74 सी० एस० (i) दिनांक 11-12-75 का अनुसरण करते हुए श्री एस० के० अरोड़ा को, जब तक वह अनुभाग अधिकारी के पद पर कार्यरत है, उसक अधिकारी पुनर्पंदित किया गया है तथा वह अनुभाग अधिकारी के वेतन के अतिरिक्त रु० 75 प्रति माह विशेष वेतन लेंगे।
6.	श्री आर० के० जसूजा	1-11-78 से 31-12-78 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए।
7.	श्री एस० एन० शर्मा	1-11-78 से 31-12-78 तक की अतिरिक्त अवधि के लिये।
8.	श्री जय नारायण	1-11-78 से 31-12-78 तक की अतिरिक्त अवधि के लिये।
9.	श्री आर० के० गोयल	22-10-78 से 23-12-78 तक की अतिरिक्त अवधि के लिये।

दिनांक 17 नवम्बर 1978

सं० ए 32014/1/78 प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में (के० एस०स्टे० से० ग्रेड ग) के स्थायी वैयक्तिक सहायक

तथा इस समय स्टेनोग्राफर ग्रेड ग के चयन ग्रेड में स्थानापन्न रूप में कार्यरत श्री एस० पी० मेहरा को, जिन्हें समसंघिक आदेश दिनांक 30-9-78 के द्वारा 30-10-78 तक पूर्ण अस्थायी और तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक नियुक्त किया गया था, को राष्ट्रपति द्वारा 1-11-78 से 31-12-78 तक 2 माह की अवधि के लिये, अस्थायी आदेशों तक, जो भी पहले हो, पूर्णतः अनन्तिम अस्थायी और तदर्थ आधार पर उसी संवर्ग में वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

श्री मेहरा यह नोट कर लें कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख) के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर है और उन्हें के० स० स्टे० से० के ग्रेड ख में उनके विलयन का या उक्त ग्रेड में वरिष्ठता का कोई हक नहीं होगा। उनकी नियुक्ति कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग के अनुमोदन की शर्तों पर ही होगी।

एस० बालचन्द्र,  
अवर सचिव (प्रशा०),  
संघ लोक सेवा आयोग

#### गृह मंत्रालय

का० एवं० प्र० सु० विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 24 नवम्बर 1978

सं० एस 158/67-प्रशासन-5—उड़ीसा राज्य पुलिस के अधिकारी श्री एस० रथ जो केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो में पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में प्रतिनियुक्ति पर थे, ने दिनांक 3-10-78 के प्रपराह में केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया। उनकी सेवाएं राज्य सरकार को वापस सौंप दी गई हैं।

सं० ए-19036/16/76-प्रशासन-5—उड़ीसा राज्य पुलिस के अधिकारी श्री एन० पटनायक पुलिस उप-अधीक्षक जो केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो में प्रतिनियुक्ति पर थे ने दिनांक 18-11-78 के प्रपराह में केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो में पुलिस उप-अधीक्षक के पद का कार्यभार त्याग दिया।

उनकी सेवाएं राज्य प्राधिकरण को वापस सौंप दी गई हैं।

सं० ए-19036/34/78-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, पंजाब राज्य पुलिस के अधिकारी तथा केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो की अस्वाला शाखा के पुलिस निरीक्षक श्री रत्नवीर मिह को दिनांक 20-11-78 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में स्थानापन्न पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

रिपुदमन सिंह  
प्रशासन अधिकारी (लेखा),  
केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल  
नई दिल्ली-110001, दिनांक 22 नवम्बर 1978

सं० ओ० दो-८/७६-स्थापना—श्री पी० सी० दास, भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी ने असम संवर्ग में प्रत्यावर्तन होने के फलस्वरूप, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में महानिरीक्षक, सैक्टर-४, शिलांग के पद का कार्यभार दिनांक 1-11-78 के पूर्वाह्न से छोड़ दिया।

सं० ओ० दो-१०७२/७७-स्थापना—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर आर० भोहन पिले 21वीं बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल का त्यागपत्र दिनांक 18 सितम्बर, 1978 अपराह्न से स्वीकृत कर लिया है।

सं० ओ० दो-३/७८-स्थापना—राष्ट्रपति श्री एस० दत्त चौधरी, गुजरात संवर्ग के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में उनकी प्रतिनियुक्ति पर महानिरीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री चौधरी ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के महानिरीक्षक, सैक्टर-४, शिलांग के पद का कार्यभार दिनांक 7 नवम्बर, 1978 के अपराह्न से सम्भाला।

दिनांक 24 नवम्बर 1978

सं० ओ० दो-४५१/६९-स्थापना—राष्ट्रपति श्री आई० जे० सिह को तदर्थ पदोन्नति पर आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कमांडैंट के पद पर अस्थाई रूप में नियुक्त करते हैं।

2. श्री आई० जे० सिह ने सहायक कमांडैंट, महानिरीक्षक कार्यालय सैक्टर-१ केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, हैदराबाद के पद का कार्यभार दिनांक 1-11-78 के अपराह्न में छोड़ा तथा कमांडैंट 44 बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के पद का कार्यभार दिनांक 7-11-78 के अपराह्न से संभाला।

ए० के० बन्दोपाध्याय  
सहायक निदेशक (प्रशासन)

### महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 17 नवम्बर 1978

सं० ई०-३२०१५(१)/८/७४-कार्मिक—निवर्तन की आयु होने पर ले० कर्नल टी० के० जार्ज ने 31 अक्टूबर, 1978 के अपराह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट एफ० ए० सी० टी० उद्योगमण्डल के कमांडैंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-३८०१३(३)/१/७८-कार्मिक—नई दिल्ली से स्थानांतरित होने पर, श्री आत्माजीत सिंह खतुरिया ने श्री एस० के० कोहली के स्थान पर दिनांक 16 अक्टूबर, 1978 के अपराह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट, एच०ए० एल० पिम्परी के सहायक कमांडैंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया। नई दिल्ली

में स्थानांतरित होने पर श्री के० कोहली ने उसी तारीख से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-३८०१३(३)/१/७८-कार्मिक—विशाखापटनम् से स्थानांतरित होने पर श्री एम० आर० दिनेशन ने श्री जी० के० थामस सहायक कमांडैंट के स्थान पर दिनांक 12 अक्टूबर, 1978 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट, एफ० ए० सी० टी० उद्योगमण्डल के सहायक कमांडैंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

कोचीन पोर्ट ट्रस्ट, कोचीन में सतर्कता अधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरित होने पर, श्री के० जी० थामस ने उसी तारीख से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 22 नवम्बर 1978

सं० ई०-३८०१३(३)/१/७८-कार्मिक—स्थानांतरित होने पर श्री सी० डी० कुकरेती ने दिनांक 21 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट दुर्गपुर इस्पात संयंत्र, दुर्गपुर के सहायक कमांडैंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 25 नवम्बर 1978

सं० ई०-१६०१३(१)/३/७८-कार्मिक—प्रतिनियुक्ति की अवधि की समाप्ति पर प्रत्यावर्तित होने पर श्री हंसराज स्वान, आई० पी० एस० (हरियाणा-५७) ने दिनांक 13 नवम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से उप महानिरीक्षक (प्रशा० व इण्ड) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-३८०१३(३)/१/७८-कार्मिक—द्राम्बे से स्थानांतरित होने पर श्री पी० एस० नन्दल ने दिनांक 2 नवम्बर, 1978 के अपराह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट, भिलाई इस्पात संयंत्र भिलाई के सहायक कमांडैंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई०-३८०१३(३)/१/७८-कार्मिक—नांगल से स्थानांतरित होने पर श्री एस० के० जैमन ने दिनांक 8 नवम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट, दुर्गपुर इस्पात संयंत्र, दुर्गपुर के सहायक कमांडैंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई०-३८०१३(३)/१/७८-कार्मिक—स्थानांतरण होने पर श्री के० पी० नायर ने दिनांक 18 अक्टूबर, 1978 के अपराह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट आई० एस० आर० ओ० थुम्बा के सहायक कमांडैंट पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने दिनांक 28 अक्टूबर, 1978 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट एम० ए० पी० पी० कलपकम, के सहायक कमांडैंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई०-३८०१३(१)/१/७८-कार्मिक—कोलम्बो प्लान के अन्तर्गत विदेश में प्रशिक्षण तथा लूट्री की समाप्ति पर श्री बलदेव राज लूथरा आई० पी० एस० (म० प्र०-६०) ने दिनांक 13 नवम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० मुख्यालय,

नई दिल्ली के उप महानिरीक्षक (भर्ती व प्रश्नो) के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

ह० अपठनीय  
महानिरीक्षक, क० औ० सु० ब०

### वित्त आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 24 नवम्बर 1978

सं० 7-एफ० सी० 2(7)-ए/77—भारतीय आर्थिक सेवा के ग्रेड IV के स्थायी अधिकारी और सातवें वित्त आयोग के अध्यक्ष के भूतपूर्व निजी सचिव श्री प्रहलाद धवन को उसी आयोग में 1 नवम्बर 1978 से 31 दिसम्बर, 1978 (अपराह्न) तक दो महीने की बढ़ाई गई अवधि के लिए 1100-1600 रुपए के बेतनमान में वरिष्ठ अनुसन्धान अधिकारी नियुक्त किया गया है।

शान्ति कुमार दासगुप्त,  
निदेशक

### भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय महालेखाकार-प्रधम, मध्य प्रदेश

ग्वालियर, दिनांक 24 नवम्बर 1978

सं० स्थाना०-1/326—श्री जी० छी० रामसुब्बन, स्थानापन्न, लेखा अधिकारी को, भारत सरकार के गृह मन्त्रालय के कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग, के कार्यालय ज्ञापन फ्रांक-25013/7/77 एस्ट० (ए) दिनांक 26-8-77 द्वारा चालू की गई स्वैच्छिक शासकीय सेवा निवृत्त योजना के अनुसार, दिनांक 1-10-1977 पूर्वाह्न से, स्वैच्छिक शासकीय सेवा से निवृत्त होने की अनुमति प्रदान की जाती है।

कृष्ण गोपाल,  
वरिष्ठ उप-महालेखाकार/प्रशासन

### रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा विभाग महा नियंत्रक

नई दिल्ली-110022, दिनांक 21 नवम्बर 1978

सं० 68018(2)/71-प्रशा०-II—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के अधिकारी श्री अश्वन कुमार लाल (मन्त्र-मण्डल सचिवालय, कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग, गृह मन्त्रालय में उप सचिव के रूप में प्रतिनियुक्ति पर) को उक्त सेवा के कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (1500-60-1800-100-2000) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए दिनांक 23 अक्टूबर, 1978 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेश पर्यन्त “अनुक्रम नियम” के अधीन, सहवं नियुक्त करते हैं।

दिनांक 23 नवम्बर 1978

सं० 4769/प्रशा०-II—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर, भारतीय रक्षा सेवा के एक अधिकारी को श्री बहादुर मुराव (आंदोलिक) सागत तथा मूल्य व्यूरो में सदस्य के रूप में प्रतिनियुक्ति पर (व्यूरो आफ इंडस्ट्रियल कास्ट एण्ड प्राइसेज) दिनांक 31 अक्टूबर, 1978 (अपराह्न) से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिए गए और तदनुसार उनका नाम, रक्षा लेखा विभाग की नफरी पर नहीं रहा।

श्रार० एल० बख्शी,  
रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक (प्रशा०)

### रक्षा मन्त्रालय

महानिदेशालय, आईनेन्स फैक्टरियां  
भारतीय आईनेन्स, फैक्टरियां सेवा

कलकत्ता, दिनांक 3 नवम्बर 1978

सं० 72/जी०/78—राष्ट्रपति जी, निम्नलिखित अधिकारीगण को स्थानापन्न महाप्रबन्धक (सेलेक्शन ग्रेड) —स्तर-II/ डी० डी० जी० ओ० एक०-स्तर-II के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीख से आगामी आदेश होने तक, नियुक्त करते हैं :—

(1) श्री जी० एन० रामाशेषन	—20 जुलाई, 1978
स्थानापन्न महाप्रबन्धक/ग्रेड-I	
(2) श्री जे० सी० मरवहा,	—20 जुलाई, 1978
स्थायी महाप्रबन्धक	
ग्रेड-1	
(3) श्री श्रार० के० चैलम,	—20 जुलाई, 1978
स्थानापन्न महाप्रबन्धक/ग्रेड-I	
(4) श्री बी० बी० कमार्कर,	—20 जुलाई, 1978
स्थानापन्न ए० डी० जी०	
ओ० एक०/ग्रेड-I	

सं० 73/जी०/78—राष्ट्रपति जी निम्नलिखित अधिकारीगण को स्थानापन्न प्रबन्धक/सीनियर डी० ए० डी० जी० एफ० के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीख से आगामी आदेश होने तक नियुक्त करते हैं :—

(1) श्री टी० के० बनर्जी,	—1री जुलाई, 1978
स्थायी उप-प्रबन्धक	
(2) श्री एम० मित्रा,	—2री सितम्बर, 1978
स्थायी डी० ए० डी० जी०	
(3) श्री ए० रामामूर्ति,	—2री सितम्बर, 1978
स्थायी डी० ए० डी० जी०	

सं० 74/जी०/78—राष्ट्रपति निम्नलिखित अधिकारीगण को स्थानापन्न उप-प्रबन्धक/डी० ए० डी० जी० ओ० एफ० के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीख से आगामी आदेश न होने तक नियुक्त करते हैं :—

(1) श्री रजनीश कुमार,	—22 अप्रैल, 1978
स्थायी सहायक प्रबन्धक	

(2) श्री बालभूषण, — 22 अप्रैल, 1978  
स्थायी सहायक प्रबन्धक

(3) श्री एस० एस० आर० जायदी, — 22 अप्रैल, 1978  
स्थायी सहायक प्रबन्धक

(4) श्रार० पी० शर्मा, — 22 अप्रैल, 1978  
स्थायी सहायक प्रबन्धक

(5) श्री बी० एस० शिखर, — 22 अप्रैल, 1978  
स्थायी सहायक प्रबन्धक

(6) श्री बी० जे० रजाह, — 22 अप्रैल, 1978  
स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक

(7) श्री के० जी० नायर, — 22 अप्रैल, 1978  
स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक

(8) श्री आर० कृष्णन, — 16 जून, 1978  
स्थायी सहायक प्रबन्धक

(9) श्री एस० रामाभूति, — 16 जून, 1978  
स्थायी सहायक प्रबन्धक

(10) श्रीमती भीनाक्षी सेठ, — 10 अगस्त, 1978  
सहायक प्रबन्धक  
(परखावधि)

(11) श्री एच० के० नरुला, — 10 अगस्त, 1978  
सहायक प्रबन्धक  
(परखाधीन)

दिनांक 21 नवम्बर 1978

सं० 77/78/जी०—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष)  
प्राप्त कर, श्री एच० पी० चटर्जी, स्थानापन्न अक्फसर सुपरवाइजर  
(मौलिक एवं स्थायी ए० एस० ओ०) दिनांक 30 सितम्बर,  
1978 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 78/78/जी०—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष)  
प्राप्त कर, श्री के० एल० मुखर्जी, स्थानापन्न अक्फसर सुपरवाइजर  
(मौलिक एसं स्थायी ए० एस० ओ०) दिनांक 30 सितम्बर,  
1978 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

दिनांक 22 नवम्बर 1978

सं० 79/78/जी०—राष्ट्रपति जी, श्री सोमेन्द्र यमदग्नि  
को सहायक प्रबन्धक (परखाधीन) के पद पर दिनांक 6 जनवरी,  
1978 से नियुक्त करते हैं।

बी० के० मेहता,  
सहायक महानिदेशक  
आर्डनेन्स फैक्टरियां

श्रम मन्त्रालय

कारखाना सलाह सेवा और श्रम विभाग केन्द्र महानिदेशालय

बम्बई, दिनांक 20 नवम्बर 1978

सं० 17/18/78-प्रशासन—महानिदेशक ने श्री प्रेम  
बहादुर पाल को अनुसन्धान अधिकारी (रसायन) के पद पर

दिनांक 4 नवम्बर, 1978 पूर्वाह्न से क्षेत्रीय श्रम विज्ञान  
केन्द्र कलकत्ता में जो इस कारखाना सलाह सेवा और श्रम  
विज्ञान केन्द्र महानिदेशालय के अधीन कार्यालय है में अगले  
आदेशों तक नियुक्ति की जाती है।

ए० के० चक्रवर्ती,  
महाप्रबन्धक

वाणिज्य, नागरिक आपूर्ति एवं सहकारिता मन्त्रालय  
(वाणिज्य विभाग )

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर 1978

आयात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण  
(स्थापना)

सं० 6/440/56-प्रशासन (रजि०)/8319—सेवा निवृत्ति  
की आयु प्राप्त करने पर, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात  
के कार्यालय कलकत्ता में, श्री आर० एन० धोष, नियंत्रक,  
आयात-निर्यात ने 31 अक्टूबर, 1978 को दोपहर बाद से,  
उपर्युक्त कार्यालय में अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० 6/893/70 प्रशासन (राजि०)/8326—सेवा निवृत्ति  
की आयु प्राप्त होने पर, केंद्रीय सचिवालय सेवा के  
अनुभाग अधिकारी कम के अधिकारी श्री एच० एस० प्रेमचन्द्रानी  
ने दिनांक 31 अक्टूबर, 1978 को दोपहर के बाद से इस कार्यालय  
में नियंत्रक, आयात-निर्यात के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

का० बै० शेषाद्रि  
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

उद्योग मन्त्रालय

ग्रामीणिक विकास विभाग

कार्यालय, हथकरघा विकास आयुक्त

नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर 1978

सं० ए०-12025/2/75-ई० आई०/डी० सी० एच०  
प्रशा० II—राष्ट्रपति, श्री चक्रधर दत्ता को 6 सितम्बर, 1978  
के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक के लिए बुनकर सेवा केन्द्र  
कलकत्ता में सहायक निदेशक ग्रेड 1 (संसाधित) के पद पर  
सहर्ष नियुक्त करते हैं।

(कु०) रेणु साहनी।  
उप-विकास आयुक्त (हथकरघा)

## वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई, विनांक २३ नवम्बर १९७८

सं० सी० ई० ओर०/४/७८—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, १९४८ के खण्ड ३१ में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा निदेश देता हूँ कि कताई मिल रखनेवाला प्रत्येक उत्पादक एकाईलिक फाइबर के आयात और उपभोग के बारे में सच्ची और सही सूचना नीचे संलग्न किये गये प्रपत्र में वस्त्र आयुक्त, आर्थिकी शाखा, बम्बई को प्रस्तुत करेगा :—

१. नवम्बर, १९७८ के अंतिम दिन समाप्त हुई अवधि के लिये ३१ दिसम्बर, १९७८ तक या उससे पहले; और
२. दिसम्बर, १९७८ से प्रारंभ होकर बाद में प्रत्येक मास की अवधि के लिये उस मास से अगले मास की १० तारीख तक या उससे पहले

प्रपत्र

..... मास/को समाप्त हुई अवधि के लिये एकाईलिक फाइबर की आयात, खपत और स्टाक दर्शाता विवरण पत्र

## (1) अभिज्ञान विवरण

## (2) आयात लायसेन्स का विवरण

क्र० सं०	मद	विवरण	कोड	क्र० सं०	लाइसेन्स संख्या/ तारीख	परिमाण (किलोग्राम)	मूल्य (रुपए)
(०)	(१)	(२)	(३)	(०)	(१)	(२)	(३)
११	राज्य			२१			
१२	*मास/को समाप्त अवधि						
१३	एकाई की ऋम संख्या						
१४	क्षेत्र	*रुद्ध उन आर्टिस्लक	* १/२/३				

\*अनावश्यक काट दीजिए।

विनिर्माता का नाम :

पता :

## (3) एकाईलिक फाइबर का आयात, खपत और स्टाक

क्र० सं०	मद	एल० सी० खोलने की तारीख	एल० सी० का मूल्य रु०	परिमाण किलो- ग्राम	पूर्वशेष किलो- ग्राम	अवधि/मास में हुआ कुल आयात किलोग्राम	लोकल खरीदी किलो- ग्राम	अवधि/मास में खपत किलोग्राम	अवधि/मास के अन्त में शेष स्टाक किलोग्राम	अध्यक्षित
(०)	(१)	(२)	(३)	(४)	(५)	(६)*	(७)	(८)*	(९)*	(१०)
३१	आयातित									
३२	देशी									
४०	कुल									

\*सूचना : ३१ दिसम्बर, १९७८ तक प्रस्तुत किये जाने वाले प्रपत्र के उपर्युक्त स्तंभ (६), (८) और (९) में चाही गई सूचना एकाईलिक फाइबर के आयात आरंभ होने से लेकर नवम्बर, १९७८ तक की अवधि के लिये होनी चाहिए।

सं० 5(2)/78-सी०एल०बी० II—कृत्रिम रेशमी वस्त्र (उत्पादन और वितरण) नियंत्रण आदेश, 1962 के खण्ड 10 में प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा निदेश देता हूं कि कृत्रिम रेशमी सूत (आर्ट सिल्क यार्न) का प्रत्येक विनिर्माता एकाइलिक फाइबर के आयात और उपभोग के बारे में सच्ची और सही सूचना नीचे संलग्न किए गए प्रपत्र में वस्त्र आयुक्त, आर्थिकी शाखा, अम्बर्झ को प्रस्तुत करेगा :—

1. नवम्बर, 1978 के अंतिम दिन समाप्त हुई अवधि के लिए 31 दिसम्बर, 1978 तक या उससे पहले; और
2. दिसम्बर, 1978 से प्रारंभ होकर बाद में प्रत्येक मास की अवधि के लिये उस मास से अगले मास की 10 तारीख तक या उससे पहले।

## प्रपत्र

..... मास/को समाप्त हुई अवधि के लिये एकाइलिक फाइबर की आयात, खपत और स्टाक दर्शाता विवरण पत्र

## (1) अभिज्ञान विवरण

## (2) आयात लाइसेन्स का विवरण

क्रम संख्या	मद	विवरण	कोड
(0)	(1)	(2)	(3)
11	राज्य		21

12 \*मास/को समाप्त अवधि

13 ईकाई की क्रम संख्या

14 क्षेत्र \*ई \* 1/2/3  
उत्तर  
आर्टसिल्क

\*अनावश्यक काट दीजिये।

विनिर्माता का नाम :

पता :

## (3) एकाइलिक फाइबर का आयात, खपत और स्टाक

क्रम सं०	मद	एल० सी० खोलने की तारीख	एल० सी० का मूल्य	परिमाण किलो-ग्राम	पूर्वशेष किलो-ग्राम	अवधि/मास में हुआ कुल खरीदी आयात किलोग्राम	लोकल खपत किलो-ग्राम	अवधि/मास में खपत किलोग्राम	अवधि/मास के अन्त में शेष स्टाक किलोग्राम	अप्पुक्ति
(0)	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)*	(7)	(8)*	(9)*	(10)
31	आयातित	×	×	×						
32	देशी									
40	कुल									

\*सूचना : 31 दिसम्बर, 1978 तक प्रस्तुत किये जाने वाले प्रपत्र के उपर्युक्त स्तंभ (6), (8) और (9) में नाहीं गई सूचना एकाइलिक फाइबर के आयात आरंभ होने से लेकर नवम्बर, 1978 तक की अवधि के लिये होनी चाहिये।

सं० 7(2)/78-सी०एल०बी० II—ऊनी वस्त्र (उत्पादन और वितरण) नियंत्रण आदेश, 1962 के खण्ड 10 में प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा निदेश देता हूं कि ऊनी सूत का प्रत्येक विनिर्माता एकाइलिक फाइबर के आयात और उपभोग के बारे में सच्ची और सही सूचना नीचे संलग्न किए गये प्रपत्र में, वस्त्र आयुक्त, आर्थिकी शाखा, अम्बर्झ को प्रस्तुत करेगा :—

- नवम्बर, 1978 के अंतिम दिन समाप्त हुई अवधि के लिये 31 दिसम्बर, 1978 तक या उससे पहले ; और
- दिसम्बर, 1978 से प्रारंभ होने वाले में प्रत्येक भाग की अवधि के लिये उस भाग से अगले भाग की 10 तारीख तक या उससे पहले ।

## प्रपत्र

..... मास/को समाप्त हुई अवधि के लिये एकाइलिक फाइबर की आयात, खपत और स्टाक दर्शाता विवरण पत्र

## (1) अभिज्ञान विवरण

## (2) आयात लाइसेन्स का विवरण

क्रम संख्या	मद	विवरण	कोड	क्रम संख्या	लाइसेन्स संख्या/ तारीख	परिमाण (किलोग्राम)	मूल्य (रुपये)
(0)	(1)	(2)	(3)	(0)	(1)	(2)	(3)
11	राज्य			21			
12	*मास/को समाप्त अवधि						
13	ईकाई की क्रम संख्या						
14	क्षेत्र	*रुद्ध ऊन आर्टिसिल्क	* 1/2/3				

\*अनावश्यक काट की जिए ।

विनिर्माता का नाम :

पता :

## (3) एकाइलिक फाइबर का आयात, खपत और स्टाक

क्रम सं०	मद	एल०सी० खोलने की तारीख	एल०सी० का मूल्य	परिमाण रु०	पूर्व शेष किलो- ग्राम	अवधि/मास में हुआ कुल आयात किलो-ग्राम	लोकल खरीदी किलो-ग्राम	अवधि/मास में खपत किलोग्राम	अवधि/मास के अन्त में शेष स्टाक किलोग्राम	अभ्युक्ति
(0)	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)*	(7)	(8)*	(9)*	(10)
31	आयातिस	×	×	×		×				
32	देशी									
40	कुल									

\*सूचना : 31 दिसम्बर, 1978 तक प्रस्तुत किये जाने वाले प्रपत्र के उपर्युक्त स्तंभ (6), (8) और (9) में चाही गई सूचना एकाइलिक फाइबर के आयात प्रारंभ होने से लेकर नवम्बर, 1978 तक की अवधि के लिये होनी चाहिये ।

गौरी शंकर भार्गव, संयुक्त वस्त्र आयोजन

इस्पात और खान मन्त्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 22 नवम्बर 1978

सं० 8065बी० 13/76 (डी० के० आर० सी०)/19ए—  
मैसर्स जेसप एण्ड कम्पनी लिमिटेड, कलकत्ता से परावर्तन पर  
उसी क्षमता में श्री डी० के० राय चौधुरी ने सहायक लागत लेखा  
अधिकारी के पद का कार्यभार भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में  
1 नवम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से सम्भाल लिया है।

दिनांक 23 नवम्बर 1978

शुद्धि-पत्र

सं० 8117बी०/30/75/19सी०—इस कार्यालय के दिनांक  
10-2-77 की अधिसूचना संख्या 30/75/19सी० के क्रमांक  
50 में उल्लिखित भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के शिफ्ट बास  
श्री सी० एल० वी० आर० अंजनेयलु का नाम निकाल दिया  
जाय।

वी० एस० कृष्णस्वामी  
महा निदेशक

भारतीय खान व्यूरो

नागपुर, दिनांक 20 नवम्बर 1978

सं० ए० 19012/106/78-स्था० ए०—श्री एस० एम०  
दाढेकर, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूवैज्ञानिक) को दिनांक  
24 अक्टूबर, 1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने  
तक भारतीय खान व्यूरो में वर्ग "अ" के पद में नियमित आधार  
पर स्थानापन्थ सहायक खानन भूवैज्ञानिक के रूप में पोष्टित प्रदान  
की जाती है।

दिनांक 22 नवम्बर 1978

सं० ए० 19012(16)70-स्था० ए०—भारतीय खान  
व्यूरो के स्थायी हिन्दी अनुवादक और स्थानापन्थ वरिष्ठ हिन्दी  
अनुवादक श्री बी० बी० शुक्ला को 2 नवम्बर, 1978 के पूर्वाह्न  
से आगामी आदेश तक तदर्थे आधार पर स्थानापन्थ हिन्दी अधि-  
कारी के रूप में पदोन्नति की गई है।

सं० ए० 19012/43/76-स्था० ए०—भारतीय खान  
व्यूरो के स्थानापन्थ उप पुस्तकाध्यक्ष श्री डी० एन० धारे को 7  
नवम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक स्थानापन्थ  
पुस्तकाध्यक्ष के रूप में पदोन्नति की गई है।

एस० बालगोपाल  
कार्यालय अध्यक्ष  
भारतीय खान व्यूरो

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 अक्टूबर 1978

सं० 9/10/78-एस-2—महानिदेशक, आकाशवाणी,  
समाचार सेवा प्रभाग/विवेश सेवा प्रभाग में काम करने वाले  
2-376 GI/78

निम्नलिखित वरिष्ठ ग्रेड आशुलिपिकों की, समाचार सेवा  
प्रभाग, आकाशवाणी, नई दिल्ली में, उनके नामों के सामने दी  
गई तारीखों से, अगले आदेश तक, रिपोर्टर (मानिटरिंग) के  
पद पर तदर्थे आधार पर नियुक्त करते हैं:—

1. श्री जे० एन० अग्निहोत्री	17-7-78 (पूर्वाह्न)
2. श्री ओ० एन० मेहरोत्रा	24-7-78 (पूर्वाह्न)
	एस० वी० सेषाद्री
	प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मन्त्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 20 नवम्बर 1978

सं० ए० 12026/7/75-सिवन्दी I—फिल्म प्रभाग के  
प्रमुख निर्माता ने फिल्म प्रभाग बम्बई के स्थायी अधीक्षक श्री  
विह आर० पेसवानी को दिनांक 17-11-1978 के पूर्वाह्न  
से समान कार्यालय में तदर्थे आधार पर स्थानापन्थ सहायक  
प्रशासकीय अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

एम० चन्द्रन नायर  
प्रशासकीय अधिकारी  
कृते मुख्य निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 21 नवम्बर 1978

सं० ए० 32015/4/78-स्टोर-I—राष्ट्रपति ने वरिष्ठ  
तकनीकी सहायक श्री जे० के० लाल को 13 जनवरी, 1978 के  
अपराह्न से आगामी आदेशों तक परिवार कल्याण विभाग में  
सहायक डीपू मैनेजर के पद पर तदर्थे आधार पर नियुक्त किया  
है।

दिनांक 27 नवम्बर 1978

सं० ए० 12025/6/76-स्टोर-I—संघ लोक सेवा आयोग  
द्वारा की गई सिफारिशों के आधार पर राष्ट्रपति ने केन्द्रीय  
खाद्य प्रयोगशाला, कलकत्ता के सूक्ष्म जीव विज्ञानी डा०  
मनोहर लाल दीर्घीन को 1 नवम्बर 1978 से आगामी  
आदेशों तक जीव प्रयोगशाला तथा पशुधर सरकारी चिकित्सा  
स्टोर डीपू मद्रास में निदेशक के पद पर अस्थाई आधार पर नियुक्त  
किया है।

स० क० कर्त्तव्य  
उप निदेशक प्रशासन

कृषि और सिंचाई मन्त्रालय  
(ग्राम विकास विभाग)

विषयन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 24 नवम्बर 1978

सं० ए० 19023/57/78-प्र० III—विभागीय पदोन्नति  
समिति की सिफारिशों के अनुसार श्री के० एस० निशाल, जोकि

तदर्थ आधार पर विपणन अधिकारी (वर्ग II) के रूप में काम कर रहे हैं, को इस निदेशालय में नई दिल्ली में दिनांक 6-11-78 से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप में नियमित आधार पर विपणन अधिकारी (वर्ग II) नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 25 नवम्बर 1978

सं० ए० 19025/56/78-प्र० III—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिशों के अनुसार श्री बी० ए० मित्तल जो अल्पकालीन आधार पर सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग III) के रूप में काम कर रहे हैं, को दिनांक 6-11-78 में अगले आदेश होने तक नियमित आधार पर स्थानापन्न रूप में सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग III) नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 19025/64/78-प्र० III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री नन्द साल सिंह जो अल्पकालीन आधार पर स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी के रूप में काम कर रहे हैं, को दिनांक 31-8-78 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक नियमित आधार पर स्थानापन्न रूप में सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 19025/109/78-प्र० III—श्री बी० ए० एल० बैरागर वरिष्ठ निरीक्षक को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय पण्डी (गोवा) में दिनांक 9-11-78 से 31-12-78 तक या जब तक नियमित आधार पर पद भरा जाता है, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, स्थानापन्न रूप में सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1), नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 19025/113/78-प्र० III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री योगेन्द्र कुमार पाण्डेय को इस निदेशालय में पटना में दिनांक 7-11-1978 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप में सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) नियुक्त किया गया है।

बी० ए० मनिहार,  
निदेशक, प्रशासन  
कूतूं कृषि विपणन सलाहकार

भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र

(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई 400085, दिनांक 22 नवम्बर 1978

सं० ए०/3563/चिकित्सा/स्थापना 1/4578—निदेशक, भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र ने, इस केन्द्र के डा० संपिगे ननजुड़िया श्रीनाथ, अस्थाई स्थानिक चिकित्सा अधिकारी का सेवा से त्यागपत्र दिनांक 3 अक्टूबर, 1978 के पूर्वाह्न से स्वीकार कर लिया है।

2. यह माना गया है कि डा० श्रीनाथ ने दिनांक 3 अक्टूबर, 1978 (पूर्वाह्न) को अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

एम० ए० राव,  
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रम एवं भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 21 नवम्बर 1978

सं० डी० पी० ए०/41(1)/77-प्रशासन/28310—इस निदेशालय की समसंबंधित अधिसूचना, दिनांक 18 सितम्बर, 1978 के तारतम्य में, निदेशक, क्रम एवं भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, इस निदेशालय के अस्थाई क्रम सहायक श्री जी० बी० वर्तक को, सहायक क्रम अधिकारी पद पर, अग्रिम समय 31 दिसम्बर, 1978 तक, तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

बी० जी० कुलकर्णी,  
सहायक कार्मिक अधिकारी

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500016, दिनांक 27 नवम्बर 1978

सं० प० ख० प्र०/1/14/78-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा श्री शाफताब अहमद किदवर्ही की परमाणु खनिज प्रभाग में, दिनांक 1 नवम्बर, 1978 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक, स्थानापन्न पद पर वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

सं० प० ख० प्र०/1/14/78-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा, श्री नाजिर अहमद भट को परमाणु खनिज प्रभाग में, दिनांक 1 नवम्बर, 1978 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक, स्थानापन्न पद पर वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

एस० बाई० गोखले,  
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

सिविल इंजीनियरी वर्ग

कलपक्कम-603102, दिनांक 2 नवम्बर 1978

सं० सी० ई० जी०/1(6)/78-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग परियोजनाओं के कलपक्कम स्थित सिविल इंजीनियरी वर्ग के मुख्य इंजीनियर (सिविल) अस्थायी पर्यवेक्षकों (सिविल) सर्वश्री के० वेंकटरमाणी और जी० अम्पाया को 1 अगस्त, 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए सिविल इंजीनियरी वर्ग, कलपक्कम में अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

श्री बी० ए० वेंकटेश्वरन,  
प्रशासनिक एवं लेखा अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

सिविल इंजीनियरी प्रभाग

बंगलौर-560025, दिनांक 13 नवम्बर 1978

सं० 10/3(41)/74-सि० ई० प्र० (मु०)—अन्तरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग के मुख्य अभियन्ता

श्री एल० एन० नेवगी, इंजीनियरी-एस० बी० का सेवा से त्यागपत्र दिनांक 7 जुलाई, 1978 के अपराह्न से स्वीकार करते हैं।

पी० आई० य० नम्बियार,  
प्रशासन अधिकारी—II

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर 1978

सं० ए० 32013/15/76-ईसी—इस विभाग की दिनांक 29 जुलाई, 1978 की अधिसूचना सं० ए० 32013/9/77-ईसी के क्रम में राष्ट्रपति ने निम्नलिखित सहायक तकनीकी अधिकारियों को, जो इस समय तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में तदर्थे आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे, दिनांक 19-9-1978 (पूर्वाह्न) से और अन्य आदेश होने तक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्त किया है:—

क्रम सं०	नाम	तैनाती स्टेशन
1.	श्री एस० के० शर्मा	वैमानिक संचार स्टेशन, पालम रेडियो निर्माण और विकास एकक, नई दिल्ली।
2.	श्री डी० पी० अग्निहोत्री	नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद।
3.	श्री श्री० राम कृष्णन	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता।
4.	श्री के० एन० के० पोद्बाल	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई।
5.	श्री ए० के० टिक्कू	नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद।
6.	श्री डी० बी० सूर	वैमानिक संचार स्टेशन, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली।

सं० ए० 32013/9/77-ई सी—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित सहायक तकनीकी अधिकारियों को उच्चतर पद का कार्यभार संभालने धी तारीख से छः माह की अवधि के लिए श्रयवा ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक जो भी पहले ही, तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में तदर्थे आधार पर नियुक्त किया है। पद का कार्यभार संभालने की तारीख तथा तैनाती स्टेशन प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए हैं:—

क्रम सं०	नाम	मौजूदा तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्यभार संभालने की तारीख
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
	सर्वश्री			
1.	बी० एन० गाडबोल	क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय, बम्बई	क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय, बम्बई	22-9-77 (पूर्वाह्न)
2.	डी० के० शर्मा	क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली	क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली	11-10-77 (पूर्वाह्न)
3.	एम० के० पाल	वैमानिक संचार स्टेशन कलकत्ता	वैमानिक संचार स्टेशन कलकत्ता	28-9-77 (पूर्वाह्न)
4.	पी० जे० अग्न्यर	वैमानिक संचार कलकत्ता	वैमानिक संचार कलकत्ता	3-10-77 (पूर्वाह्न)

सत्य देव शर्मा,  
उप निदेशक प्रशासन

#### विदेश संचार सेवा

बम्बई 40000, दिनांक 23 नवम्बर 1978

सं० 1/188/78-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा मुख्य कार्यालय बम्बई के स्थायी अधीक्षक, श्री नी० वि० पद्मनाभन को 1ली सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक उसी कार्यालय में स्थानापन्न रूप से सहायक प्रशासन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 1/9/78-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा मद्रास शाखा के तकनीकी सहायक, श्री पी० बी० पेरुमल को बिल्कुल तदर्थे आधार पर 2 मई, 1978 से आगामी आदेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 1/4/78-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा नई दिल्ली शाखा के पर्यवेक्षक, श्री डी० डी० मलहोत्रा को अल्पकालीन खाली जगह पर 7-11-1977 से 24-12-1977 (दोनों दिनों को मिलाकर) तक की अवधि

के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबंधक नियुक्त करते हैं।

पा० कि० गोविन्द नाथर,  
निदेशक (प्रशां०)  
कूले महानिदेशक,

केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहतालिय

पटना, दिनांक 16 नवम्बर 1978

सं० 11(7) 1-स्थापना/77/11481—केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहतालिय, पटना के श्री एस० के० मिश्रा, सहायक समाहता अपनी सेवा की आयु पूरी कर दिनांक 30-9-1978 के अपराह्न में सेवा निवृत्त हुए।

डी० के० सरकार,  
समाहता

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-22, दिनांक 25 नवम्बर 1977

सं० ए०-32014/1/77-प्रशा० पांच (खण्ड-दो)—विभागीय पदोन्नति समिति (श्रेणी-ख) की सिफारिशों के आधार पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, इस समय अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर की हैसीयत से तदर्थ आधार पर कार्य कर रहे श्री ए० जी० मजूमदार, पर्यावरण को उसी ग्रेड में नियमित आधार पर, रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 23 नवम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से, आगामी श्रादेण तक, स्थानापन्न क्षमता में, नियुक्त करते हैं।

2. श्री ए० जी० मजूमदार, अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के पद पर 23-11-1977 से दो वर्ष पर्यन्त परिवीक्षा पर रहेंगे।

जे० के० साहा,  
प्रबंध सचिव

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कायलिय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स श्री योगीराज पोट्रीस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 21 नवम्बर 1978

सं० 560/1493/सी० पी०—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स श्री योगीराज पोट्रीस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधिटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स आवकार बेनीफीट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 21-11-78

सं० 560/1926/सी० पी०—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स आवकार बेनीफीट प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधिटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स श्री वासुकी पोट्री वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 21-11-78

सं०/560/2467/सी० पी०—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 उप-धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स श्री वासुकी पोट्री वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधिटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स अकोटा पैल्ट्री फार्म प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 21-11-78

सं०/560/2493/सी० पी०—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स अकोटा पैल्ट्री फार्म प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधिटित हो गयी है।

जे० गो० गाथा,

प्रमंडल पंजीयक, गुजरात राज्य, अहमदाबाद

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स मालव वडून एण्ड स्टील इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

वालियर दिनांक 22 नवम्बर, 1978

सं० 1263/ए०/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि मेसर्स मालव वडून एण्ड स्टील इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधिटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स मध्य भारत एग्रो एण्ड अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

वालियर, 23-11-78

सं० 1143/ए०/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि मेसर्स मध्य भारत एग्रो अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधिटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स दी मध्य भारत एंग्रीकल्चर एण्ड होटिकल्चर कम्पनी प्रायवेट लिमिटेड के विषय में।

ग्वालियर, दिनांक 23 नवम्बर 1978

सं० 1142/ए०/560(5)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि मेसर्स दी मध्य भारत एंग्रीकल्चर एण्ड होटिकल्चर कम्पनी प्रायवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स दी ग्वालियर फुड ग्रोवर्स एण्ड कल्टीवेटर्स कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

ग्वालियर, दिनांक 23 नवम्बर 1978

सं० 1152/ए०/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि मेसर्स दी ग्वालियर फुड ग्रोवर्स एण्ड कल्टीवेटर्स कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स दी ग्वालियर लेण्ड डेवलपमेंट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

ग्वालियर, दिनांक 23 नवम्बर 1978

सं० 1144/ए०/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि मेसर्स दी ग्वालियर लेण्ड डेवलपमेंट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स धोलपुर फूड ग्रोवर्स कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

ग्वालियर, दिनांक 23 नवम्बर 1978

सं० 1200/ए०/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि मेसर्स धोलपुर फूड ग्रोवर्स कम्पनी प्रायवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स धोलपुर लेण्ड डेवलपमेंट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

ग्वालियर, दिनांक 23 नवम्बर 1978

सं० 1195/ए०/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि मेसर्स धोलपुर लेण्ड डेवलपमेंट

कम्पनी प्रायवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

सुरेन्द्र कुमार सक्सेना  
कम्पनी रजिस्ट्रार  
मध्य प्रदेश, ग्वालियर

कम्पनी अधिनियम 1956 और गीतांजलि प्रेस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 25 नवम्बर 1978

सं० 841/560(3)/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर गीतांजलि प्रेस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

के० पञ्चापकेशन  
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार  
तमिलनाडु

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पांडिचेरी युनैट फैनानसियल अन्ड टरेडिंग कार्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

पांडिचेरी, दिनांक 25 नवम्बर 1978

सं० 42/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से सीन माह के अवसान पर पांडिचेरी युनैट फैनानसियल अन्ड टरेडिंग कार्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जायगी।

एस० आर० बी० बी० सत्यनारायना  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार  
पांडिचेरी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और किन्तु कदवु ट्रान्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

विनांक

सं० 4518/560(5)/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि किन्तु कदवु ट्रान्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और विक्रमादित्या ट्रान्सपोर्ट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 27 नवम्बर 1978

सं० 4380/560(5)/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि विक्रमादित्या ट्रान्सपोर्ट कम्पनी प्राइवेट का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विष्टित हो गयी है।

सी० अन्युतन  
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

कार्यालय आयकर आयुक्त

नई दिल्ली, दिनांक 22 नवम्बर 1978

धनकर/दान कर

सं० जुरी-दिल्ली/1/78-79/29903—धन-कर अधिनियम, 1957 की धारा 8एए और दान-कर अधिनियम, 1958 की धारा 7एए की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, धनकर/दानकर आयुक्त, दिल्ली-1, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि धन-कर/दान-कर अधिकारी, कम्पनी, सर्किल-20, नई दिल्ली को किसी क्षेत्र या व्यक्तियों या व्यक्तियों के बगौं या आय या आय के बगौं या मामलों या मामलों के बारे में प्रदान की गई या सौंपी गई किसी भी या सभी शक्तियों या कार्यों का प्रयोग

या निष्पादन समवर्ती रूप से निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेज-1 ई० करेंगे।

2. धन-कर/दान-कर आयुक्त, दिल्ली-1, नई दिल्ली, कार्य-निष्पादन की सुविधा के लिए निरीक्षीय सहायक धनकर/दानकर आयुक्त, रेज-1-ई० को धन-कर अधिनियम की धारा 8 एए/दानकर अधिनियम की धारा 7एए की उपधारा (2) में अवेक्षित आदेशों को भी पास करने के लिए प्राधिकृत करते हैं।

3. यह अधिसूचना 23-11-78 से लागू होगी।

क० न० बुटानी  
आयकर आयुक्त दिल्ली-1, नई दिल्ली।

बम्बई-20, दिनांक 23 नवम्बर 1978

आयकर प्रतिष्ठान

सं० 575—श्री एन० कें० बाम, कर वसूली अधिकारी, डी-2 वार्ड, बम्बई को एतद्वारा आयकर अधिकारी, श्रेणी-2 (बर्ग-ख) के मौलिक पद पर 1-8-1977 से लगा कर नियुक्त किया जाता है।

कंवल कृष्ण  
आयकर आयुक्त  
बम्बई नगर-7, बम्बई।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 7 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० ए-163/गी०/78-79/2464-65—अतः

मुझे एस० मजूमदार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपय से अधिक है

और जिसकी वाग सं० 298 पता सं० 19 बेलटोला मौजा, गौहाटी, कामरू जिला है था जो रुकमिनीगंज गौहाटी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गौहाटी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थ ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण विवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री दुर्गेशवार दास, ज्ञालुकबारी, गौहाटी,

(अन्तरक)

2. मेसर्स इंस्टरन टि ब्रोकर्स, (पि) लिमिटेड, जि० एन० बोर्दोलोइ रोड, गौहाटी

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एक्षयीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन के परिमाप 3 (तीन) विधा जो कि रुकमिनीगंगा बेलटोला मौजा, गौहाटी, जिला कामरूप, आसाम प्रदेश में स्थित हैं।

एस० मजूमदार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, शिलांग

तारीख: 7-10-78

मोहर:

प्रस्तुप प्राइ. टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रंजन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 नवम्बर 1978

निदेश सं० 18060/ग्रंजन/मेरठ—अतः मुझे बी० सी०  
चतुर्वेदी

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के  
अनुसार में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
प्रधीन तारीख 4-3-1978

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रतिरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रतिरोध के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित न किया हो गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या ग्रन्थ अस्तियों,  
को जिस्में भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ प्रतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ख  
की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अस्तियों पर्याप्त :—

1. श्री विष्णु कुमार गुप्ता पुत्र खुशीराम निं० दोलकी,  
सदर मेरठ कैन्ट एवं सत्तोष कुमार पुत्र हरदारी लाल  
निं० 28 गढ़ रोड मेरठ एवं शान्ति प्रसाद पुत्र  
राधे लाल जि० डालम पारा मेरठ

(अन्तरक)

2. सहजाद राय पुत्र कल्पूमल विनोद कुमार पुत्र सहजाद  
राय निं० कूधा नील एवं श्रीमती कृष्ण गोयल पत्नी  
शान्ति प्रसाद, कुमुम गोयल पत्नी सुरेश अन्द, मिथलश  
गोयल पत्नी विजेन्द्र कुमार, ऊपा गोयल पत्नी तरेश  
कुमार निं० डालमयारा मेरठ एवं प्रदीप कुमार  
पुत्र सत्तोष कुमार, राजीव कुमार पुत्र शम्भू दयाल  
श्रीमती नीरु गुप्ता पत्नी अतुल कुमार गुप्ता निं०  
28 गढ़ रोड, मेरठ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंजन के लिए  
कार्यालयित करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंजन के सम्बन्ध में कोई भी प्रारंभिक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी ग्रन्थ अस्तित्व द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

इष्टीकारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिचालित  
हैं, वही ग्रन्थ होगा जो उस प्रधाय में दिया  
या है।

अनुसूची

अक्षल सम्पत्ति भूमि एवं बिल्डिंग श्री महालक्ष्मी खन्ड-  
सारी उद्योग स्थित ग्राम चिटाथन, भगवानपुर जिला मेरठ  
1,00,000 रु० के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्रम प्राधिकारी,  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),  
ग्रंजन रेंज, कानपुर

दिनांक : 28-9-1978

मोहर :

प्रस्तुप ग्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 60/61 एरंडवना कर्वे रोड, पूना  
पूना 411004, दिनांक 28 नवम्बर 1978निर्देश सं० सी० ए० 5/बम्बई/मै० 78/377—यतः मुझे,  
श्रीमती पी० ललवानीआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक हैऔर जिसकी संख्या सर्वे क्र० 147 ए-147-बी०, 148, 148-ए,  
149-बी०, 149-सी०, 155-बी०, 315, 316 और 317 है तथा जो  
मौजेलोनावला डि० पूना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से दर्णित है), रजिस्ट्रीकॉर्ट प्राधिकारी के  
कार्यालय बम्बई में, रजिस्ट्रीकॉर्ट अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 26-5-78को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और  
प्रत्यक्षित (अन्तरकों) और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षितियों) के  
बीच ऐसे प्रत्यक्षित उचित स्थावर सम्पत्ति में विविध  
उद्देश्य से उक्त प्रस्तावना लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्षित के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें मार्सीय प्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;अतः प्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

3-376GI/78

1. श्री अशोक, सुन्दरलाल  
श्री अजित सुन्दरलाल  
डा० कृष्णलाल त्रिभूवनदास गुजर  
के०/प्रॉफ मेसर्स खेमचन्द्र अमरचन्द्र, स्टॉक एक्सचेज  
विलिंग 5, फलोम्पर, बम्बई  
(अन्तरक)

2. श्री गिरीश ठाकुरलाल वकील, 2. विरेन्द्र भोगीलाल  
शाह० 3. दमयन्ती वसत्त वकील 4. विजया नारायण  
गुजराठी, 5. धर्मिष्ठ किशोर देसाई 6. प्रियबाला  
प्रफुल गुंडीराम 7. सरोज विरेन्द्र शाह०, 7. पार्टनस  
आँफ रोजीबाग कॉर्पोरेशन लि० विरेन्द्र जी० शाह०  
छोटालाल भवन, 418-कालबारेवी रोड, बम्बई  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के  
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी प्रत्यक्षित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभ्राष्ट  
है, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में किया  
गया है।

## अनुसूची

प्रॉपर्टी एट सर्वे क्र० 163, 160, 160/1/0/60/4,  
161, 156, 162, 155, 164, 166, 158, 157 और 159,  
एट कालबुम्बा, मौजे लोनावला, पोस्ट बॉडला लांमावल,  
क्षेत्रफल:—94326 वर्गमीटर

(जैसे की रजिस्ट्रीकॉर्ट विलेख क्र० 414, 26 मई, 1978  
को सब रजिस्ट्रार बम्बई के दफतर में लिखा है)

श्रीमती पी० ललवानी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 28-11-78

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 16 अक्टूबर, 1978

सं० 814—यतः मुझे एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 32-7-19 है, जो काकिनाडा में स्थित है (और इससे उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकिनाडा में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-3-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्या पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

यतः ग्रन्थ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरमें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अन्तियों, अवधारणा :—

(1) श्रीमती ऐ० गंगायलता (2) ऐ० रामाराव काकिनाडा ।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० वेंकटराजू काकिनाडा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

काकिनाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पालिक अंत 30-3-78 और 15-4-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1254/78 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति ।

(एन० के० नागराजन)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकिनाडा

तारीख : 16-10-78

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी ० एन० एस०-----

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, धारवाड़

धारवाड़ दिनांक 29 नवम्बर

निर्देश सं० 241/78-79/अर्जन-अयतः, डी० सी० रामा-  
गोपालन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सी० एस० नं० 678 है, जो आनंदल परिया, बेलगांव शहर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेलगांव अंडर डाक्युमेंट नं० 3083 हि० 4-3-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरेत की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूसर्यमान प्रतिफल से ऐसे दूसर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रथ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्ति:—

श्रीमती प्रभा गजानन नागवेकर,  
श्री दीपक विश्वनाथ हलहनकर माहिम, बम्बई, उनके  
जरिये पेश किया जाना है।

(अन्तरक)

2. श्री गुणप्पा शांतिप्पा कान  
मार्केट रोड, सांगलि
- (2) बाबूराव गूप्पा सुभेदार, केंद्रीय आफ डामांड फोटो  
फोर वर्क्स, आनंदल, तिलकवाडि बेलगांव

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आधेष्टः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खूला स्थान आनंदल एरिया के यहां है। मिं० एस० नं० 678, इसके इलावा प्लाट नं० 13 से 17 और 25 से 27, एकत्र स्थान 15 गुंटा और 5 एकड़ोर है।

(डी० सी० राजगोपालन)  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हुबली

तारीख : 25-10-78

मोहर :

प्रस्तुप आई० दी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० सी० आर० नं०/62/16346/78-79/ए०  
सी० क्य०/बी०—यह: मुझे डी० सी० राजगोपाल

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 14, (पुराना सं० 6) है, तथा जो हस रोड, बंगलूर 560025 में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में श्रीपूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शीबाजीनगर बंगलूर दस्तावेज सं० 3241/77-78 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9-3-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्पतः—

1. श्री ये० माधवाचा राव,

पुत्र स्वर्गीय राव साहब ये० विट्टल राव,  
सं० 48, करनेसवर कायल स्ट्रट मडलापुर,  
मद्रास-4

(अन्तरक)

2. श्रीमती हसीन परवीन

पत्नी मुनावर बाशा  
मैनेजर पार्टनर  
मैसर्स कवालीटी मानूसनटस लकश्मीपुरम,  
कुपम।

3. मिलीटारी एस्टेट आफिसर (वह अवित, जिसके करनाटाका सरकल अधिभोग में संपत्ति कबवन रोड, बंगलूर। है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अवित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य अवित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3241/77-78 तारीख 9-3-1978)  
समपत्ती सं० नया 14, (पुराना सं० 6) हेस रोड,  
बंगलूर-25।

उत्तर—समपत्ती—सं० 15

दक्षिण—सम्पत्ति सं० 13

पूर्व—हेस रोड

पश्चिम—परीवेट सम्पत्ति

डी० सी० राजगोपालन  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख: 25-10-78

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ओरा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 अक्टूबर, 1978

निर्देश सं० सी० आर० नं० 62/16357/78-79/एफ०  
क्य०/बी०—यह: मुझे डी० सी० राजगोपलन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके प्रधानत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की ओरा  
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
ह० से अधिक है

और जिसकी सं० 29 (पुराना सं० 25) है, तथा जो गरानत  
रोड, बैंगलूर-1 में स्थित (और इससे पउपाबद्ध अनुसूची में  
श्री पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय,  
शीतालीनगर बंगलूर दस्तावेज सं० 32एच/77-78में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख

15-3-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन बार देने के अन्तरक के दायित्व में कभी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः यदि, उक्त अधिनियम की ओरा 269-व के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की ओरा 269-व की उपशारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त हूँ—

- श्री परवीन खालील  
पुत्री मिस्टर के० शीराजी  
सं० 16, अली प्रसकर रोड,  
बंगलूर। (अन्तरक)
- (1) मिस्टर एल० आर० एम० नटाराजन  
पुत्र पी० आर० एम० एल० रामनाथन

(2) मिसेज एन० सरोजा एलियास उश्नामालेय  
पत्नी मिस्टर एल० आर० एम० नटाराजन।

(3) मास्टर एन० सेथीरामन  
सब का पता:—सं० 85, कोलेस रोड, फरनेर टौन,  
बैंगलूर-5  
(मेन टैनेट)

- (1) मिसेज एम० बी० रीड (सब-टेनेट)
- (2) मै० जोकर एसोसिएट्स
- (3) मै० विक्राम एसोसिएट्स
- (4) मै० सी० विश्वानाया नायर
- (5) मै० उताना इनलीविमरीश कम्पनी
- (6) मै० किसान मोर्टस
- (7) मै० ए० हीसेल और कम्पनी
- (8) मै० पावर डीवीसन
- (9) मै० कावेरी कमर्शियल कारपोरेशन
- (10) मै० कान्टीनन्टल इंजीनियारंग बनटराकाटर
- (11) मै० एमर मशीन टूल्स
- (12) मै० एम० शीवाराम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
प्रत्येक व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही  
प्रयोग द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास दिया गया है।

## अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3274/7778 तारीख 15-3-78)

सम्पत्ति सं० 29 (पुराना सं०) गरानेट रोड बैंगलूर-1  
(डीवीजन सं० 60)

बौनडारीस

उत्तर—सं० 24 (पुराना) गरानट रोड

दक्षिण—गरानट रोड

पूर्व—कामन रोड

पश्चिम—बैंगलूर बरेवरी पेरीमिसेस

(डी० सी० राजगोपालन)

सक्रम अधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख: 25-10-78

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० 'एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 अक्टूबर 1978

निदश सं० सी० आर० न० 62/16997/78-79/ए०  
सी० क्य०/वी०—यतः मुझे डी० सी० राजगोपालन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 97 है, तथा जो एम० जी० रोड, बंगलूर  
में स्थित है (और इसमें उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रीताजीनगर  
बंगलूर दस्तावेज सं० 3353/77-78 में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-3-1978  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मिस्टर आई० इ० रास  
पुत्र स्वर्गीय सी० एम० रास  
सं० 97, एम० जी० रोड,  
बंगलूर-1

(अन्तरक)

2. मैसर्स नतेसनस आनटी क्वार्ट्स  
(प्राइवेट) लिमिटेड  
सं० 2/1 एडवारडस रोड,  
बंगलूर (अन्तरिती)  
(1) मै० नतेसव ब्रावर्स (पं) लिमिटेड  
(2) मै० कारू बास्स इन्डस्ट्रीज  
(3) मै० आनटी क्वार्ट्स  
(4) श्री सी० ए० शिफोरड  
(5) श्री आजाद  
(6) मै० सेलकड बुकशाप  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—  
(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3353/77-78 तारीख 31-3-78)

सम्पत्ति सं० 97 एम० जी० रोड,

बंगलूर (डी० 60)

उत्तर—समपत्ति मिस्टर चट्टी

दक्षिण—समपत्ति मिस्टर एम० सी० रास

पूर्व—समपत्ति हौसीनरा जी० इ० सी० लिमिटेड

पश्चिम—मिस्टर एम० सी० रास

डी० सी० राजगोपालन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख: 25-10-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 9 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० फा० क्र०/आय/ए/सी/अर्जन/79/78-79—  
यतः मुझे, पी० बी० चार्ल्सआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० मकान नं० 187 प्लाट नं० 229 वार्ड नं० 70 है तथा जो धरमपेठ एक्सटेन्सन, नागपुर में स्थित है और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-3-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निर्नालिक्षित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निर्नालिक्षित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) 1. श्री ओम प्रकाश शंकरलाल राठी  
2. श्रीमती जमना देवी, ओमप्रकाश राठी  
दोनों रहने वाले सुभाष रोड कॉटन मार्केट  
नागपुर। (अन्तरक)(2) 1. श्री उद्धवदास जमनादास मोहता  
2. श्री किसनदास जमनादास मोहता,  
दोनों रहने वाले रामदास पेठ, नागपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा याकेंगे।

**एषटोकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 187 प्लाट नं० 229 वार्ड नं० 70 धरमपेठ,  
नागपुर।पी० बी० चार्ल्स  
सकाम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नागपुर।

तारीख : 9-10-1978

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 9 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० आई०ए०सी०/ए० सी० क्य००/८०/७८-७९—

यतः मृश्ने पी० बी० चार्ल्स

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 3-1-6, का भाग, कलेक्टर आफीस के सामने है तथा जो नांदेड में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची ने और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय नांदेड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है;

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के असीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मकान नं० 3-1-6, का कुठ भाग, कलेक्टर आफीस के सामने, नांदेड

पी० बी० चार्ल्स  
सक्षम प्राधिकारीसहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोड, नागपुर

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अस्ति:—

तारीख : 9-10-78

मुहर :

1. श्रीमती चंद्रदेवी राधाकिसन मालगानी नांदेड  
(अन्तरक)2. श्री डा० देवराव रावलाहेब देशमुख,  
आंबेगांवकर, नांदेड  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दूदार किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रलूप ग्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 17 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० फा० सं० आय० ए० सी०/अर्जन/83/78-79—  
यतः मुझे पी० बी० चार्लेसआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० जमीन और मकान प्लाट नं० 6 और 8  
खसरा नं० 34-ए है तथा जो बैरामजी टाउन नागपुर में स्थित  
है) और इसमें उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
6-3-78को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
प्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित रुद्धि से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों  
को जिस्में भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
छन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्तातः:—

4—376GI/78

1. श्रीमती सुशीला बी० बैरामजी,  
7, बैरामजी टाउन नागपुर

(अन्तरक)

2. नागपुर महाविज्ञालय स्टाप को-आप०  
हाऊसिंग सोसायटी लि० तर्फे सचिव श्री  
एस० ए० अन्सारी, स्टारकी टाउन नागपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
सिद्धित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अमृसूची

जमीन और मकान जो प्लाट नं० 6 और 8 पर स्थित हैं,  
तथा जिसका खसरा नं० 34-ए शीट नं० 34-बी० है। और  
जो बैरामजी टाउन नागपुर में स्थित है।

पी० बी० चार्लेस  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 17-10-1978

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड, रोहतक

रोहतक, दिनांक 26 अक्टूबर, 1978

निर्देश सं० बी० जी० आर०/38/77-78—प्रत: मुझे  
रवीन्द्र कुमार पठानियाँ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान प्लाट नं० 5, 6, 7 व 8 (बी-टाईप)  
है तथा जो नेहरू ग्राउन्ड, फरीदाबाद में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय बल्लबगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1978  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में  
सुविधा के लिए;

प्रत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथाति:—

1. श्री फूल चन्द बत्तरा पुत्र  
श्री निहाल चन्द  
निवासी ई-75 मेटर कैलाश-2  
नई देहली

(अन्तरक)

2. मै० बी० के० स्टील इन्डस्ट्रीज,  
बी० 160-161-162, नेहरू ग्राउन्ड  
न्यू टाउनशिप, फरीदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

खाली दुकान प्लाट नं० 5, 6, 7 तथा 8 (बी० टाईप)  
जोकि नेहरू ग्राउन्ड, ए० आई० टी० फरीदाबाद में स्थित है  
(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता बल्लबगढ़ के कार्यालय में  
रजिस्ट्री क्रमांक 5395 तिथि 2-3-78 पर दर्ज है)

रवीन्द्र कुमार पठानिया,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 26-10-78

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 सितम्बर 1978

निर्देश नं० ए० एस० आर०/78-79/59—यतः मुझे एन० पी० साहनी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,

और जिसकी सं० कृषि भूमि गांव जबलकलां जिला अमृतसर है तथा जो गांव जबल कलां में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलकलां में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथात् वैक्तिक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रराति—

1. श्री गुरुदीप सिंह पुत्र श्री मंगल सिंह गांव व डाकखाना जबल कलां जिला अमृतसर ।

(अन्तरक)

2. श्री हरदयाल सिंह पुत्र श्री दलीप सिंह श्रीमती हर जिन्दर कौर पल्ली श्री हरदयाल सिंह गांव व डाकखाना जबल कलां, जिला अमृतसर

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर० नं० 2 में है और कोई किरायेदार यदि हो तो

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

4. और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो तो ।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि 48के—18एम० जोकि गांव जबलकलां जिसा कि रजिस्ट्रेड डीड नं० 532 जुलाई 1978 आफ रजिस्ट्रेंग अधारिटी जबल कलां जिला अमृतसर में है ।

एन० पी० साहनी  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 27-9-79

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 सितम्बर 1978

निदेश सं० ए० एस० आर०/78-79/58—यतः मुझे  
एन० पी० साहनी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष  
के अधीन सक्षम अधिकारी को, यद्यु विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी कृषि भूमि जंडियाला गुरु जिला अमृतसर है तथा  
जो अमृतसर तहसील में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय अमृतसर तहसील में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 1) के अधीन, तारीख मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाया प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

1. मैसर्ज राजा इंडस्ट्री,

जंडियाला गुरु

द्वारा, श्री विहारी लाल खना पुत्र श्री हरी चन्द खना  
कोठी नं० 77, कनेडी एवनीयू,  
अमृतसर ।

(अन्तरक)

2. मैसर्ज न्यू भारत पारल कम्पनी

द्वारा, श्री गियान सिंह पाटनर,  
जंडियाला गुरु जिला अमृतसर

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है तथा और कोई किरायेदार  
यदि हो तो

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है) ।

4. यदि कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-  
हस्ताक्षरी जानता कि है वह सम्पत्ति  
में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यदातियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि 6के०—14एम० 13के०—8एम० का 1/2 हिस्सा  
है जोकि जी० टी० रोड, जंडियाल गुरु जैसा कि रजिस्ट्र्ड छोड़  
नं० 5495 मार्च, 1978 आफ रजिस्ट्रिंग अथारिटी, अमृतसर  
तहसील में है ।

एन० पी० साहनी  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 27-9-78

मोहर :

प्रकल्प प्राईंटी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 सितम्बर 1978

निदेश नं० ए० एस० आर०/78-79/60—यतः मुझे एन० पी० साहनी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 1882 और 2026/4 और 138/4 गुरु बाजार, अमृतसर है जो गुरु बाजार, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उक्त अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से दूई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम; के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के धन्वसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अस्तियों, प्रधार्ता:—

1. श्री अवतार सिंह, मनजीत सिंह, द्वारा श्री जान सिंह, सोहन सिंह, दयाल सिंह, अवतार सिंह पुत्रान श्री जान सिंह गुरु बाजार, अमृतसर

(अन्तरक)

2. श्रीमती महिमा देवी पत्नी श्री मवन लाल गुरु बाजार, अमृतसर

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 और कोई किरायेवार होती है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई आदमी इस सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होणा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 1882 और 2026/4 गुरु बाजार अमृतसर जैसा कि रजिस्टर्ड डीड नं० 58 मार्च, 1978 आफ रजिस्ट्रेशन अथारिटी अमृतसर शहर में है।

एन० पी० साहनी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 29-9-78

मोहर :

प्रलेप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 18 नवम्बर 1978

निदेश सं० ए० एस० आर०/78-79/79—यतः मुझे  
जी० एल० गारू

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 347, ग्रीन एवनीयु अमृतसर है  
तथा जो अमृतसर शहर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, प्रर्थत्:—

1. इम्प्रूबमेंट ट्रस्ट, अमृतसर

(अन्तरक)

2. श्री अवतार सिंह पुत्र अमर सिंह द्वारा निरमल सिंह  
मार्फत जीनत साड़ी हाऊस, 2402/3 हरिहारन सिंह  
रोड, करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)।

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-  
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति  
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 347 ग्रीन एवेन्यु, अमृतसर जैसा कि रजिस्टर्ड  
डीड नं०: 248 अप्रैल, 78 रजिस्ट्रीकर्ता अमृतसर में स्थित  
है।

जी० एल० गारू,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख: 18-11-78  
मोहर:

प्रहर प्राईंट टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 23 नवम्बर 1978

निवेश नं० : ए० एस० आर०/78-79/84—यतः मुझे जी० एल० गालू

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 326, 327, 328 वा 329, कबीन्ज रोड, अमृतसर है तथा जो कबीन्ज रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 18) के अधीन तारीख प्रैल, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्यातः—

1. श्री अशोक कुमार मेहरा पुत्र जानकीदास मेहरा द्वारा श्रीमती राजकुमारी मेहरा विवाहा श्री जानकीदास मेहरा बीनज रोड, अमृतसर

(अन्तरक)

2. श्री शशी सेठ सप्तसी सतीशचन्द्र, गली नं० 3, 45 नम्बर, माडल टाउन, अमृतसर

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नम्बर 2 में है और जो किरायेवार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति सम्पत्ति में इच्छा रखता हो तो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितशब्द है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यालयी करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितशब्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान नं० 326, 327, 328 और 329 कबीन्ज रोड अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्री नं० 310 दिनांक 20-4-1978 रजिस्ट्रीकर्ता अमृतसर शहर में है।

जी० एल० गालू  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 23-11-1978

मोहर:

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269८ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्राधिकरण (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 नवम्बर 1978

निदेश नं० एएसआर०/78-79/85/272—यतः,  
मुझे, जी० एल० गालू

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269८-४ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान की जायदाद नं० 1676/III-75 और 1675/III-25 है तथा पुरानी लक्कड़ मंडी, कटड़ा जलियां, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावन्द्र अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर शहर म रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या पन्न्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यद्यु, उक्त अधिनियम की धारा 269८-४ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269८-४ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों अर्थात् :—

1. श्रीमती चन्द्र कान्ता पत्नी श्री गोवर्धन शास अग्रवाल, दयानन्द नगर, अमृतसर। (अन्तरक)
2. श्री सत्या नारायण पुत्र श्रीलाल चन्द्र और श्रीमती विमला देवी पत्नी श्री सत्या नारायण निवासी कुण्डा मार्केट, कटड़ा जलियां, अमृतसर। (अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर क्रम नं० 2 ऊपर और कोई किरायेदार हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी यह जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी पन्न्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान नं० 1676/III-25 और 1675/II-25 पुरानी लक्कड़ मंडी अमृतसर जैसा कि रजिस्टर्ड डीड नं० 163 आफ अप्रैल 1978 आफ रजिस्ट्रीकर्ता अधारिटी अमृतसर शहर में है।

जी० एल० गालू  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 30 नवम्बर, 1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० ई० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 23 अक्टूबर, 1978

निदेश सं० एलडीएच०/163/77-78—अतः, मुझे,  
नव्यू रामआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 14 कनाल 11 मरले  
है तथा जो गांव हीरा, तहसील लुधियाना में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च,  
1978 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बात उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शायद भूमि करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
पन्न-बार अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपस्थाना (1) के अधीन निम्नलिखित अवक्तियों, अर्थात्:—

5—376GI/78

1. श्री मेवा सिंह पुत्र श्री भगवान सिंह वासी गांव कुहाड़ा  
तहसील लुधियाना।  
(अन्तरक)
2. श्री दर्शन कुमार ओसवाल पुत्र श्री रत्न चन्द ओसवाल  
वासी 534-घी-19, कलेज रोड, सिविल लाइन,  
लुधियाना।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अमृसूची

कृषि योग्य भूमि जिसका क्षेत्रफल 14 कनाल 11 मरले हैं  
और जो गांव हीरा, तहसील लुधियाना में स्थित है।(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के  
कार्यालय के विलेख संख्या 6707, मार्च 1978 में दर्ज है।)

नव्यू राम  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 20-11-1978।

मोहर:

प्रकल्प आई०टी० एन० एस०—————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 23 अक्टूबर 1978

निवेश सं० एल डी एच०/164/77-78—अतः, मुझे  
नत्यू राम,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष  
के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 14 कनाल 11 मरले  
है तथा जो गांव हीरां, तहसील लुधियाना में स्थित है (और  
इससे उपावस्था अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च,  
1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि वयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वार्त्त्व  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया  
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपचारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री अर्जीत सिंह पुत्र श्री भगवान सिंह वासी गांव  
कुहाड़ा, तहसील लुधियाना। (अन्तरक)

2. श्री दर्शन कुमार पुत्र श्री रत्न चन्द्र ओसवाल वासी  
534, बी०-19, कालेज रोड, सिविल लाइन, लुधियाना।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रमणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी अधिकारीयों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी  
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अधिकारीयों में से किसी अधिकत द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमूद्द किसी  
अन्य अधिकारीय द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 का में परिभाषित  
है, वही पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 14 कनाल 11 मरले हैं और  
जो गांव हीरां, तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के  
कार्यालय के विलेख संख्या 6708, मार्च, 1978 में दर्ज है)

नत्यू राम  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
ग्रन्जन रेज, लुधियाना।

तारीख : 23-10-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 23 अक्टूबर 1978

निदेश सं० एल डी एच० 162/77-78—अतः, मुझे नथू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 14 कनाल 11 मरले हैं तथा जो गांव हीरां, तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्ति:—

1. श्री मेवा सिंह, पुत्र श्री भगवान सिंह वासी गांव कुहाड़ा, तहसील लुधियाना।  
(अन्तरक)

2. श्री दर्शन कुभार ओसवाल पुत्र श्री रत्न चन्द्र ओसवाल वासी 534-बी-19, कालेज रोड, सिविल लाइन, लुधियाना।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 14 कनाल 11 मरले हैं और जो गांव हीरां, तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 6706-मार्च, 1978 में वर्ज है)

नथू राम

सक्रम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, लुधियाना

तारीख: 23 अक्टूबर, 1978

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 23 अक्टूबर, 1978

निदेश सं० एल डी एच०/172/77-78—अतः, मुझे,  
नन्दू राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 20 कनाल 11 मरले हैं तथा जो गांव हीरां, तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के कृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके कृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पांच गया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी अ की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी अर्चात् —

1. सर्वश्री काका सिंह, लाभ सिंह पुत्र श्री शाम सिंह वासी वरवाला खेवटकार हीरां, तहसील लुधियाना।

(अन्तरक)

2. सर्वश्री दर्शन कुमार ओसवाल व श्रीपाल ओसवाल पुत्र श्री रत्न चन्द वासी, 534 बी-19, कालज रोड, सिविल लाइन, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याद्वयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्दू राम

सभी प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 23 अक्टूबर 1978

मोहर :

प्रह्लप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

## 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 23 अक्टूबर 1978

निदेश सं० एल डी एच०/173/77-78—अतः, मुझे,  
नथू राम,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 20 कनाल 11 मरले  
हैं तथा जो गांव हीरां, तहसील लुधियाना, में स्थित है और  
(इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना, में रजिस्ट्रीकरण,  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1978  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्वा किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्ति :—

1. श्री नशीब सिंह व श्री मेवा सिंह पुत्र श्री शाम सिंह  
वासी गांव हीरां, तहसील लुधियाना। (अन्तरक)

2. सर्वे श्री जबाहरलाल ओसवाल व श्री जन्मी लाल  
ओसवाल, पुत्र श्री विद्या सागर ओसवाल वासी  
396/1 बी-19, धूमार मण्डी, लुधियाना।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

लिखित :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसंधी

कृषि योग्य भूमि जिसका क्षेत्रफल 20 कनाल 11 मरले  
है और जो गांव हीरां तहसील लुधियाना 1 में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के  
कार्यालय के बिलेख संख्या 6757, मार्च, 1978 में दर्ज है।)

नथू राम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लुधियाना  
तारीख : 23 अक्टूबर, 1978  
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अर्जन रेज, लुधियाना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

लुधियाना दिनांक 23 अक्टूबर 1978

निदेश सं० एल० डी० एच०/157/77-78—अतः मुझे नत्यूराम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 24 कनाल है तथा जो गांव हीरां, तहसील लुधियाना, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता, अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1978

को पूर्वोक्त, संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरके दायित्व में कमी करने या उससे चर्चने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मत्र, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री नच्छत सिंह पुत्र श्री सत्ता सिंह वासी गांव मान गढ़, तहसील लुधियाना।  
(अन्तरक)
2. श्री जनी लाल ओसवाल पुत्र श्री विद्या सागर ओसवाल वासी 396/1 बी-19., घूमार मण्डी, लुधियाना।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्ध व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के व्यायाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस व्यायाय में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषियोग्य भूमि, जिसका क्षेत्रफल 24 कनाल है और जो गांव हीरां, तहसील धुधियाना, में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना, के कार्यालय, के विलेष संख्या 6660, मार्च, 1978 में दर्ज है।)

नत्यूराम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 23-10-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 23 अक्टूबर, 1978

निदेश सं० एल० डी० एच०/166/77-78—अतः मुझे नत्यू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 17 कनाल 2 मरले हैं तथा जो गांव हीरां, तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वापित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री सतिन्दर पाल पुत्र श्री बन्सी राम वासी 1121, बी-1, विश्वनू पुरी, लुधियाना ।

(अन्तरक)

2. श्री जवाहरलाल ओसवाल पुत्र श्री विद्या सागर ओसवाल वासी 396 बी-19, घूमार मण्डि रोड, सिविल लाइन, लुधियाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 17 कनाल, 2 मरले हैं और जो गांव हीरां तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेप संख्या 6710, मार्च, 1978 में दर्ज है।)

नत्यू राम

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 23-10-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 23 अक्टूबर, 1978

निदेश सं० डी०एच०आर०/33/77-78—अतः मुझे  
नत्यू रामआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के प्रधीन सभाप्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर मम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक हैऔर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 78 विधा 10 विश्वा  
है ता जो गांव काश्ली, तहसील धूरी में स्थित है (और इससे  
उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, धूरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1978को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के त्रिप्ति अनुसार की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, देसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से नहीं किया गया है :—(न) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों  
को, जिहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—1. श्री सन्त सिंह पुत्र श्री जोगा सिंह, मुख्यारपंजाब कौर  
विधवा, श्री सरनाम सिंह वासी गांव काश्ली, तहसील  
धूरी ।

(अन्तरक)

2. श्री गुरदेव सिंह, रणजीत सिंह पुत्र श्री तेजा सिंह,  
श्री गुरनाम सिंह सतपाल सिंह पुत्र श्री मोहन्दर सिंह  
वासी गांव जोनपुर जिला संगरुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी अविक्तियों पर  
मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य अन्तिती द्वारा, अंग्रेजस्ताकरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।इष्टटीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं वही अर्थ दोगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 78 विधा 10 विश्वा है और जो गांव  
कालजी, तहसील धूरी, जिला संगरुर में स्थित है ।(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, धूरी के कार्यालय  
के विलेख संख्या 1 मार्च, 1978 में दर्ज है ।)नत्यू राम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहयक आयकर आयुक्त (निरीक्षक)  
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 23-10-1978

मोहर :

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 23 अक्टूबर, 1978

निदेश सं० एम० एन० डी०/१८८-७८—अतः मुश्त, नत्यू राम

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपय से अधिक है

और जिसकी सं० घर जो जुगिन्दर रोड, खलेयर मंडी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मंडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विस्तृत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

6-376 GI/78

1. श्री वरिज विहारी शर्मा पुत्र श्री हरि कृष्ण, जवाहर नगर, मंडी, (ह० प्र०)।

(प्रत्तरक)

2. श्री रिज विहारी कपूर पुत्र श्री गणेश कपूर, जवाहर नगर, मंडी (ह० प्र०)।

(अन्तरिती)

3. श्री मन्नालाल, बंसल, पुत्र श्री शान्ति नराण सुपरी ड्रेडिंग इंजीनियर, पी० डब्ल्यू० डी०, सोलन।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

घर जो जुगिन्दर रोड, खलेयर (मंडी) (ह० प्र०) में स्थित है।

जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मंडी के विलेख सं० 135 फरवरी, 1978 में दर्ज है।

नत्यू राम  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 23-10-1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईटी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचनाभारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 23 अक्टूबर, 1978

निदेश सं० एस० ओ० एल०/2/78-79—अतः मुझे,  
नत्यू रामआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है,और जिसकी सं० मकान व जमीन का भाग है तथा जो पैलस  
रोड, सोलन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध, अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
सोलन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन अप्रैल, 1978पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण विधित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;अग्र: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात्:—1. श्री ईश्वरी सिंह पुत्र श्री नोपाल सिंह  
वासी पैलस रोड, सोलन।

(अन्तरक)

2. श्री मन्ना लाल बंसल पुत्र श्री शान्ति नरायण,  
सुपरिटेंडिंग इंजीनियर, पी० डब्ल्यू० डी०, सोलन।

(अन्तरिती)

3. श्री मन्ना लाल बंसल पुत्र श्री शान्ति नरायण सुपरी-  
टेंडिंग इंजीनियर, पी० डब्ल्यू० डी० सोलन।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)।को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए  
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से  
किसी अविक्त द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य अविक्त द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जायदाद जोकि पैलस रोड, सेर, सोलन में स्थित है।

(जायदाद जोकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सोलन, के  
कार्यालय के विलेख संख्या 94, अप्रैल, 1978 में दर्ज है।)नत्यू राम  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 23-10-1978

मोहर:

प्रस्तुप आई०.टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 23 अक्टूबर, 1978

निदेश सं० एस० ओ० एल०/३/७८-७९—अतः मुझे नव्यायम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान व जमीन है तथा जो सेर, सोलन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सोलन में रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल, 1978 के

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अब: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम को धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्व श्री कपूर सिंह व शमशेर सिंह पुत्र श्री सुन्दर सिंह वासी पैलस रोड, सोलन ।

(अन्तरक)

2. श्री मन्नालाल बंसल, पुत्र श्री शान्ति नरायण सुपरी-टेंडिंग, इंजीनियर, पी० डब्ल्यू० डी०, सोलन ।

(अन्तरिती)

3. श्री मन्नालाल बंसल, पुत्र श्री शान्ति नरायण सुपरी-टेंडिंग इंजीनियर, पी० डब्ल्यू० डी०, सोलन ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तिपूर्वक विवरण नहीं है।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान व जमीन जोकि सेर, सोलन (पैलस रोड) में स्थित है ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सोलन के कार्यालय, के विलेख संख्या 95, अप्रैल, 1978 में दर्ज है ।)

नव्य राम  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);  
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 23-10-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना,

लुधियाना, दिनांक 23 अक्टूबर, 1978

निदेश सं० ए०ल ओ एच/4/78-79—अतः मुझे, नव्यूराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान व जमीन है तथा जो शेर, सोलन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सोलन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृश किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किती आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री हरि सिंह पुत्र श्री अमर सिंह  
वासी पैतस रोड, सोलन।  
(अन्तरक)

2. श्री मन्नालाल बंसल पुत्र श्री शान्ति नारायण, सुपरी-टेंडिंग, इंजीनियर, हिं० प्र०, पी० उच्चल्य० डी०, सोलन।  
(अन्तरिती)

3. श्री मन्नालाल बंसल, पुत्र श्री शान्ति नारायण, सुपरी-टेंडिंग इंजीनियर, हिं० प्र०, पी० उच्चल्य० डी०, सोलन।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

संष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रोर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रथ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान व जमीन जो शेर, सोलन में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सोलन के कार्यालय के बिलेख संख्या 96, अप्रैल, 1978 में दर्ज है।)

नव्यूराम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख: 23 अक्टूबर, 1978

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 23 अक्टूबर 1978

निदेश सं० एच ओ एल/5/78-79—अतः मुझे नन्थ राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान व जपीन है तथा जो सेर, सोलन में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सोलन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की आय 269-ग के अनुसरण में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सत्याइन्दर सिंह पुत्र श्री देवी सिंह वासी पैलस रोड, सोलन।

(अन्तरक)

2. श्री मन्ना लाल बंसल पुत्र श्री शान्ति नारायण, सुपरी-टेंडिंग इंजीनियर, हि० प्र०, पी० डब्ल्य० डी०, सोलन। (अन्तरिती)

3. श्री मन्ना लाल बंसल पुत्र श्री शान्ति नारायण सुपरी-टेंडिंग इंजीनियर, हि० प्र०, पी० डब्ल्य० डी०, सोलन। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना बी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों योर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान व जमीन जो सेर, सोलन में स्थित है।

(जायदाद, जोकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सोलन के कार्यालय के विलेख संख्या, 97, अप्रैल, 1978 में दर्ज है।)

नन्थ राम

समक्ष प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 23 अक्टूबर, 1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 23 अक्टूबर, 1978

निदेश सं० एस ओ एल/6/78-79—अतः मुझे, नत्यू राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान व जमीन है तथा जो सेर, सोलन (पैलस रोड) में स्थित है (ग्रौं इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सोलन में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत, से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बरिन्दर सिंह व हमिन्दर सिंह पुत्र श्री शिव सिंह, पैलस रोड, सोलन।

(अन्तरक)

2. श्री मन्नालाल बंसल पुत्र श्री शान्ति नारायण, सुपरी ट्रेडिंग इंजीनियर, हि० प्र०, पी० डब्ल्य० डी०, सोलन। (अन्तरिती)

3. श्री मन्ना लाल, बंसल, पुत्र श्री शान्ति नारायण सुपरी ट्रेडिंग इंजीनियर, हि० प्र०, पी० डब्ल्य० डी०, सोलन। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वार्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान व जमीन जो सेर, सोलन (पैलस रोड) सोलन में स्थित है। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सोलन के कार्यालय के विलेख सं० 98, अप्रैल, 1978 में दर्ज है।)

नत्यू राम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 23 अक्टूबर, 1978

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

1. श्री जोस, आन्डणी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 9 अक्टूबर, 1978

निदेश सं० एल० सी०/245/78-79—यतः मुझे वी० मोहनलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो विजयपुरम विलेज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोट्यम, (अडीपनल), में भारतीय रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-3-1978

को तृवृक्षित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धार्य की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धार्य या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व (1) के में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

2. श्री तोमस एब्रहाम एवं अन्य

(अन्तरिती)

को यह पूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के मानदंड में जोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, शर्धोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20व में यथा परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

45.323 Cents of land with buildings in Vijayapuram village  
Survey No. 12/5A/1.

वी० मोहनलाल  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख, 9 अक्टूबर, 1978

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०----

1. श्री कुरियाको

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तरक)

269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री शमसुदीन

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 21 अक्टूबर 1978

निदेश सं० एल० सी०/246/78-79—यतः, मुझे, बी० मोहनलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो चावकाड में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोल्लापडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

18-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे पूर्श्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

10 Cents of land with buildings Vide Schedule to Doc. No. 291/78 of SRO Kollappady.

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

बी० मोहनलाल  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, एरणाकुलम

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 21-10-78

मोहर:

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस. ----

1. (1) श्री जोहर्दे (2) ओमना

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए (1) के अधीन सूचना

2. श्री षमसुहीन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एरणाकुलम

कोवीन-16, दिनांक 21 अक्टूबर 1978

निदेश सं. एल. सी. 247/78-79—यतः मुझे वी. बी. मोहनलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ. से अधिक है

और जिसकी सं. अनुसूची के अनुसार है जो चावक्काड में स्थित है (और इससे उपावन्न अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोट्टूषडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वृश्यमान प्रतिफल संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किया नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौरुप।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

254 Cents of laid—Vide doc. No. 281/78 of SRO Kottappady.

वी. बी. मोहनलाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, एरणाकुलम

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों पर्याप्ति:—

8—376 GI/78

तारीख: 21-10-1978

मोहर:

प्र० आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 23 अक्टूबर 1978

निदेश सं० एल० सी० 249/78-79—यतः मुझे वी०  
मोहन लाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सकारा प्रधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो पालयूर में स्थित है (और इससे उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोट्टपडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-3-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(a) अन्तरण से हुई किसी आय को शावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(b) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपने में सुविधा के लिए;

1. श्रीमती पुष्पम एवं चार अन्य

(अन्तरक)

2. श्री मोईदू हाजी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में तथा परिभावित है, वही पर्याप्त होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2.36 acres of agricultural land Vide document No 287/78  
of SRO Kottappady

वी० मोनहसाथ

सभाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निलिम्बद्वारा व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 23-10-1978

मोहर:

प्रह्लप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री के० जगन्नाथ नायडू, और पांच।

(अन्तरक)

प्रापकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

2. श्री जी० एस० दोरेसामी मूदलीयार और दो

(अन्तरिती)

269-ए (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंन के लिए कार्यवाहियां करता है।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रापकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रबंन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 अक्टूबर 1978

निदेश सं० 19/मार्च/79—यतः मुझे श्रो० आनन्दराम प्रापकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

और जिसकी सं० 4, अप्पा गार्डन, रोड, कीलपाक है, जो मद्रास-10 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पेरीयमेट, मद्रास (जाक्यूमेन्ट सं० 193/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 17-3-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कल्पित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या गन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय प्रापकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए जा, उपाने में सुविधा के लिए।

भूमि और धर, सं० 4, अप्पा गार्डन, रोड, कीलपाक, मद्रास-10 में।

श्रो० आनन्दराम  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक प्रापकर आयुक्त (निरीक्षण),  
प्रबंन रेंज-1, मद्रास

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अन्तर्व में, भूमि और धन या गन्य आस्तियों की उपधारा (1) निर्दिष्ट अवितर्वों, अर्थात् :—

तारीख 13-10-1978

मोहर :

प्रख्य भाई० टी० बी० जी० एस०————

प्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269व (1) के प्रधीन सूचना

1. श्री एम० काउर मोहीदीन,  
(अन्तरक)

2. श्रीमती विजयमाल  
(अन्तरिती)

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक प्राप्तकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-11, भद्रास

मद्रास, वितांक 24 अक्टूबर 1978

निदेश सं० 8129—यतः मझे टी० बी० जी० कृष्णामूर्ती प्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० अनसूची के अनुसार है तथा जो विरुद्धपट्टी ग्राम उड्डुमलपेड़ टालूक में स्थित है (और इससे उपावद्धु अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय घामनगलम, डाकूमेन्ट सं० 123/78 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के बायित्व में कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या ग्राम सास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्राप्तकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कृषि सम्बन्धी भूमि ग्राट विरुद्धपट्टी ग्राम—11.01 ऐकार्स (डाकूमेन्ट सं० 123/78)।

टी० बी० जी० कृष्णामूर्ती  
सकाम प्राधिकारी,  
सहायक प्राप्तकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, भद्रास

ग्रन्ति प्रद, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अस्तियों अधिकृत :—

तारीख 24-10-1978  
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास  
मद्रास, दिनांक 24 अक्टूबर 1978

निदेश सं० 6126—यतः मुझे टी० वी० जी० कृष्णमूर्ती आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सकारा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 21 है, जो सुबंदेश अवेन्यू विषय पारिश लेआवुड, मद्रास-28 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेलापूर मद्रास, (डाकमेन्ट सं० 285/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तरित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रन्तः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती एम० विजयम्मा  
(अन्तरक)  
2. श्रीमती जय बालसुरया  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और धर सं० 21, सुबंदेश अवेन्यू विषय पारिश लेआवुड, मद्रास-28 (डाकमेन्ट सं० 285/78)

टी० वी० जी० कृष्णमूर्ती  
सकारा प्राधिकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 24-10-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—————  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269-प(1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 प्रजन रेंज-I, दिल्ली-1  
 नई दिल्ली, दिनांक 21 अक्टूबर 1078

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस०आर०-शश/३६१/  
 मार्च-४१/८-७९—प्रत: मुझे, जे० एस० गिल,  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प  
 के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
 रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० ए-२८ है, तथा जो कैलाश कालोनी, नई  
 दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
 रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली  
 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
 के अधीन मार्च, 1978  
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
 पन्नह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
 तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
 दायित्व में कमी करने या उससे अन्तरण में सुविधा  
 के लिए; श्रीराधा

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य आस्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
 सुविधा के लिए;

प्रत: प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण  
 में भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)  
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्यात:—

1. (1) डा० एव० एस० कंवर, सुपुत्र श्री राम रखासिह  
 (2) कंवर शक्त सिंह,  
 निवासी 5, बृज स्ट्रीट, पैनशुरट एन० एस० उम्मीद  
 2222, आस्ट्रेलिया, इनके जनरल अटारनी  
 श्री कंवर विजय सिंह के द्वारा निवासी डी-21,  
 पंचशील एनकलेव नई दिल्ली ।
- (3) कंवर प्रताप सिंह निवासी 18/2, डा० ओमर  
 श्रीराधा रोड, बसावर गुड्डी, बंगलौर इनके  
 अटारनी कंवर विजय सिंह के द्वारा ।
- (4) कंवर विजय सिंह, निवासी डी-21, पंचशील  
 एनकलेव, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. मै० अमृत इस्टेट प्रा० लि०,  
 ए-3, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए  
 कार्यवाहियां करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी आविष्यों पर  
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रबोहस्ताकारी के पास  
 लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टटोकण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
 हैं, वही अपने होगा जो उस अध्याय में विद्या  
 गया है ।

### अनुसूची

एक डेक मंजिला, बंगला जोकि 1156.25 वर्ग गज क्षेत्रफल  
 के फीहोल्ड प्लाट पर बना हुआ है, जिसका नं० 28, इलाक  
 नं० 'ए' है, कैलाश कालोनी, यामुरवपुर गांव दिल्ली की यूनियन  
 टैरीटरी, दिल्ली में निम्न प्रिकार से स्थित है:—

पूर्व	: जायदाद नं० ए-२९
पश्चिम	: रोड
उत्तर	: रोड
दक्षिण	: रोड

जे० एस० गिल,  
 सकाम प्राधिकारी,  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 प्रजन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 21-10-1978

मोहर :

## प्रकाश ग्राही टी०एच०एस —

ग्रायकर ग्राहिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 व (1) के ग्राहीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्राहक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर, 1978

निर्देश सं० ग्राही० ए० सी०/एक्य०III/11-78/316—ग्रहण:  
मुझे, डी० पी० गोयल,  
ग्रायकर ग्राहिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त ग्राहिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व  
के ग्राहीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
हजार से अधिक है

और जिसकी सं० 5 है तथा जो राजिन्द्रा पार्क, नई दिल्ली में  
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली  
में रजिस्ट्रीकरण ग्राहिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राहीन  
तारीख 23-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से ५०% के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से  
बढ़िया है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त  
ग्राहिनियम के ग्राहीन कर देने के अन्तरक के बायित्य  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अम्य ग्राहितियों की,  
जिसमें भारतीय ग्राय-कर ग्राहिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त ग्राहिनियम, या धन-कर  
ग्राहिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उक्त ग्राहिनियम की धारा 269 वा के अनुसरण में,  
म उक्त ग्राहिनियम, की धारा 269 वा की उपाधारा (1)  
ग्राहीन निम्नलिखित अवधारणा :—

- (1) श्री कर्नेल एस० के० खोसला, सुपुत्र स्वर्गीय  
श्री गुरनदिता मल खोसला, इनके कानूनी जनरल  
पावर अटारनी श्रीमती हर्षा खोसला के द्वारा  
पत्नी, श्री कर्नेल एस० के० खोसला, निवासी  
3, पोलो रोड, दिल्ली कैन्ट।

(अन्तरक)

- (1) श्री रमण कालसी  
(2) अशोक कालसी  
(3) पवन कालसी तथा  
(4) अरुण कालसी, सभी सुपुत्र श्री मोहन लाल कालसी  
निवासी 5, रजिन्द्रा पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रहण के लिए  
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रहण के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
ग्राहिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित हैं,  
वही प्रथम होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक डाई मंजिला बिल्डिंग जिसका नं० 5 है, रजिन्द्रा पार्क,  
नई दिल्ली में है। इस बिल्डिंग का क्षेत्रफल 375 वर्ग गज है तथा  
निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व	: बना हुआ प्लाट नं० 4 जोकि अन्य लोगों का है।
पश्चिम	: बना हुआ प्लाट नं० 6
उत्तर	: सर्विस लेन
दक्षिण	: रोड

डी० पी० गोयल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक ग्रायकर ग्राहक (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

तारीख : 23-11-1978

मोहर :

प्रकाश शाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-III, नई दिल्ली

4/14 क, असफाई मार्ग, नई दिल्ली  
नई दिल्ली, दिनांक 27 नवम्बर 1978

निर्देश सं०—यतः मुझे डी० पी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वा के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 131/1, ब्लाक नं० 1-बी है तथा जो अस्ती रहगरपुरा, देवनगर, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-3-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृशमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पेंड्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित वर्णनों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगमान्य अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया जाया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जस: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269वा के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269वा की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित वर्णनों पर्याप्त है:—

1. श्री राम प्रसाद तथा नरेन्द्र कुमार सुपुत्र श्री बंसी लाल, निवासी 6533/9, देवनगर, करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री फुल चन्द्र, सुपुत्र लाला बदरी प्रशाद, तथा बाबू राजिन्द्र कुमार, सुपुत्र फुल चन्द्र, निवासी मोहल्ला, श्री महावीरगंज, फारस्काबाद, यू० पी० (अन्तरिती)

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अक्षितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्षितयों में से किसी अक्षित होता;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वित्तबद्ध किसी अन्य अक्षित होता, अधोवस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक तीन मंजिला बिल्डिंग जिसका नं० 6112 तथा 6113 है और प्लाट नं० 131/1, ब्लाक नं० 1-बी, वार्ड नं० 16 है। इस बिल्डिंग का क्षेत्रफल 100 वर्ग गज है तथा करोल बाग, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : प्लाट नं० 132 पर बिल्डिंग  
पश्चिम : रोड  
उत्तर : गली  
दक्षिण : गली

डी० पी० गोयल,  
सकाम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-III, दिल्ली नई दिल्ली-१

तारीख : 27-11-78

मोहर :

प्रकृप भाई० दी० एन० एस०—  
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, नई दिल्ली-1  
4/14क, आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर 1978  
निर्देश सं० भाई० ए० सी० /एक्य०/1/एस०आर०-III/  
471/मई-37/78-79—उक्त: मुझे अंजनी ओजा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पहलात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ब  
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है  
और जिसकी सं० 10/3 है, तथा जो गोलक लिक्स नई दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
अर्णत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन 27-3-1978 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है और मूल्य यह विवास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया जाया प्रतिकाल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाष की बादत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिद  
में कभी करने या उससे बदलने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाष या किसी घन या धन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए।

मत: प्र०, उक्त प्रविधिवन को धारा 269-ए के अनुसरण में  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्ननिर्धित अद्वितीयों, अर्थात् :—  
8-376GI/78

1. श्री बृजेन्द्र सिंह दयाल, रमेन्द्र सिंह दयाल, सुपुत्र श्री (स्व०)  
उसम सिंह दयाल, निवासी 3, गोलक लिक्स, नई दिल्ली ।  
(अन्तरक)
2. मै० इन्टर काप्ट लि०, ए-16, नारायण इन्डस्ट्रियल  
एरिया, फैस-II, नई दिल्ली। इनके मैनेजिंग डायरेक्टर  
श्री राहुल मेहता के द्वारा।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के  
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक उक्त सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में के  
किसी अविक्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी धन्य अविक्त द्वारा, प्रधोहस्ताशरी के पास  
निर्धित में किये जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभ्रान्ति  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक ढाई मंजिली बिल्डिंग जोकि 2471.5 वर्ग गज  
क्षेत्र फल के प्लाट पर बनी हुई है, जिसका नं० 10/3 है, गोलक  
लिक्स, नई दिल्ली में है।

अंजनी ओजा,  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, दिल्ली

तारीख: 30-11-78

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्य०/11/मार्च-48/3680/  
78-79—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), श्री धर्मा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी का पहले विष्वास उत्तरण का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- है, में अधिक है

और जिसकी संख्या 38 है तथा जो नजफगढ़ रोड, इन्डियल एसिया, रामा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण भूमि में वर्णित है), गविन्टीकरण  
अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भागीदार रतिगटीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
17-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिकोण  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और उसे पहले विष्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल जो उसके  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पारा गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविन में वाम्चकित  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हड्डे फैले आय  
'अधिकारियम' के दृश्यमान प्रतिफल से अधिक है और उसके  
के दृश्यमान प्रतिफल से अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पारा गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविन में वाम्चकित  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(ख) ऐसी किसी आय या किसी प्रत्याधीन अन्य व्यक्तियों  
को जिन्हें भारतीय बाजार प्राधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-का नियमित्यम, 1937 (1937 का 37)  
के विरोध का देखा जाना चाहिए तो उसे  
गया तो उसका अन्तरण नहीं किया जाने  
में अनियोग्य के लिए;

(1) श्री परश्वोत्तम लाल मेहता, सुपुत्र श्री (स्वर्गीय)  
ज्ञान चन्द मेहता, निवासी 54, मलचा मार्ग,  
चाणक्यपुरी, नई दिल्ली। (अन्तरक)

(2) मै० टेक चन्द एण्ड सप्स, इनके हिस्सेदार श्री  
टेक चन्द, श्री राम फाल, श्री राम निवास तथा  
श्री बापु राम के द्वारा, निवासी 2-सी०, शिवाजी  
पार्क, नई दिल्ली। (अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि तक सूचना की समाप्ति द्वारा दूर  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकें।

उपर्युक्त उक्त इनमें वर्णित व्यक्तियों का, जो आर०  
अधिनियम के अधार 20-के  
परिभावित हैं, की गयी लोगों, जो उस अन्य  
में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं० 38 का इकाई जिला क्षेत्रफल 2501 वर्ग  
मीटर है, जिसमें फैलायी दिए गये वर्ती हुई है, 38, राम  
रोड, दहोड़ा इन्डस्ट्रीज़ एन्ड एक्स्पोर्ट एक्सिप्रेस रोड  
के लिये:—

प्लाट : एकाउड नं० 39।

प्लाट नं० 39 : एकाउड नं० 39।

इकाउड : एकाउड नं० 27।

दक्षिण : रामा रोड।

आर० बी० एस० अग्रवाल,

सहायक आयकर,

मुख्यमन्त्री कार्यालय, नियमित्यम

दिवार नं० 11, नियमित्यम, 1

दाता दिनांक : 30-11-1978

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वी  
अनुसूची में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-वी  
व्यवधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

पुस्तकालय की दृष्टि द्वारा २६९-ब  
—

भारत का आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ ल० ५१) का नं। १

२६९-ब (१) के पार्योग दृष्टि

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर, 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/११/मार्य-७२/३६९७/

४३४—ग्रातः मुझे, आर० ल० १०० ए० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) को धारा २६९-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उद्दिष्ट बाजार मूल्य २५,०००/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या एच०-४/६ है तथा जो माडल टाउन, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण शायिकारों के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन तारीख 21 गार्व, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दृई किसी आय को बावत, उक्त अधिनियम, में अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी ब्रन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२ (१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या प्रनकर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रातः यद्य, उक्त अधिनियम का धारा २६९-ब का अनुसरण में, उक्त अधिनियम का धारा २६९-ब का उपधारा (१) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अवादः—

(१) श्री हरीश चन्द्र तथा रमेश चन्द्र, सुपुत्र श्री मंगल सैन टण्डन, निवासी बी०-९, गुजरावाला टाउन, दिल्ली। (अन्तरक)

(२) सरदार नुखबीर सिंह, सुपुत्र सरदार अतर सिंह; तथा श्रीमती सतवन्त कौर, पत्नी श्री सुखबीर सिंह, निवासी ई०-१६, माडल टाउन, दिल्ली। (अन्तरिती)

(३) मै० अहंजा एण्ड कं०, सतबीर सिंह, कर्नल आई० एस० बजाज, तथा मै० भाई जी अतर वाले। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह वूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के लिये कार्यगद्धिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अब्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

संख्यांकन:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय २०-क में यथा परिभाषित हैं; वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लाट जिसका नं० ६, ब्लाक नं० एच०-४ है तथा क्षेत्रफल ३२० वर्ग गज है, माडल टाउन, दिल्ली नगर निगम की सीमा के अन्तर्गत, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : रोड।

पश्चिम : सर्विस लेन।

उत्तर : प्लाट नं० एच०-४/७ पर बिलिंग।

दक्षिण : प्लाट नं० एच०-४/५ पर बिलिंग।

आर० बी० एल० अग्रवाल;  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-11, दिल्ली, नई दिल्ली-१

तारीख : 30-11-1978

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/मार्च-71/3696/  
78-79—अतः मुझे, आर० बी० ए० अप्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-प  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, मह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है।

और जिसकी संख्या बंगला नं० 47 है तथा जो बंगलो रोड़,  
कमला नगर, दिल्ली-7 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, विली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-3-1978  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
क्षय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निर्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायिक्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य पास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपचारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अन्तिमों, अपेक्षा:—

(1) श्री प्रकाश चन्द जैन, जोकि एच० य० एफ० के  
कर्ता है तथा वीर अनिल जैन, सुपुत्र श्री सेठ  
परमानन्द जैन, निवासी 47, बंगलो रोड़, कमला  
नगर, दिल्ली । (अन्तरक)

(2) श्री बलवन्त राय गुप्ता, सुपुत्र श्री जगन नाथ  
गुप्ता, निवासी 81-ए०, कमला नगर, दिल्ली ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्मान्ती व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
तिवित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

#### अनुसूची

बंगला नं० 47 का 1/4 हिस्सा जिसका कुल क्षेत्रफल  
320.34 वर्ग मीटर है, बंगलो रोड़, कमला नगर, दिल्ली  
में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : बंगले की ओर की सेन।

पश्चिम : मैन बंगलो रोड़ ।

उत्तर : बंगला नं० 46 ।

दक्षिण : मैन बंगला का शेष हिस्सा ।

आर० बी० ए० अप्रवाल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-II, विली, नई दिल्ली-1

तारीख : 30-11-1978

मोहर :

प्रख्य आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-II, विल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/११/मार्च-१५/३७१५/७८-७९—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि इसावर नन्तरि, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या डी०-११/१८ है तथा जो माडल टाउन, विल्ली में स्थित है (और इस उपावद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 29-३-१९७८ को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के साथित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती प्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती कमला देवी सुपुत्री श्री शिव बयाल तथा पत्नी श्री चन्द्र भान, निवासी डी०-११/१८, माडल टाउन, दिल्ली। (अन्तरक)

(2) श्री सायलवेस्टर हैनरी स्काट तथा श्रीमती पश्चरम स्काट पत्नी श्री सायलवेस्टर हैनरी स्काट, निवासी एफ० ३/६, माडल टाउन, दिल्ली। (अन्तरिती)

(3) श्री किरोरी मल, सुरेश चन्द्र जैन, अमल चन्द्र (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फीहोल्ड प्लाट जिसका नं० १८ है, ब्लाक नं० डी०-११ है और भेवफल २९४.७३ वर्ग गज है, माडल टाउन, विल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : रोड।

पश्चिम : प्लाट नं० डी०-१०/१८ पर बनी बिल्डिंग।

उत्तर : रोड।

दक्षिण : प्लाट नं० डी०-११/१७ पर बनी बिल्डिंग।

आर० बी० एल० अग्रवाल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
प्रर्जन रेंज-II, विल्ली, नई दिल्ली-१

तारीख : 30-११-१९७८

मोहर :

प्रकाश ग्राहन नं० ८० दस्ता० २००—

द्वादश अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का आदेश

2608(1) के अन्तर्गत शुल्क

भारत सरकार

कार्यालय नियमन आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/११/मार्च-१०३/३७२१/ ८७-७९—अक्तूर्द्धा० आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इएरेंड्रन के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2608 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते कर कारण है कि स्थावर मंपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है

और जिसकी संख्या ४०-६० है तथा जो कीर्ती नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1978

को पूर्वोक्त मंपति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त मंपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है प्रीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्षों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से छक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से ही किसी प्राय की बात उक्त अधिनियम, १९६१ का अन्तरण के दायित्व में रहने वाले इससे उचित में भारतीय के लिए धीरया

(ख) किसी किसी प्राय या किसी ब्रत या शन्य वास्तवियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, व धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगभार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था या या जाना चाहिए था, इन्होंने में नुनिधि के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 वाले, उक्त अधिनियम की धारा 269 वाले उपावड़ा (1) के अर्जन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जात ।—

(1) श्री रघु नन्द महाजन, सुपुत्र श्री बृन्द लाल महाजन, निवासी ए०-३०, कीर्ती नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री रघुरी नन्द महाजन सुपुत्र श्री बृन्द लाल महाजन, निवासी ए०-६०, कीर्ती नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह तुला। जारी इके पूर्वान्तरामात्रे के ग्रजन के लिए नार्वेक्टिंग करता है।

उक्त कानून के ग्रजन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सन्दर्भ में एकाग्रत की तारीख से ४५ दिन की अवधि द्वारा संस्कृती व्यक्तियों पर सूचना की तामील व ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में अत्याकृत होती है, तेजी से पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस तुला के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ५५ दिन की अवधि द्वारा स्थावर संपत्ति में हितवद्धि होनी वाले अपेक्षित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास प्रिंटिंग में दिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय २० के प्रिंटिंग में अवैध है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फीहोल्ड प्लाट जिसका नं० ए-६० है और क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है, यह प्लाट एक मंजिला है, कीर्ती नगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लाट नं० ए-६०।

पश्चिम : प्लाट नं० ए-५९।

उत्तर : रोड तथा पार्क।

दक्षिण : सर्विस रोड।

आर० बी० एल० अग्रवाल, नियमन आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-१

तारीख : 30-11-1978

मोहर :

प्रधान आई० दी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ध(1) के अधीन सूचना

मानव भरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/पार्च-10०/3724/

78-79—अतः मुझे, आर० बी० एन० शाप्रबाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 नं 43)

(जिसे इसमें डिसें प्रवाना 'अन्य अधिनियम' रखा गया है)

प्रारा 269-व के प्रधीन अवधि अविभागी ना रुक्षण

का कारण है कि स्वावर सम्बन्धि, जिसने उन्नित वाले ०००

25,000/- का संग प्रतिक है

और जिसकी संख्या 2824 का 1/2 हिस्सा है तथा जो मली चहलपुरी, किनारी बजार, दिल्ली में स्थित है (और इनसे उपावड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टर्ड अधिकारी के कायरिय, दिल्ली में और भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1973

को पूर्वोन्न प्रमाणि के उत्तरान्तर से रूप के रूप में प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित था यह है और मुझे यह दिया गया था का कारण है कि वरायर्डित अवधि का उचित दायरा नहीं दिया गया था इसका रूप में अधिक है और अन्याय (अन्यरक्ति) निर कारियों (अन्यरक्तियों) की वैधता ने दिया गया ना प्रतिक्रिया दिया गया था अतः प्रतिक्रिया दिया गया ना प्रतिक्रिया रूप से कथित नहीं किया गया है

(२) अन्याय दिया गया था की दृष्टि, जो

प्रतिक्रिया

की अनुसूची में नहीं दिया गया था

(३) एसी एन० एन० सी० ए० ए० ए० को

जिसके लिए अवधि नं ० १७११ (०२२

का ३१) की वैधता नहीं दिया गया था

जिसकी वैधता नहीं दिया गया था

अतः यह अन्याय अन्यरक्ति को दिया गया था असरमें, मैं, उचित ना कर सकता इनका अवधि का नहीं (१)

अधीन निम्नलिखित व्याख्या का

(१) श्री रघवीर सहाय माथुर सुप्रत स्वर्गीय श्री हनुमत सहाय माथुर, निवासी सी०-१५, गुलमोहर पार्क, नई दिल्ली। (अन्तरक)

(२) श्री हंस राज सुप्रत श्री चान्द मल मोनका, निवासी ४१९, हैवेली हैदर कुली खान, बजार, चांदनी चौक, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोन्न सम्पत्ति के गर्जन के लिए जारीयांवादियां करता है।

उक्त संपत्ति के गर्जन ५ संरक्षण वें कोई भी ग्राहकों—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त नहीं हो, के अंतर पूर्वोन्न व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के अंतर उक्त स्थावर भवन्नि में हितबद्ध किसी भव्य दक्षिण द्वारा अक्षोद्धलाशरी के पास लिखित में किए जा रहे।

स्वर्ण १४:—इनमें प्रतुक्त अधीन और वालों का, जो उक्त अधिनियम, १९६४ के २०८ में प्रदत्तित है, वही अर्थ होगा जो उप अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जायदाद जिसका पुराता नं० १२६७ तथा नया नं० २८२४, वाई नं० ४ है का १/२ (उत्तरी दिल्ली) है और इस देशान्तर वाले २३७ दहि रु. ५० रु. के द्वारा अनुसूची नं० ७ दिल्ली में निम्न प्रकार से दिया गया है:—

दूरी: जायदाद नं० २६२४।

दिविम: मकान नं० २८२५ का दिया।

उत्तर: मकान नं० २८२३।

दक्षिण: जायदाद नं० २८२५।

शार० दी० एन० शाप्रबाल,  
रजिस्टर्ड अधिकारी,  
रायर्ड दायर दिल्ली (स्थान)  
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 30-11-1978

भोइर:

प्रृष्ठ प्राइंट टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त । (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, दिल्ली-1

4/14 क, आसफजली मार्ग, नई दिल्ली ।

नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर 1978

निवेश सं० प्राइंट ए० सी०/एक्य०/११/मार्च-१०५/३७२३/  
७८-७९—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि दृष्टवर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या 1/2 (दक्षिण) 2824/4 है तथा जो गली चैलपुरी, किनारी बजार, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण, रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 31-३-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्वा किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के धार्यात्मक मेंकरी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्यपि उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अन्तरिती:—

(1) श्री रघबीर सहाय भास्तुर, सुपुत्र स्वर्गीय श्री हनुमत सहाय मांथूर, निवासी कोठी नं० ई०-२०, यूनिवर्सिटी रेजिस्ट्रेशन, कुरुक्षेत्र (हरियाणा) लेकिन अब सी०-१५, गुलमोहर पार्क, नई दिल्ली ।  
(अन्तरक)

(2) श्री मोहन सिंह शर्म, सुपुत्र पं० शिव राम निवासी ३११, पन्नयान, तेलीवाड़ा, दिल्ली ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्याप्तिः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिकत द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अधिकारी द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एष्ट्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

जायदाद जिसका पुराना नं० 1267 तथा नया नं० 2824 है का 1/2 (दक्षिणी हिस्सा) है और क्षेत्रफल लगभग 267 वर्ग गज है, इलाका नं० ४ है गली चैलपुरी, किनारी, बजार, चांदनी चौक, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : जायदाद नं० 2624 ।

पश्चिम : गली चैलपुरी व भकान नं० 2825 का हिस्सा

उत्तर : भकान नं० 2823 ।

दक्षिण : भकान नं० 2825 ।

आर० बी० एल० अग्रवाल,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-१

तारीख : 30-11-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, दिल्ली-1

4/14 क, असफली मार्ग, नई दिल्ली ।  
नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर, 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु/11/मार्च-80/3704/  
78-79—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रुपए से अधिक है  
और जिसकी संख्या 7-एक० है तथा जो विश्वा अपटिमेन्ट,  
3-शंकराचार्या मार्ग, सिविल लाईन्स, दिल्ली में स्थित है (श्रीर  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व स्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण  
अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
24 मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण में दूर्वे किसी प्राप्त को बाबत, उक्त प्रधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगशार्य  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या निया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के  
प्रन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्—  
9—376GI/78

(1) मैं विश्वा ईस्टेट्स प्रा० लि०, बी०-६, आसफ  
अली रोड, नई दिल्ली । (अन्तरक)

(2) श्रीमती राज अरोड़ा, श्री कृष्ण देव सिंह, श्री  
रतन अनन्दोल सिंह, 7-एक०, विश्वा अपटिमेन्ट,  
3-शंकराचार्या मार्ग, सिविल लाईन्स, नई दिल्ली ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के प्रध्याय 20 के परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया  
गया है ।

### प्रनुसूची

ब्लाक नं० 7 के फ्लैट की पहली मजिल जिसका क्षेत्र-  
फल 1900 वर्ग फुट है, यह फ्लैट ग्रुप हाउसिंग स्कीम जोकि  
विश्वा अपटिमेन्ट के नाम से जाना जाता है, 3 शंकराचार्या  
मार्ग, सिविल लाईन्स, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित  
है :—

पूर्व : ब्लाक नं० 8 ।

पश्चिम : खुला ।

उत्तर : 30 फुट चौड़ी सड़क ।

दक्षिण : अन्य के बंगले ।

आर० बी० एल० अग्रवाल,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 30-11-1978

मोहर :

प्रस्तुप भाई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिनियम (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, II, दिल्ली-1  
4/14क, आसफाबली मार्ग, नई दिल्ली 1  
नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/मार्च-58/3688/  
78-79—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं० 24 है तथा जो दरिया गंज,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में  
पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 30-7-1977  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यकापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापर उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के व्यापत्र में कभी करने या उसमें बचे में वृत्तिधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जित्ने, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, लिपान में वृद्धिका के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मेरे सहज अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्यारे मोहन शर्मा, सुपुत्र श्री एल० शिव  
मोहन शर्मा, (2) श्री अमरेश शर्मा, सुपुत्र श्री  
प्यारे मोहन, (3) श्रीमती सरला शर्मा, पत्नी श्री  
प्यारे मोहन, सभी निवासी 24/18, दरियांगंज,  
नई दिल्ली ।  
(अन्तरक)

(2) मै० ई० एम० सी० ए० कनस्ट्रक्शन कं०, इनके  
मालिक श्री एम० पी० गुप्ता के द्वारा सुपुत्र श्री  
राधा कृष्ण गुप्ता, निवासी 10/एफ०-3, दरियां  
गंज, दिल्ली ।  
(अन्तरिती)

को पह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उस सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तिपूर्वक विवरण नहीं।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उस तथा उस सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित  
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

### अनुसूची

फ्रीहोल्ड भूमि जिसका प्लाट नं० 24, खसरा नं० 51  
है, और क्षेत्रफल 285.5 वर्ग गज है, 24 दरिया गंज,  
नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : अन्तारी रोड ।

पश्चिम : श्री नेम चन्द जैन की जायदाद ।

उत्तर : श्री मनमोहन शर्मा के प्लाट नं० 23 की बाउन्ड्री  
बाल ।

दक्षिण : अन्तारी रोड ।

आर० बी० एल० अग्रवाल,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयकर, (निरीक्षण),  
अर्जन रेज II, नई दिल्ली-1 दिल्ली

तारीख : 30-11-1978

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—  
आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज II दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/मार्च-107/78-  
79—प्रतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या 7/9 है तथा जो अंसारी रोड, दरिया  
गंज, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, के  
कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-3-1978  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथायूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पल्द्रह प्रतिशत प्रतिक है और अन्तरक  
(अन्तरकर्कों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आव ले वाले उक्त  
प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शायद यैं करी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; जौर/या

(ख) ऐसी किसी आव या निक्षा धर या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उसके प्रधिनियम या  
कान-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगजार्थ प्रत्यरितो द्वारा प्रकट नहीं किया  
वया आ या किया जाना चाहिए था, लिपाने  
में सुविधा के लिए:

अतः, अब उक्त प्रधिनियम को धारा 269-घ के  
अनुसरण में, ये, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की  
समधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात् ।—

(1) श्री राम बिहारी माथुर, श्री बांके बिहारी लाल माथुर,  
श्री बिपिन बिहारी लाल, सुपुत्र श्री (स्वर्गीय)  
किशन चन्द, निवासी 7/9, दरिया गंज, नई  
दिल्ली ।  
(अन्तरक)

(2) श्री अरुण कुमार जैन, अनिल कुमार जैन, सुपुत्र  
श्री प्रकाश चन्द जैन, निवासी 4378/4, अन्सारी  
रोड, गली मुरारी लाल, दरियागंज (3)  
श्री धान पाल सिंह जैन (4) श्री रिण पाल जैन  
सुपुत्र श्री जगन लाल जैन, निवासी मकान नं०  
995/178, ई०-8, गली नं० 2, कैलाण नगर,  
दिल्ली ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के  
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति  
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधानहस्ताक्षरी  
के पात्र निम्नित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

### अनुसूची

कोठी जिसका नं० 7/9 है, और खेतफल 527.78  
वर्ग गज है, अंसारी रोड, दरिया गंज, नई दिल्ली में निम्न  
प्रकार से स्थित है:—

पूर्व: अन्य की जायदाद।

पश्चिम: 20 फुट चौड़ी सड़क।

उत्तर: 20 फुट चौड़ी सड़क।

दक्षिण: श्री दमाल चन्द तथा अन्य की जायदाद।

आर० बी० एल० अग्रवाल,

सक्षम अधिकारी

सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, II दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 30-11-1978

मोहर:

प्रृष्ठप्राप्ति २० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेज-II, दिल्ली-1

4/14क, आसकाली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/मार्च-36/3671/78-79  
—प्रतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० ई-1/16 है तथा जो ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15 मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अभ्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुत्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नरीन्द्र नाथ मोहन, सुपुत्र स्वर्गीय श्री मेहता अमर नाथ मोहन, निवासी ई-1/16, पटेल रोड, नई दिल्ली ।  
(अन्तरक)

2. श्री मनमोहन सिंह बेदी, सुपुत्र स्वर्गीय श्री डा० जवाहर सिंह निवासी 30/15, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली (अन्तरित)

3. श्री एम० एम० एस० करले, एस० आर० नायैर, डा० आर० एल० करले, श्री सुरिन्द्र, (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्दों का, जो 'उक्त अधिनियम', के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कोठी जिसका नं० ई-1/16 थेवफल 800 वर्ग गज है, 400 ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : 60 फुट चौड़ी सड़क स्ट्रीट

पश्चिम : बंगला नं० ई-1/15

उत्तर : 30 फुट चौड़ी स्ट्रीट

दक्षिण : मैन पटेल रोड

आर० बी० एल० अग्रवाल  
संक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, दिल्ली-1

तारीख : 30-11-1978

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

आपकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, दिल्ली-1

4/14 क, आसफाली मार्ग, नई दिल्ली ।

नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/सी०/मार्च-3/3651/78-79:—प्रतः मझे, आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या 139 है तथा जो ओल्ड गुप्ता कालोनी, विजय नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावन्धु अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3 मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया याया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम को धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चौधरी राय सिंह, सुपुत्र चौधरी भोदू मल, निवासी ई-52, सत्यावती कालोनी, अशोक विहार-III, दिल्ली । (अन्तरक)

2. श्री चरणजीत सिक्करी, सुपुत्र श्री मुनशी राम सिक्करी, निवासी 49, ओल्ड गुप्ता कालोनी, दिल्ली-9 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

प्लाट जिसका नं० 139 है और क्षेत्रफल 240 वर्ग गज है, ओल्ड गुप्ता कालोनी, विजय नगर, (किंगजेवे कैम्प), दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : गली

पश्चिम : गली

उत्तर : प्लाट नं० 140 पर मकान

दक्षिण : प्लाट नं० 138 पर मकान

आर० बी० एल० अग्रवाल,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, दिल्ली-1

तारीख : 30-11-1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी. ए. एस. ०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 16 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० एसि-31/अर्जन रेंज-IV /कल०/78-79—अतः  
मुझे एम० के० दासगुप्ता,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प  
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु  
स अधिक है

और जिसकी सं० 29 है तथा जो सुलतान आलम रोड, कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अलिपुर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-3-1978  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति  
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का अन्दर प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के  
लिए तथा गया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त मन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है:—

(क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी  
करने या उससे नचने में सुविधा के लिए; और/या

(क्ष) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या  
बनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, भिपने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित अक्षियों अर्थात्:—

1. श्री प्रीतमय भट्टाचार्जी (अन्तरक)
2. श्री प्रनव कुमार बैनर्जी, धीरेन्द्र नारायण मजुमदार तथा  
प्रियोपकान्ति दास पुराकायस्थ (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अंतर्गत के अंतर्गत में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अक्षियों पर सूचना  
की सामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्षियों में  
से किसी अक्षियां द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य अक्षियां द्वारा, अष्टोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
मालित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अमुख्य

29 सुलतान आलम रोड, थाना टालिगंज कलकत्ता में स्थित  
3 कट्टा 10 छटांक खाली जमीन।

एम० के० दासगुप्ता,  
सकाम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-IV कलकत्ता।

तारीख : 16-10-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

1. श्री पाटमेय, केकी साक्लेट पुनरुत्थान के की आकलेट (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

2. उक्त सम्बन्ध में उक्त सम्बन्ध

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 26 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० 464/टी-आर-291/मि-229/कल०-I/ 77-78—

प्रत: मुझे सी० एन० दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 9 है तथा जो ग्रान्टस लेन कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, 5 गवर्नरमेट प्रैस नार्थ कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धारा की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में भविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पन्नकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में निविधा के लिए;

प्रत: ग्रव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के प्रनु-संश्लेषण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविनियों, अधित:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं प्रयुक्त होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

9 ग्रान्टस लेन कलकत्ता में अवस्थित 6 कट्टा जमीन पर आंसिक दो और आंशिक तीन तथा तल्ला मकान का 1/2 हिस्सा जो I-1959 नं० अनुसार 16-3-78 तारीख में रजिस्ट्री आफ एयसुरिश का पास रजिस्ट्र हुआ।

सी० एन० दास,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-II, कलकत्ता।

तारीख: 26-10-78

मोहर:

प्राप्ति प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269४ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० एस० एच० 465/सितम्बर-292/सि-298/कल०I  
77-78—अतः मुझे सी० एल० दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० 155 है तथा जो आचार्य जगदीश बोस रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इसके उपावद्ध अनुभूति में और पूर्ण रूप से अण्डित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नरमेंट प्रेस नार्थ कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 31-3-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित म वास्तविक रूप से करित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री अरविन्द मित्र

(अन्तरक)

2. श्री धननाथ कोये

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करक पूर्वान्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तर्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

155, आचार्य जगदीश बोस रोड कलकत्ता में अवस्थित 3 कट्टा जमीन पर तिन तल्ला मकान जो I-1728 नं० अनुसार 31-3-78 तारीख में रजिस्ट्रि आफ एयसुरेंस का पास रजिस्ट्रि हुआ।

सी० एन० दास,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज I, कलत्ता

तारीख: 26-10-78

मोहर:

प्ररूप आई० डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० —अतः मुझे सी० एन० दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1 है तथा जो रीपन स्ट्रीट में स्थित है (और इस के उपावन्द्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नमेंट प्रेस, नार्थ कलकत्ता में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-3-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का फन्डह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निन्नलिखित अविक्तियों, अर्थात्:—

10-376GI/78

1. (1) गनमा खाण, (2) बरुण, खाण (अन्तरक)
2. (1) जुवाईदा वाई (2) टिं वाई (अन्तरिती)
3. (1) एम० डी० गियासउद्दिन,
- (2) ईयाकुब मियां
- (3) जिं० एम० आनयार होसेन
- (4) पी० मन्डल
- (5) करुणा सिन्धु मित्र
- (6) एम० आजम अली
- (7) मिसेस ई० ए० बिबि
- (8) ग्रान्ड होटल
- (9) गुरबचन सिंह
- (10) मैरसू मति अमियामनि 8 आदर्स
- (11) शिवाजी मेलगी पुटुयारी  
(वह अविक्त, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्धी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

1 रीपन, स्ट्रीट कलकत्ता में अवस्थित, 15 कट्टा व 4 छटांक 8 वर्ग फिट जमीन पर आंशिक एक और आंशिक दो तल्ला मकान का 1/8 हिस्सा जो 10-3-78 तारीख में I-1288 नं० अनुसार रजिस्ट्री आफ एयसुरेन्स का पास रजिस्ट्री हुआ।

सी० आर० दास,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

तारीख: 26-10-1978

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा  
269ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० एस० एल० 467/टिं० आर० 282/सि० 266/  
कल०-१/७७-७८—अतः भुक्ते सी० एन० दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ख  
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- ₹  
से अधिक है

और जिसकी सं० 1 है तथा जो रीपन स्ट्रीट में स्थित है (और इसके  
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-3-78  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मूल्य से यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अस्तरण के लिये तब पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उम्मेद से उक्त अस्तरण लिखित में बास्तविक  
कृप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी जन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्तर्कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वयन  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया  
आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

अतः भव, उक्त अधिनियम की आरा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की आरा 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

1. (1) मनरमा खाण, (2) बरुण कुमार खान (अन्तरक)
2. श्री जाफर होसेन आयद अली (भरमल) (अन्तरिती)
3. (1) मह: गियासउद्दीन,  
(2) ई० याकुब मियां,  
(3) जिं० एम० आनयार होसेन  
(4) पि० मन्डल  
(5) करुणा सिन्धु मित्र,  
(6) एम० आजम अली,  
(7) मिसेस, ई० ए० बिबि  
(8) ग्रान्ड होटल  
(9) गुरबचन सिंह  
(10) मेसर्स मति शर्मियामति एण्ड ब्रावर्स  
(11) शिवमी मन्नी पुट्टपारी  
(वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावध  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त  
अधिनियम के प्रयोग 20-क में परि-  
भावित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रयोग  
में दिया गया है।

### अनुसूची

1 न० रीपन, स्ट्रीट कलकत्ता में अवस्थित 15 कट्टा, 4 छटाक  
8 वर्ग फीट जमीन पर आंशिक एक तला और आंशिक दो तला  
मकान का 1/8 हिस्सा जो 10-3-78 तारीख में I-1291 न०  
अनुसार रजिस्ट्री आफ एथसुरेस का पास में रजिस्ट्रि हुआ।

सी० एन० दास  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख : 26-10-78

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०-----  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
 269-घ (1) के प्रधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, कलकत्ता  
 कलकत्ता, दिनांक 26 अक्टूबर 1978

निवाश सं० एस०एल० 468/सिअल-283/मि-265/कल० I  
 77-78—अतः मुझे सी० एन० दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1 है तथा जो रीपन स्ट्रीट में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्रधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नरमेट प्रेस, नार्थ मैरेजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 10-3-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रमाणण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपरे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी बचन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रोग्रामार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, मियाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अवक्षितयों, अर्थात्:—

1. (1) मनरमा खाण (2) बरुण कुमार खाण (अन्तरक)
2. श्री महमदुल बाकर (अन्तरिती)
3. (1) मह: गियासुद्दीन  
 (2) ई० याकुब मियां  
 (3) जी० एम० आनयार होसेन  
 (4) दि० मन्डल  
 (5) करुण सिन्धु मित्र  
 (6) एम० आनम श्रिल  
 (7) ई० ए० बिबि  
 (8) ग्रान्ड होटल  
 (9) गुरवचन सिंह  
 (10) मेरसर्स मति ज्ञानियरीमनि एण्ड ब्रावर्स  
 (11) सिबसी भेलजी पुटुशमी।  
 (वह व्यक्ति जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

1 रीपन, स्ट्रीट कल० में 15 कट्टा 4 छटाक 8 वर्ग फिट जमीन पर अवस्थित श्रांशिक एक तल्ला श्रांशिक दो तल्ला भकान का।।/8 हिस्सा 10-3-78 तारीख में I-1290 न० अनुसार रजिस्ट्री आफ एयमुरेस का पास रजिस्ट्री हुआ।

सी० एन० दास  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेज I, कलकत्ता  
 तारीख : 26-10-1978  
 मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० ७७-७८ सिअल० ४६९/टी० आर०-२८४/सी०-२६४/कल०/१  
प्रत: मुझे सी० एन० दास

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० १ है तथा जो रीपन स्ट्रीट में स्थित है (और इसके उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ५ गवर्नरमेंट प्रेस नार्थ कलकत्ता में, रजिस्ट्री-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-३-७८ को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण के लिए वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के व्यायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात्:—

1. (1) मनरमा खाण, (2) बरुण कुमार खाण (अन्तरक)
2. मिसेस एम० जाफर होसेन (अन्तरिती)
3. (1) एम० डी० गियासउद्दीन  
(2) ई० याकुब मियां  
(3) जिं एम० आनयम होसेन  
(4) पि० मन्डल  
(5) करुणा सिन्धु मिल  
(6) एम० आनम, आली  
(7) मिसेस ई० ए० बिबि  
(8) ग्रान्ड होटल  
(9) गुरबचनसि  
(10) मैसर्स मति जग्गियामनि एंड ब्रादर्स  
(11) सिवसी मंलमी पुद्यारी  
(वह व्यक्ति जिनके अभिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अज्ञन के संबंध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्साद्वारा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1 न० रीपन स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित आंसिक एक और आंसिक दो तल्ला मकान का C जो 15 कट्टा 4 छाठांक 8 वर्ग फिट जमीन पर अवस्थित) 1/8 हिस्सा जो 10-३-७८ तारीख में I-1289 न० अनुसार रजिस्ट्रार आफ एयसुरेन्स का पास रजिस्ट्री हुआ।

सी० एन० दास,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज I, कलकत्ता  
तारीख: 26-10-78  
मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

1. श्री मलय रंजन कर (अन्तरक)

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ष (1) के अधीन सूचना

2. श्री एस० सिंशिल फारनानडेज (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 29 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० 16/आर-2/कल०/78-79—अतः मुझे  
एस० सी० यादव,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब  
के अधीन सदाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु  
से अधिक हैऔर जिसकी सं० ..... है तथा जो मौजा सरसुना पी० एस०  
वेहाला में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार  
आफ एसुरेन्स कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख 26-3-78को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है प्रोटर प्रमत्रक (प्रन्तरकों) प्रोटर अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) प्रमत्रण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
निए; और/या

अनुसूची

(ख) देसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;एस० सी० यादव,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-2, कलकत्ता ।अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,  
में उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित अवित्यों अर्थात्:—

तारीख: 29-10-78

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 अ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 29 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० ए० सी० 17/आर-2/कल०/78-79—अतः  
मुझे एस० सी० यादव,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 9 है तथा जो हस्टिंग्स पार्क रोड अलिपुर कलकत्ता  
27 में स्थित है (और इससे उपावन्द्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ  
एस्युरेन्स कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख 26 मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के भी ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबन, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बचन या अन्य प्राप्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर  
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण  
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)  
मान्यता, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स अणोका माकदिनग लि० (अन्तरक)

2. (1) श्री प्रकृतिनाथ भट्टाचार्य (2) श्रीमती गायत्रि  
भट्टाचार्य (3) लोकनाथ भट्टाचार्य (4) सोमनाथ  
भट्टाचार्य। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितव्य  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रत्यक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि  
नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
पर्यंत होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

9 नं० हस्टिंग्स पार्क रोड, अलिपुर, कलकत्ता-27 में अवस्थित  
"राजहंस" मकान का तिन तलाएँ में 3-बी एपार्टमेन्ट है।

एस० सी० यादव,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-2, कलकत्ता।

तारीख : 29-10-1978

मोहर :

प्रकल्प प्राइंट ई० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 अद्यतबर 1978

निर्देश सं० एसी-28/बी-II/कल०/78-79—अतः मुझे  
एस० सी० यादव

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपये से अधिक है और जिसकी सं० 9 है तथा जो हेस्टिंग्स पार्क रोड कलकत्ता में स्थित है (और इसके उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायालिय, रजिस्ट्रार आक एसुरन्स, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(म) ऐसी किसी आय या किसी घम या अन्य प्राप्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घम-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायां अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपशारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारों अर्थात्:—

1. अशोका मार्किट लिमिटेड, 8 केमाक, कलकत्ता (अन्तरक)
2. श्री प्रनय कुमार सेन 9-सि राजहंस 9, हेस्टिंग्स पार्क रोड, कलकत्ता । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्याप्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवधियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिकार के अध्याय 20-क में परिभ्रामित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

2093 स्क्रिप्ट फिट नं० 9, हेस्टिंग्स पार्क रोड, कलकत्ता एपार्टमेन्ट नं० 97, राजहंस एपार्टमेन्ट ।

एस० सी० यादव,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कलकत्ता ।

तारीख: 26-10-1978

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के प्रधीन सूचनाभारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 20 अक्टूबर 1978

नि० सं० ए० सी० 29/आर०-II/कल०/78-79—प्रतः, मुझे  
एस० सी० यादव,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० 9 है, तथा जो हेस्टिन्स पार्क रोड, कलकत्ता-1,  
में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ  
एसुरेन्स, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के प्रधीन तारीख 30 मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
पश्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक  
है और मन्त्ररक्त (अन्तरकों) और मन्त्ररिती  
(मन्त्ररितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल  
निष्ठनिष्ठित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्षक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ब) ऐसी किसी भाव या किसी घन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें सार्तीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक  
प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः प्रबृ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के प्रनुसारण में,  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
प्रधीन निष्ठनिष्ठित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. मै० अशोका मार्किटिंग लिमिटेड  
(अन्तरक)
2. 8, केमाक स्ट्रीट, कलकत्ता-27।  
(अन्तरिती)
3. श्रीमती इन्दिरा नन्द,  
282, जी, ब्लाक, निउ आलिपुर,  
कलकत्ता-53।

को यह सूचना आरी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एप्पलीकेशन:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम  
के प्रधाय 20-क में परिभासित हैं, वही प्रबृ  
द्वारा जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अमृसूची

समूचा एपार्टमेंट नं० 7 डि, 7 फ्लोर, राजाम ब्लाक माल्टि  
स्टोरिड बिल्डिंग नं० 9, हॉस्टेल्स पार्क रोड, अलिपुर, कलकत्ता-27  
फ्लोर एस्ट्रिया 128. 89 स्कोयार मिठार।

एस० सी० यादव,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
4, रफी अहमद किदवई रोड,  
कलकत्ता-16

तारीख : 20 अक्टूबर, 1978

मोहर :

प्रस्तुप प्राई ० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269प्र(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2 मद्रास

कलकत्ता, दिनांक 29 अक्टूबर, 1978

निर्देश सं० ए० सि० 20/अशा० 2/कल०/78-79—  
अतः मुझे एस० सी० यादव,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26९प्र  
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थानीर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है।और जिसकी सं० 9 है तथा जो हेस्टिंग्स पार्क रोड, कलकत्ता में  
स्थित है (और इससे उपाबृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार अक्टूबरेस सकलकत्ता  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 14 मार्च, 1978को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि पश्चात् पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फ़रदृ  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
ग्रहणीय रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
न्तरे ५। उससे इच्छने में सुविधा के लिए; और/या(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धारा  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269प्र के अनुसरण में, मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269प्र की उपशारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थतः—

11-376 GI/78

1. मै० अशोका मार्केटिंग लिमिटेड,

(अन्तरक)

2. श्री ढाश्लोक सिंग ओका

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के म  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित व्यक्ति के पास लिखित  
में किए जा सकें।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

9 हेस्टिंग्स पार्क रोड, कलकत्ता अवस्थित 2 रातला में  
एपार्टमेन्ट 2 प्रॅइच है, जिन्हें का पश्चात 114.62 स्कोर्पियो  
मिडार अशोका 1237 स्कै फिट है।एस० सी० यादव,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
4, रफी अहमद किदवई रोड,  
कलकत्ता-16

तारीख : 29 अक्टूबर, 1978।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2

कलकत्ता, दिनांक 26 अक्टूबर, 1978

नि० ए० सि० 22/श्र-2/कल०/78-79—अतः मुझे  
एस० सि० यादव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 6 है तथा जो हैंस्टिंग्स पार्क रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, रेजिस्ट्रार आफ एसुरेन्स कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13 मार्च, 1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वात्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धारा की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी बरने या उससे बजाने में मुविधा है निए; और/वा

(ख) ऐसी किसी धारा की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी बरने या उससे बजाने में मुविधा है निए; और/वा

1. मै० अशोका मार्केटिंग लिमिटेड (अन्तरक)

2. श्री रमा शंकर ज्ञायोग्यान (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित रूप से निए जा सकेंगे।

हृष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में वर्णित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

9 हैंस्टिंग्स पार्क रोड, कलकत्ता अवस्थित राजशी बल्क का 3रा तत्त्व में एपार्टमेंट "3-आइ" है।

एस० सि० यादव  
सक्तम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, 2 कलकत्ता;

अतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ भी उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्ति:—

तारीख: 26 अक्टूबर, 1978

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
पारा 269-ष (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 अक्टूबर 1978

नि० सं० ए० सि०/३३/अर्जन रेज IV/कल०/७८-७९—  
अतः मुझे एस० के० दासगुप्ता  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की पारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० तौजी सं० 61 है तथा जो नक्साल बाड़ी, दार्जिलिंग  
में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
30 मार्च, 1978।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का अन्दरूनी प्रतिशत अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के निए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर दत के अन्तरण के  
प्रतिवर्त में कहीं करने या उसमें बदलने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी धन या वस्त्र आमतियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रविनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रविनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए

अतः प्रब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मे, उक्त अधिनियम को धारा 269-ष की उपवारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० न्यू टि कोम्पानि लिमिटेड (अन्तरक)

2. मै० एलाएड इन्डस्ट्रीजल कारपोरेशन इ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिनी करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्बिरी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, बड़ी प्रथम होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मौजा उत्तर बागडोगरा, तौजी सं० 61, थाना नक्साल  
बाड़ी जिला दार्जीलिंग में स्थित 3. 65 एकर जमीन तथा उस  
पर स्थित मकान, स्ट्राक्चर्स, सेंड्स, फर्किट्रि बिल्डीग्रास जैसा कि दलील  
सं० 1689 दि० 30 मार्च, 1978 में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है।

एस० के० दासगुप्ता,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज IV, कलकत्ता।

तारीख: 30 अक्टूबर 1978।

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आपकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 नवम्बर 1978

निर्देश सं० ए० सि० 38/अर्जन रेज-IV/कल०/78-79—  
अतः मुझे, एस० के० दासगुप्ता,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 1/1 है तथा जो ड० देवदार रहमान रोड, कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में जो पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26  
मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(वि) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सुबोध कुमार मुखार्जी, प्रबोध कुमार मुखार्जी,  
सुनील कुमार मुखार्जी,  
सब के सब श्री श्री लक्ष्मीनारायण जीड का सेवाइन  
(अन्तरक)

2. मैसर्स जनता कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्रवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के ग्रन्थात 20-र में यथा परिभाषित  
हैं, वहीं प्रयोग होगा जो उस अध्याय में  
किया गया है।

अनुसूची

2 बिधा, 8 कट्टा 4 छटांक 40 स्को० फिट जमीन के सब  
कुछ, प्रमिसेस सं० 1/1 ड० देवदार रहमान रोड जो के सं०  
2, ड० देवदार रहमान रोड के नाम से भी परिचित है, थाना—  
टालेगंज, कलकत्ता जैसे के दलिल सं० 1956 दि० 26-3-78  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० दासगुप्ता,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-IV, कलकत्ता।

तारीख 1-11-1978।

मोहर :

प्रख्य प्राइंटी०एन०एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, IV कलकत्ता,

कलकत्ता, दिनांक 1 नवम्बर, 1978

नि० सं० ए० सि० 35/अर्जन रेंज IV/कल०/78-79—अतः  
मुझ एस० के० दासगुप्ताप्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक हैजिसकी सं० 161ए० है तथा जो नेताजी सुभाष चन्द्र बोस रोड  
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में जो पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
10 मार्च, 1978पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हूई किसी आय को बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर आधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
प्रत्यक्ष-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनाथ अन्तर्भृत द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या उक्त आयकर आयुक्त या, छिपान में  
सुविधा के लिए;अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्रीमती रेबा सेन (अन्तरक)

2. श्री जितेन्द्र नाथ राय (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ !

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिनबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोइस्ताभरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।विवरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होता जो उन अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

161ए०, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस रोड, थाना टालिंगंज,  
कलकत्ता का 5 कट्टा 12 छटाक जमीन का सबकुछ साथ उसपर  
स्थित दो मंजीला मकान, जैसे कि दलिल सं० 1281 दिनांक  
10 मार्च, 1978 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० दासगुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, IV कलकत्ता।

तारीख : 1-11-1978

मोहर :

प्रलेप ग्राई० टो० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 नवम्बर, 1978

निदेश सं० ए० सि० 36/अर्जन रेज IV/कल०/78-79—अतः मुझे, एस० के० दासगु-ता  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' हा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
स्पष्ट से अधिक है

और जिसकी सं० सि० एस० प्लाट सं० 9607 है तथा जो वार्ड सं० VI, सिलिगुडि म्युनिसिपलिटी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के  
कार्यालय, सिलिगुडि में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 23 मार्च, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निखित म वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी जिसी आव या जिसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अमल कुमार मित्र

(अन्तरक)

2. श्री भगवन्न अग्रवाला,  
सीता राम अग्रवाला

(अन्तर्स्ती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्वेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास  
लिखित म किए जा सकते।

**स्थानकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सि० एस० प्लाट सं० 9607, खतियान सं० 5298, मौजा  
सिलिगुडि, वार्ड सं० VI, सिलिगुडि म्युनिसिपलिटि, जिला दार्जिलिंग  
के 25 कट्टा खाली जमीन के सब कुछ।

एस० के० दासगुप्ता  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

तारीख: 1-11-1978

मोहर :

प्रूप साई. टी. एन. एस. —

1. श्री सनत चक्रवर्ति

(ग्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

2. श्री कृष्णपद दासगुप्ता

(ग्रन्तरक्ती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 नवम्बर 1978

निर्देश सं. ए० सी० ३७/अर्जन रेज-IV/कल०/७८-७९—अतः  
मुझे एस० के० दास गूप्ता  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के प्रतीक सम्बन्ध प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए  
में अधिक है  
और जिसकी सं. 64/30 ए० है तथा जो खुदि राम बोस सरणी में  
स्थित है (और इससे उपाधान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्त अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2 मार्च,  
1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रन्तरण य दुई फिल्मों पार को थारा, उक्त  
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शाश्वत में  
कमी करने या उससे बचने म सुविधा के लिए; और/या  
(ख) ऐसा नियम पार का नियों धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
जाना चाहिये या, छिपाने में अवधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,  
मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
निम्नलिखित व्यक्तियों, के अधीन अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रतीक से  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आंगपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

संदर्भिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-  
नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं,  
वही ग्रन्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

64/30ए०, बेलगाधिया रोड, बर्तमान खुदिराम बोस  
सरणी, कलकत्ता में स्थित 1 कट्टा 8 छटांक जमीन तथा उस पर  
निर्मित पांच मंजिला मकान का अविभाजित आधा हिस्सा जैसे  
कि दलिल सं. 1130 दिनांक 2 मार्च, 1978 में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है।

एस० के० दासगुप्ता  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-IV, कलकत्ता ।

तारीख : 1-11-1978

मोहर :

प्रख्यूप आई० टी० एन० एस०-----

श्रायकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43)

की धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 नवम्बर 1978

निदेश सं० ६० सि० ७८/अर्जन रेज-IV/कल०/७८-७९—अतः  
मुझे एस० के० दासगुप्ता,  
श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थाष्ठार सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है

और जिसकी सं० ६४/३० ए० है तथा जो खुदि राम बोस सरणी  
में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची म और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजि-  
स्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
2 मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की आवत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिस्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयत् :—

1. श्री सनत चक्रवर्ती

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुप्ना दासगुप्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि याद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

64/30ए०, बेलगालिया रोड, बर्तमान खुदि राम बोस  
सरणी, कलकत्ता में स्थित 1 कट्टा 8 छटाक जमीन साथ उस पर  
निर्मित पांच मंजीला मकान का अविभाजित आधा हिस्सा जैसे  
कि दलिल सं० 1131 दि० 2-3-1978 में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है।

एस० के० दासगुप्ता,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-IV, कलकत्ता।

तारीख : 1-11-1978।

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 नवम्बर 1978

निर्देश सं० ए० सि० 39/अर्जन रेंज IV/कल०/78-79—

अतः मुझे एस० के० दासगुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० 15 है तथा जो निल गंज रोड, स्थित है, (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण  
अधिकारी के कायालिय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31 मार्च, 1978  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उत्तेज्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से दूर्वा किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देते के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ को उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अवधियों, अर्थात् ।—

12-376GI/78

1. श्री रविन्द्र नाथ मुखर्जी

(अन्तरक)

2. मैसर्सं बेंगल बा एन्ड स्टील प्रोडक्शन लि०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

15 निलगंज रोड, कामार हाट म्यूनिसिपलिटी, थाना बेल-  
घरिया, जिला 24 परगणा में 4 बिंदा 4 कट्टा 3 छटांक अग्निका  
जमीन के सब कुछ जैसे के दलित सं० 1716 दिनांक 31 मार्च  
1978 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० दासगुप्ता,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता ।

तारीख : 1 नवम्बर 1978 ।

मोहर :

प्रस्तुप प्राईंट टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 नवम्बर 1978

नि० सं० ए० सि० 40/अर्जन रेज-IV/कल०/78-79-

अतः मुझे एस० के० दास गुप्ता,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 265/20 है तथा जो गोपाल लाल ठाकुर रोड, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11 मार्च, 1978

को पूर्वोक्त, संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्या पाया गया प्रतिफल निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूर्वा किसी प्राय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने पर उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी बन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन, निम्ननिवित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अनिल बिहारी मत्लिक

(अन्तरक)

2. श्री अनिल कुमार पाल, सुनील कुमार पाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिमा करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्मानी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

265/20, गोपाल लाल ठाकुर रोड, थाना बरानगर, 24 परगणा में स्थित 4 कट्टा 8 छठांक जमीन साथ उस पर निर्मित दो मंजीला मकान का सब कुछ जैसे के दलिल सं० 1310 दिनांक 11 मार्च, 1978 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० दासगुप्ता,  
सक्षम प्राविकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज IV, कलकत्ता

तारीख : 1-11-1978।

मोहर : ]

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 नवम्बर 1978

निवेदा सं० 414/एकुरे III/78-79/कल०—अतः मुझे  
भास्कर सेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 11/22 है तथा जो क्षील रोड, कलकत्ता में स्थित  
है (और इसके उपावरु अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-  
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 13-3-1978  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थतः:—

1. श्री अनाथ बन्धु दत्त  
3/77, भिरेक नगर, कलकत्ता-32

(अन्तरक)

2. श्री विभूति कुमार मिश्र  
5/62, नेताजी नगर, यादव पुर  
कलकत्ता-40

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अज्ञन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताशरी के पास  
सिवित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

करीब 3 कट्टा जमीन साथ उसपर बनाया तिन तल्ला मकान  
जो 11/22 क्षील रोड, कलकत्ता-32

भास्कर सेन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख: 3-11-1978।

मे

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 नवम्बर 1978

नि० सं० 415/एकुरे III/78-79/कल०—अतः मुझे,  
भास्कर सेनप्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है और जिसकीसं० फ्लेट सं० एच० दो तल्ला पर है तथा जो 2 मन्डेमिल गार्डेन्स,  
कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), [रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 10 मार्च, 1978 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा  
के लिए;अतः आब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात्:—1. मैं० सेलोनी अनारशिप फ्लट्स स्कीम्स प्रा० लि०  
6, हैरिटन स्ट्रीट, कलकत्ता।

(अन्तरक)

2. श्रीमती बिमला देवी खन्डेलयाल,  
201, महर्षि देवेन्द्र रोड, कलकत्ता-7

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरी अक्षियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्षियों  
में से किसी अक्षियों द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य अक्षियों द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

समूचा फ्लॅट सं० एच० दो तल्ला पर जो 2, मन्डेमिल  
गार्डेन्स, कलकत्ता पर अवस्थित 'जय जयन्ती' नाम का मकान  
में स्थित है।भास्कर सेन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज III, कलकत्ता

तारीख : 6 नवम्बर 1978।

मोहर :

प्रश्न आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-१, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 नवम्बर 1978

निदेश सं० एस० एम० 470/टि० आर० 279/सि० 268/  
कल० 77-78—प्रत० मुझे आई० वि० ० एस० जुनेजाप्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० 54 है तथा जो एजकास स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है  
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 5, गवर्नरमेट प्लेस पार्क में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 4-3-1978को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;मत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्राहतः—

1. बागरी एवेन्यू, (प्रा०) लि०

(अन्तरक)

2. गोरखन दास बागरी एण्ड आर्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घरें के लिए  
कार्यवादियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयोक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

54 एजरा स्ट्रीट, कलकत्ता में अबस्थित, 1 बिहा 1 कट्टा  
जमीन, पर पांच तला मकान जो 4-3-1978 तारीख में आई०  
2276 पी० नं० अनुसार रजिस्ट्री आफ एक्यूटेक्स का आफिस में  
रजिस्ट्री हुआ।आई० वि० एस० जुनेजा;  
सक्रम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, कलकत्ता

तारीख: 7-11-1978।

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एम० एस०—

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 नवम्बर 1978

नि० सं० 416/एकरे० III/78-79/कल०—अतः मुझे भास्कर सेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 57ए० है तथा जो हिन्दुस्तान पार्क, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, आलिपुर में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30 मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें मार्तीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या अन्यकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिति:—

1. श्रीमती उमा बनर्जी,

17/1 सिं०, आलिपुर रोड, कलकत्ता-27

(अन्तरक)

2. श्री आशुतोष मुखर्जी, मन्जु मुखर्जी,

2/1 बिं० हिन्दुस्तान पार्क, कलकत्ता ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्द्वयी व्यक्तियों पर सूचना को ताम्रील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृश्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 4 कट्टा 9 छटांक 40 स्कोय० फुट जमिन साथ स्टाफ़-चारस जो 57ए० हिन्दुस्तान पार्क, कलकत्ता पर अवस्थित और उसका अंश है।

भास्कर सेन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख: 13-11-1978।

मोहर:

प्रह्लप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 अक्टूबर 1978

नि० सं० आई० ऐ० सी० एक्षी०/भोपाल/78-79/1150—

अतः मुझे दिं० च० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13 मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्का प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षियों पर्याप्तः—

1. श्रीमती भाईता बाई पति श्री माधव वास, निवासी 57, जूना रिसाला, इन्दौर। (अन्तरक)

2. श्रीमती रमा देवी धाड़गे पति श्री नारायण राव धाड़गे निवासी : 6, छीपा वाखल, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के संबंध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अक्षियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्षियों में से किसी अक्षियां द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अक्षियां द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

तथाकारण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लाट नं० 27/3 का पश्चिमी भाग राधा नगर एकेन्शान कालौनी, इन्दौर।

दि० च० गोयल,  
समक्ष प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 27-10-1978।

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 अक्टूबर 1978

सं० आई० ए० सी० एक्सी०/भोपाल/78-79/1151—

अतः मुझे दि० चं० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० है तथा जो इन्दौर में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-3-1978  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथमतः:—

1. श्री नन्द किशोर पुत्र श्री राम रत्न जी  
निवासी आडा बाजार, इन्दौर।  
(अन्तरक)

2. सर्वेश्वी (1) अशोक कुमार, (2) विजय कुमार  
दोनों पुत्र श्री पाल जी बड़नात्या  
निवासी 97, बियाबानी, इन्दौर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैताकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 23/1, डा० रोशन सिंह भड़ारी, मार्ग,  
इन्दौर।

दि० चं० गोयल  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, भोपाल।

तारीख : 27-10-78

मोहर :

प्रस्तुप माई० टी० एन० एम०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
289प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 अक्टूबर 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/78-79/  
1152—अतः मुझे दि० च० गोयल, आयकर

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्षय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय पा किसी छत पा अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, प्रवातः—

13-376GI/78

1. (1) श्रीमती ताराबाई विधवा पस्तिश्री चन्द्र शेखर के करे  
(2) श्री अविनाश चन्द्र शेखर के करे  
(3) श्री जीवन चन्द्र शेखर के करे;  
निवासी : न्यू पलासिया, इन्दौर  
(अन्तरक)

2. (1) श्री वजय सिंह पुत्र श्री रतन लाल चौधरी, व  
(2) श्री शेलेन्द्र सिंह पुत्र रतन लाल चौधरी,  
नवासी महेम्बरी गली,  
देवास (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारी पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि आवश्यक होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिकता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितष्ठद किसी अन्य अधिकारी द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रामित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 3, गली नं० 5, पलासिया हाना, इन्दौर।

दि० च० गोयल,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 27-10-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 अक्टूबर 1978

नि० सं० आई० ए० सी० ए० ए०/भोपाल/78-79/1153—

अतः मुझे दि० च० गोयल

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री शिव दयाल पुत्र कडोरे लाल साहू  
निवासी मकान नं० 26, साधू नगर,  
इन्दौर  
(अन्तरक)

2. श्री श्रीम प्रकाश पुत्र पश्चालाल जी सोमानी  
निवासी मकान नं० 36, गली नं० 2,  
छीपा बाखल, इन्दौर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

मकान स्थित प्लाट नं० 27, साधू नगर, इन्दौर।

दि० च० गोयल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, भोपाल,

तारीख : 27-10-1978।

मोहर:

प्रकृष्ट भाई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 अक्टूबर 1978

नि० सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/78-79/1154—  
अतः मुझे दि० च० न० गोयलप्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से  
अधिक हैऔर जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-3-1978  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(प्रत्यक्षितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्त की वाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या1. श्री हुजारी मल पुत्र तिलोक चन्द पाटनी  
निवासी मकान नं० 7, गली नं० 2, पारसी मोहल्ला,  
इन्दौर । (अन्तरक)2. श्रीमती मानक बाई पत्नि हुजारी मल जैन  
निवासी मकान नं० 7, गली नं० 2,  
पारसी मोहल्ला, इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि वाद में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोक्ष्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।स्थावीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मूलनियिल मकान नं० 7, गली नं० 2, पारसी मोहल्ला,  
इन्दौर ।दि० च० गोयल,  
सकाम प्राधिकारी,  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भोपाल(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को  
जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए, लिपाने में सुविधा के लिए ।अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की वारा 269-ब के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की वारा 269-ब की उपषारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 27-10-1978

मोहर :

प्रकाश आई० टी० एम० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचनाभारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 अक्टूबर 1978

नि० सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/78-79/1155—  
 भ्रत: मुझे दिं० ष० गोयल  
 आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
 इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष  
 के अधीन सकान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
 रु० से अधिक है  
 और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे  
 उपावद्ध अनुसूची म और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
 प्रधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908  
 (1908 का 16) के अधीन, 6-3-1978 को  
 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
 के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का  
 कारण है कि यथात् पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके  
 दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंचहूँ प्रतिशत से  
 अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
 के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
 दोषों से उक्त प्रतरण लिखित में आस्तविक रूप से अंकित नहीं  
 किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम,  
 के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने  
 या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या मन्य प्राप्तियों  
 की जिस्हे भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या बन-कर  
 प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनालं  
 अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाय या या किया  
 जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए।

अस: अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
 में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपलाभा (1)  
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त:—

1. श्री दर्यावि सिंह पुल श्री राम प्रसाद जी वर्मा  
 निवासी 76, रूप राम नगर कालौनी,  
 इन्दौर । (अन्तरक)
2. (1) श्री जगन्नाथ पुल राधा कृष्ण जी  
 (2) श्रीमती मथुरा बाई विधवा पल्लि राधा कृष्ण जी  
 निवासी मकान नं० 75, गली नं० 2,  
 राव जी बाजार, इन्दौर ।  
 (अन्तरिती)

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी अविक्तियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;  
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
 किसी अन्य अविक्त द्वारा, अप्रोहस्ताकारी के पास लिखित  
 में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों ना, जो उक्त  
 प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं  
 वही मर्य होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 76, स्थित रूप राम नगर कालौनी, इन्दौर ।

दिं० ष० गोयल,  
 सकान प्राधिकारी,  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
 अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 27-10-1978

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 अक्टूबर, 1978

सं० आई० ए० सी. एक्वी०/भोपाल/78-79/1156—

अतः मुझे दिं० च० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक हैऔर जिसकी सं० मकान तथा जो इन्दौर में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेशन  
अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8-3-1978को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक  
निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।अतः श्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रकमण लाल पुत्र जानकी प्रसाद जी बाबरी  
मालिक : मैसर्स शुभ करण प्रह्लाद दास  
14, लोटा मर्फा, इन्दौर (अन्तरक)
2. मैसर्स राज द्रांसपोर्ट कम्पनी  
द्वारा भागीदार श्री राम निवास पुत्र मांगी लाल जी गोयल  
निवासी 51, मालीगुरा, जूनी इन्दौर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्मान्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी प्रत्येक व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वहों अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मकान नं० 15/2 कड़ाव धाट, इन्दौर।

अनुसूची

दि० च० गोयल  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल।

तारीख : 27-10-78

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 अक्टूबर, 1978

सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/78-79/1157—

अतः मुझे दि० चं० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये ने प्रधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-3-978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में अस्थित नहीं किया गया है;

(क) अन्तरण में ही किसी आय की बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्रीमती गीता बाई पत्नि राधा किशन,  
(2) श्री राधा किशन पुत्र श्री कुला लाल  
(3) श्री बाबू लाल व (4) श्री कलाश चन्द्र  
सभी पुत्रगण श्री राधा किशन जी  
निवासी मकान नं० 108, रवीन्द्र नाथ टगोर मार्ग,  
इन्दौर । (अन्तरक)

2. श्रीमती बसंती देवी पत्नि रंगनाथ जी काकानी  
निवासी मकान नं० 70, गली नं० 4,  
मुराई मुहल्ला, इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे ।

स्वष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म्युनिसिपल मकान नं० 108, रवीन्द्र नाथ, टगोर मार्ग,  
इन्दौर ।

दि० चं० गोयल,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 27-10-78 ।

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन थेव, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 अक्टूबर 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल-78-79/

1158—अतः मुझे, दिं० च० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकारा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावश्यक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30 3-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्ष्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्राहीतः—

(1) श्रीमती ऊवा देवी पत्नी श्री विक्रम सेन राव मत्कर, निवासी 5, रेस कोर्स रोड, इन्दौर।  
(अन्तरक)(2) श्रीमती पुष्पा देवी पत्नी नवरत्न दास लोधा, निवासी 68, पाड़ीनाथ मार्ग, इन्दौर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अंग्रेहस्तांशरी के पास लिखित में किए जा पक्के।

एष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 306 (पुराना नं० 19) का तल मंजिल स्थित जबाहर मार्ग, इन्दौर।

दि० च० गोयल,  
सकार अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 27-10-1978

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269वाँ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयक्षण (निरीक्षण)

निदेश सं० आई० ए० सौ०/एकवी०/भीपाल—श्रतः  
मुझे दिं य० गोयल  
आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, मह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० भकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की वाष्पत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(७) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसका अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 369-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) प्रवीत निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधायि:—

(1) श्रीमती ललिता बाई पन्नि श्री राजेन्द्र मेनन,  
निवासी 5, रम कोर्स रोड, हन्दौर।

(2) श्री भिट्ठा लाल पुत्र श्री मेहताब चंद राका,  
निवासी 4/7, नार्थ राज मोहल्ला, इन्दौर।  
(अन्तरिती)

को यह मूर्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्भति के अर्जन के लिए लायंवाहियां करता है।

उक्त समति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्दी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोवस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वरूपीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त प्रतिनियम के ग्रन्थाय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही ग्रन्थ होगा, जो उस ग्रन्थाय में दिया गया है।

अन सची

मकान नं० 305 (पुराना नं० 18) का तत मंजिल  
स्थित जवाहर मार्ग, इन्दौर।

दिं० य० गोपल,  
सर्वम् प्राधिकारी  
सहायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 27-10-78

मीहुर :

प्रख्य आई०टी० एन० एस०-----

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 अक्टूबर, 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एन्वी०/भोपाल—प्रतः  
मुझे दिं० य० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान है, तथा जो जावरा में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची म और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जावरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

31-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर रत की गई है और मुझे २ विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित रुद्देश से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रतरण से हृदै किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; प्रीर/प्रा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में अविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविधियों, अवधितः—

14—376जी०आई०/78

(1) 1. श्री वीरेन्द्र कुमार, 2. श्री पुखराज, 3 श्री दिलीप कुमार सभी पुत्र श्री सूरज मल जी, व (4) श्रीमति मान कुंशर विधवा पत्नि श्री सूरज मल जी महाजन सभी निवासी जावरा (वर्तमान निवासी आनन्द भवन जयपुर)।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री पवन कुमार, 2. श्री मानकलाल व 3. श्री महेन्द्र कुमार सभी पुत्र श्री फतेह लाल जी महाजन निवासी जवाहर पेठ, जावरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयित करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाइं में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

तीन मंजिला मकान म्युनिसिपल बियरिंग नं० 92, कोठी बाजार, जावरा।

दिं० य० गोयल,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल.

तारीख : 27-10-78

मोहर :

प्रह्लप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा  
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 अक्टूबर, 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/78-79/  
1161—अतः मुझे दिन ० च० गोपल

आयकर प्रधीनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधीनियम' कहा गया है), की आरा 269-व  
के प्रधीन सम्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो खण्डवा में स्थित है  
(और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, खण्डवा में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
21-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे सम्बन्धण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रस्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबन उक्त  
अधिनियम के प्रधीन कर देने के भ्रस्तरक के बाधित  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनान्वय  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
आया चाहिए था, उसमें से सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की आरा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की आरा 269-व की उपचारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. श्री प्रभाकर राऊत व 2. श्री शरद कुमार  
राऊत दोनों पुत्र डा० सदाशिव राव राऊत,  
निवासी पड़ावा वार्ड नं० 19, खण्डवा।  
(अन्तरक)

(2) श्री राधे श्याम व श्री हरी गोपाल दोनों पुत्र  
श्री राम प्रताद जी, प्रग्रवाल, निवासी पड़ावा,  
वार्ड नं० 19, खण्डवा।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताकारी के पास निवास  
में किए जा सकें।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रधीनियम के प्रम्याय 20क में परिभ्रान्ति  
है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रम्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान नं० 11 व 12 ब्लाक नं० 11,  
स्थित पड़ावा, वार्ड नं० 19, खण्डवा।

दि० च० गोपल,  
सकाम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भोपाल.

तारीख: 27-10-1978

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण)

ग्रंजन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 अक्टूबर, 1978

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/78-79/  
1162—ग्राम: मुझे दिं० घ० गोयल,

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम ग्रामिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 17-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए संघ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्राम: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्षितों, अर्थात्—

(1) स्काउडन लीडर, श्री प्रकाश नारायण नागू, निवासी 138, नार्थ एवेन्यू, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)(2) श्रीमती शिरीन सी० सेठ, 2. श्री दिनेश सी० सेठ और मास्टर संजय सी० सेठ द्वारा भाग अधिभावक श्रीमति शिरीन सी० सठ निवासी बी० नं० १३, महू।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंजन के लिए कार्यालयों करसा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी अविक्षितों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षितों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकरु किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधोदस्ताकारी के पास विवित में किए जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुत्तूष्टी

प्लाट नं० 1, फार्मिंग पार्ट, आफ एस० नं० 763/  
एल०, ग्राम बजराना, ओल्ड पलासिया, इन्दौर।दि० च० गोयल,  
सकाम प्राधिकारी,  
सहायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण),  
ग्रंजन रेंज, भोपाल

तारीख: 27-10-1978.

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269वा (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रीनंदन रेंज, भोपाल

दिनांक 27 अक्टूबर, 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्वी०/भोपाल/78-79/1163—  
अतः, मुझे, दि० च० गोपल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वा  
के अधीन सभी प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है तथा जो इन्दौर में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
17-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उपके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के  
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उच्च पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
शास्त्रिक रूप से नुस्खित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अनुरक्त के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
प्रौद्योगिकी

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269वा के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269वा की उपस्थाना (1)  
यक्षितयों, अवर्तन:—

(1) कृष्ण कुमार गमखार पुत्र श्री त्रिभुवन कृष्ण  
गमसार निवासी 88, रवीन्द्र नगर, नई दिल्ली ।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती शिरीन सी० सेठ (2) श्री दिनेश सी०  
सेठ व (3) मास्टर संजय द्वारा मां अभिभावक  
श्रीमती शिरीन सी० सेठ निवासी बी० नं०  
93, महू (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यान्वयिता करसा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के प्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही  
प्रयोग होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 2, फार्मिंग पार्ट आफ एस० नं० 763/एल०,  
ग्राम खजराना, ओल्ड पलासिया, इन्दौर।

दि० च० गोपल  
सक्षम प्राधिकारी  
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)  
अर्जन रेंज भोपाल

तारीख: 27-10-78

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 अक्टूबर 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/78-79/1164—  
 अतः मूले, दि० च० गोयल,  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
 इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
 की धारा 269-य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
 विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
 उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है  
 और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और  
 इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण  
 अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 24-3-78  
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति  
 फल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने का  
 कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परन्तु  
 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया  
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
 वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त  
 अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
 लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 ब्रनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
 में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
 में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-य की उपचारा (1) के  
 अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती लीला बाई पत्नी श्री लक्ष्मण दास जी, 30,  
 बैराठी कालोनी, इन्दौर। (अन्तरक)  
 (2) सोमनाथ पुत्र मुकुन्दराम व (2) श्रीमती शान्ती  
 देवी पत्नि मुकुन्द राम निवासी 3, बैराठी कालोनी  
 इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
 लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
 तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
 समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
 किसी व्यक्ति द्वारा;  
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम के प्रधानाय 20क में यथा परिभाषित  
 हैं, वही ग्रन्थ होगा, जो उस प्रधानाय में  
 दिया गया है।

अनुसूची

मकान स्थित प्लाट नं० 30, बैराठी कालोनी, इन्दौर।

दि० च० गोयल  
 सक्षम प्राधिकारी  
 निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त  
 अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 27-10-1978

मोहर:

प्रकृपा माई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयूष्ट (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 अक्टूबर 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक वी०/भोपाल/78-79/1165 अतः  
मुझे, दि० च० गोयल

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है,

प्रौर्ध जिसकी सं० मकान है, तथा जो रायपुर में स्थित है  
(प्रौर्ध इसे पाबद्ध उग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, रायपुर में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 27-3-1978  
पूर्वोक्त उन्नति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिये अन्तरित की गई है प्रौर्ध यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) प्रौर्ध अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिये तथा याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण विविध में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अंधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
प्रौर्ध/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य भास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपकारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्चात् :—

(1) डा० लक्ष्मीनारायणदास पुत्र अधिकेशदास निवासी  
शंकर नगर रायपुर (अन्तरक)

(2) श्री खूशरंग बतरा पुत्र लक्ष्मी चंद बतरा निवासी  
कुम्हारी तह० व जिला दूर्ग (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या उससम्बन्धी अवित्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से  
किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी  
अन्य अवित्त द्वारा, प्राप्तोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

रपब्लीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौर्ध पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खसरा नं० 37/5 मकान, वी० एन० नं० 110, प्राम  
शंकर नगर, रायपुर।

वी० च० गोयल  
सक्षम प्राधिकारी  
(निरीक्षी सहायक प्रायकर आयूष्ट)  
ग्रन्जन रेज भोपाल

तारीख : 27-10-1978

मोहर :

प्रृष्ठ प्राई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 अक्टूबर 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्सी०/भोपाल-78-79/1166—

अतः मुझे दि० च० गोपल

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-प के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो रीवा में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के क्यर्यालय, रीवा में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, 20-3-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, तिपाने में सुचिष्ठा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अस्तियों, पर्यात् :—

(1) श्री महाराज कमलाकर सिंह निवासी शंकर गढ़ तह० करधना जिला इलाहबाद वर्तमान निवासी कटधर, मुट्ठीगंज, इलाहबाद।  
(भन्तरक)

(2) श्री हरिमोहन गुप्ता पुत्र गुरुदेव गुप्ता निवासी वेंकट रोड, रीवा।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवधियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अस्तियों में से किसी अस्तित्व द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अस्तित्व द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त प्रधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 1011 (भाग), वेंकट रोड, रीवा।

दि० च० गोपल,  
सकाम (प्राधिकारी)  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोड, भोपाल

तारीख: 27-10-1978

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एत० एस०—

प्रायकर प्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269८ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार  
काशालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 अक्टूबर 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्टी०/भोपाल/78-79/1167—  
अतः मुझे, दि० च० गोयल

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269८ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो रीवा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पृ से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय रीवा में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 का (1908 का 16) के प्रधीन, 20-३-1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह तिशत से अधिक है और अन्तरक (पत्तरकों) और अन्तरिती (पत्तनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से लाखत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय या बाजत उक्त प्रधिनियम दे प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करन या उसमें बचने में मुश्किल के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269८ के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269८ की उपषारा (1) के ग्रन्ति निम्ननिवित अविनाशी, अविनृ:—

(1) श्री महाराव कमलाकर सिंह निवासी शंकरगढ़ तह० कर्धना जिला इलाहबाद (वर्तमान निवासी कटधर, मुट्ठी गज, इलाहबाद)।  
(अन्तरक)

(2) श्री गुरुदेव गुप्ता पुत्र श्री मनु लाल गुप्त निवासी वेंकट रोड, रीवा।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मानि के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबूत में कोई भी ग्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 1011 (भाग) वेंकट रोड, रीवा।

दि० च० गोयल,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 27-10-1978

मोहर :

प्रख्यात आई० टी० एन० एस०—————  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 अक्टूबर 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल-78-79/  
1168—अतः मुझे दि० च० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो जबलपुर में स्थित है  
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
15-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पव्वह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकाट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अप्पातः:—

15-37601/78

(1) श्री हरभजन लाल, निवासी गोल बाजार, जबल-  
पुर।

(अन्तरक)

(2) श्री डा० जे० पी० पाहवा, निवासी रांझी, जबल-  
पुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

इटटीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अमुस्की

मकान नं० 374, रांझी, जबलपुर।

दि० च० गोयल  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 27-10-1978.

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 अक्टूबर 1978

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल-78-79—  
1169 अतः मुझे दिं० च० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान है तथा जो रायपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 4-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी अ को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् । । ।

(1) 1. श्री भीमनदास पुत्र सेवाराम, व 2. श्री गंगल-दास पुत्र श्री भीमन दास, निवासी ईदगाह भाटा कालेज वार्ड, रायपुर।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री मोहन लाल (प्रवयस्क) द्वारा अभिभावक पिता श्री किशन अग्रवाल व (2) श्री बंजरंग बली पुत्र श्री छबील दास निवासी के सिंगा, तह० भवानी, पटना जिला कालाहडी, (उड़ीसा)।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए आर्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अवित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीन मंजिला मकान म्युनिसिपल बियरिंग नं० 19/998, 999, 19/1000 (नया नं० 22/259) जौरा पारा, बड़ी-पारा, रायपुर।

दि० च० गोयल  
सक्षम प्राधिकारी,  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 27-10-1978

मोहर:

प्रकृष्ट प्राई ० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल  
भोपाल, दिनांक 27 अक्टूबर 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल-७८-७९/  
११७०—अतः मूझे दिं० च० गोपल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० मकान है, तथा जो भोपाल में स्थित है  
(और इससे उपायबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, भोपाल में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
31-५-1978

पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त प्रभारण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से दूर्दृष्टि किसी आय की वापत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

(1) डा० जगदीश पुत्र श्री एल० आर० गुलाटी, प्रोफे-  
सर, ई० एन० टी० गांधी, मेडिकल कलेज,  
भोपाल।

(अन्तरक)

(2) श्री नकुलसेन पुरी, (एन० एस० पुरी) पुत्र लल्लमन  
दास पुरी, मार्डन फैब्रिकेट्स, गोविन्दपुरा इंडस्ट्रियल  
स्टेट एरिया, भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहकेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्तक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 10 पर एक मंजिला मकान, ई-१, सेक्टर,  
अरेरा कालोनी, भोपाल।

दि० श० गोपल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त,  
अर्जन रेज, भोपाल।

तारीख : 27-10-1978

मोहर :

प्रूप प्राई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 अक्टूबर 1978

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल-78-79/  
1171—अतः मुझे दिं० च० गोयलआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो लाखी, महेश्वर में  
स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महेश्वर में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
23-3-1978को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में  
सुविधा के लिए;अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपाधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—(1) श्री मधुकर पुत्र श्री धर घोड़गांवकर, निवासी  
महेश्वर।

(अन्तरक)

(2) श्री नवल पुत्र बाबूलाल मारुड, निवासी ग्राम  
लाखी, तह० महेश्वर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से  
किसी अविक्त द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकें।स्पष्टीकरण :—इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वह  
अर्थ होता, जो उप प्रश्नाप में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि माप 19.16 एकड़ स्थित महेश्वर।

दि० च० गोयल,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 27-10-1978

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस० —————

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 अक्टूबर, 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्य०/भोपाल/78-79/

1171—अतः मुझे दिं च० गोयल,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपय से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो महेश्वर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महेश्वर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 21-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अस्तियों अर्थात्:—

(1) श्री दिनकर पुत्र श्रीधर घोड़गांवकर, निवासी महेश्वर।

(अन्तरक)

(2) श्री बलभद्र पुत्र बाबू लाल भारूड, निवासी ग्राम लाड़वी तह० महेश्वर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि माप 19.15 एकड़ स्थित महेश्वर।

दि० च० गोयल,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 27-10-1978

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 अक्टूबर 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/78-79/  
1173—अतः मुझे दि० च० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो इशकपुरा, महेश्वर  
में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महेश्वर  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन 2-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत, से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात्:—

(1) श्री गोपाल पुत्र श्री धर घोड़गांवकर, निवासी  
महेश्वर।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री देम राम पुत्र रन्धीर भारूड़, निवासी  
ग्राम खापरखेड़ा, 2. श्री धनश्याम व 3. श्री गणेश  
दोनों अवयस्क द्वारा अभिभावक कर्ता श्री सिद्धार,  
पुत्र राम चन्द्र भारूड़, निवासी ग्राम भारूड़ (वर्तमान  
गांधी नगर), महेश्वर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्तिप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अमुसूची

कृषि भूमि माप 16.28 एकड़ स्थित ग्राम इशकपुरा  
तह० महेश्वर।

दि० च० गोयल,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 27-10-1978

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 अक्टूबर 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/78-79/

1174—अतः मुझे दि० च० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट व बिल्डिंग है, तथा जो जबलपुर में स्थित है, (और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 27/31-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या बन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) 1. श्रीमती राम कुमारी बाई पत्नि श्री एस० के० वर्मी, श्री अंजीत व श्री भवानी लाल भर्मी निवारी हनुमान ताल, जबलपुर।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री सहादत खां पुत्र अब्दुल रहमान खां और 2. श्रीमती हजरानी दोनों निवासी हनुमान ताल, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताश्री के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

प्लाट माप 15386 साथ अधूरी बिल्डिंग खसरा नं० 22/2 का भाग स्थित मौजा बैटला एस० नं० 52 तह० व जिला जबलपुर।

दि० च० गोयल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त,  
तारीख: 27-10-1978  
मोहर:

दि० च० गोयल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त,  
अर्जन रेंज, भोपाल।

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 नवम्बर, 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्टी०/भोपाल/78-79/  
1175-अतः मुझे बी० एल० राव,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के प्रधीन सकारा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक हैऔर जिसकी सं० मकान है तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे  
उपायद्वारा अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्टा  
अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन, 24-3-1978  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, देसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; श्रीर/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—(1) श्री माधव दीनकर धामनकर, निवासी 53/2,  
कलांती मोहल्ला, संयोगिता भैंजा, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री प्रह्लाद दास पुत्र, बंसी लाल, 2. श्री  
रामकिशन पुत्र बाबूलाल, 3. कैलाश चन्द, 4.  
श्री कृष्ण बलभ, 5. ओम प्रकाश सभी पुत्र श्री  
बाबूलाल, 6. श्री अशोक पुत्र श्री राम चन्द,  
7 श्री ग्यारसी लाल, पुत्र श्री धीसा लाल, सभी  
निवासी 43, श्रद्धानन्द मार्ग, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।इष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 53/2 का दक्षिणी भाग, श्रद्धानन्द मार्ग,  
इन्दौर।बी० एल० राव  
सक्षम प्राधिकारी

(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)

तारीख : 2-11-78

(अर्जन रेज, भोपाल)

मोहरः

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस —————

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 नवम्बर, 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/78-79/  
1176—अतः मुझे बी० एल० राव०,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 अ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
इपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो फोकनारकला में  
स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, बुरहान-  
पुर में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, 20-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से उम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त  
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उमसे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों की,  
जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर  
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
म उक्त प्रधिनियम, को धारा 269-अ की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित अर्थातः—

16-376 GI/78

(1) श्री अजमल हुसैन पुत्र अब्बास अली मैनेजर,  
निवासी मोहल्ला खेराती, बाजार, बुरहानपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री गोपाल (अवयस्क) पुत्र जगन्नाथ निवासी  
फोकनार कला, तह० बुरहानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अम्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए आ सकेंगे।

उपर्युक्त करणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्रफल 12,33 एकड़ खसरा नं० 25, स्थित  
मौजा फाफनार कला तह० बुरहानपुर।

बी० एल० राव,  
सक्षम प्राधिकारी

(निरीक्षणी सहायक प्रायकर प्रायुक्त)  
तारीख : 2-11-78  
मोहरः

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 नवम्बर, 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/78-79/  
1177—अतः मुझे बी० एल० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो पालासर में स्थित  
है, (और इससे उपादान ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुरहानपुर में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
3-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रमाणित:—

(1) 1. श्री शंख जगतु 2. श्री शंख अफजल (अवयस्क)  
दोनों पुत्र श्री ग्यासुदीन निवासी पालासुर तह० बुरहान-  
पुर।

(अन्तरक)

(2) श्री लीला धर (अवयस्क) पुत्र श्री प्रह्लाद द्वारा  
मां अभिभावक श्रीमति पार्वती बाई परिनि श्री  
प्रह्लाद निवासी ग्राम पालासुर तह० बुरहानपुर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन भी अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### ग्रनुसूची

कृषि भूमि रक्का 15.38 एकड़ खसरा नं० 147 साथ  
कुआं विद्युत कनेक्शन तथा दो महुए के पेड़ स्थित ग्राम पाला-  
सुर तह० बुरहानपुर

बी० एल० राव,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज भोपाल

तारीख 2-11-1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल दिनांक 2 नवम्बर, 1978

सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/78-79/1178—अतः  
मूँझे, बी० एल० रावआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० कृषि भूमि, मकान है, तथा जो ग्राम  
गिरवर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पुर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम अधिकारी के कार्यालय  
शाजापुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन 22-3-1978को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पापा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अविक्षियों, त्र्याति:—(1) श्री इनायत हुसैन पूर्व श्री खानसाहब सुकमान  
भाई निवासी उज्जैन

(अन्तरक)

(2) श्रंजुमन जानी बौहरा जमात कमेटी, शाजापुर  
द्वारा प्रेसीडेन्ट श्री आमील साहिब इब्राहिम भाई  
बोहरा निवासी शाजापुर

(अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभरी के पास  
स्थिति में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि रक्का 3.668 रक्टेयर स्वसरा नं० 864  
व 865 साथ मकान नं. 7, 8 बांड नं० 9 तथा बाउण्डी बाल  
व कुंगा स्थित ग्राम गिरवर, शाजापुर।बी० एल० राव,  
संशम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 2-11-1978

मोहर:

प्रलूप आई० टी० एन० एस०-----  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269ब(1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल दिनांक 3 नवम्बर, 1978

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/ भोपाल/78-79/1179—  
 अतः मूँझे बी० ए० एल० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण  
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
 रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम बलगांव में,  
 स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पुर्ण रूप से  
 वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, राजपुर  
 में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1008 का 16) के  
 अधीन, 30-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विष्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
 पत्रक ह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
 तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित न किया हो गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
 बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
 के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
 को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के  
 अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब  
 की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित अस्तियों अर्थात् :—

(1) श्री दीनेश पुत्र देव दत्त कुलमी निवासी कुवा तह०  
 राजपुर। (अन्तरक)  
 (2) श्री शिवराम पुत्र श्री मांगी लाल व (2)  
 श्री प्रताप सिंह पुत्र शिवा जीलाला निवासी  
 ग्राम देवला तह० राजपुर, जिला खरगोंद।  
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 अविक्षियों में से किसी अपक्रिया द्वारा;  
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
 किसी अन्य अविक्षिया द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
 लिखित में किए जा सतेंगे।

इष्टव्योक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
 या है।

अनुसूची

कृषि भूमि रकबा 15.75 एकड़ ग्राम बलगांव तह०  
 राजपुर।

बी० एल० राव  
 सक्षम प्राधिकारी,  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
 अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 3-11-1978

मोहर:

भारत के नियन्त्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय  
नई दिल्ली-110002, दिनांक 5 दिसम्बर 1978

### विज्ञापन

सं० 2583 अराज० स्था० III/60 अराज० स्था० II/78—  
भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग की अधीनस्थ लेखा  
सेवा (वाणिज्यक) (परिवीक्षा पर) में अनुभाग अधिकारी के  
रूप में नियुक्ति हेतु आवेदन पत्र आमन्त्रित किए जाते हैं।

### रिक्त स्थानों की संख्या

100-120 आरक्षण—अनुसूचित जाति के लिए 15  
प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति के लिए 7 1/2 प्रतिशत और  
भूतपूर्व सैनिकों के लिए 10 प्रतिशत होगा। इसके लिए निर्धारित  
प्राधिकारी से प्रमाण पत्र आवश्यक होगा।

### अर्हता तथा अनुभव

चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट या सागत एवं निर्माण लेखाकार, या  
प्रथम या द्वितीय श्रेणी लेने वाले एम० काम० अथवा बी० काम०  
(आनंद), या प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण बी० काम० (पास) अनु-  
सूचित जाति/अनुसूचित जन जाति के उम्मीदवारों के लिए न्यूनतम  
अर्हता किसी विश्वविद्यालय की कामसं लिंगी होगी।

उन विभागीय उम्मीदवारों को छोड़कर जो पहले से अनुभाग  
अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं। अन्य विभागीय उम्मीदवार जो  
उपर्युक्त अर्हता प्राप्त हैं अथवा उपर्युक्त स्तर की अवाणिज्यिक  
अर्हता वाले हैं, भी आवेदन पत्र भेज सकते हैं।

### 1-3-1979 को आयु

चार्टर्ड एकाउन्टेन्टों और लागत तथा निर्माण कार्य  
लेखाकारों के लिए 30 वर्ष और अन्य के लिए 25 वर्ष। अनु-  
सूचित जाति और अनुसूचित जन जाति के लिए 5 वर्षों की  
ढील है और उन विभागीय उम्मीदवारों के लिए आयु 35 वर्ष  
होगी जो भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग में लेखापरीक्षक  
के रूप में 3 वर्ष या अधिक अवधि के लिए नियन्त्र सेवा कर चुके  
हैं।

### प्रवेश परीक्षा

चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट और लागत तथा निर्माण लेखाकारों  
के प्रतिरिक्षत अन्य उम्मीदवारों को प्रवेश परीक्षा में बैठना  
पड़ेगा जो मई, 1979 के अन्तिम सप्ताह में होगी। प्राप्त पत्र  
निम्नलिखित विषयों पर होंगे:—

- (क) व्यवसाय संगठन
- (ख) वाणिज्य विधि एवं कम्पनी विधि
- (ग) उभ्रत (एडवांस) बही खाता
- (घ) लेखा परीक्षण तथा
- (ङ) लागत लेखा-विधि तथा फैक्टरी संगठन

### वेतन :

500-20-70-द० रो०-25-900 रु० वेतनमात्र में चार्टर्ड  
एकाउन्टेन्टों और लागत तथा निर्माण लेखाकारों का आरम्भिक  
वेतन 620 रु० प्रतिमाह और सामान्य भत्ते अर्थात् महंगाई

भत्ते, मकान किराया भत्ते, नगर प्रतिपूरक भत्ते आदि सरकारी  
आदेशों के अनुसार होंगे। अन्य उम्मीदवारों के लिए आरम्भिक  
वेतन 500 रु० प्रतिमाह होगा और सामान्य भत्ते भी मिलेंगे।  
चिकित्सा तथा अन्य प्रतिलाभ सरकारी आदेशों के अनुसार  
ग्राह्य होंगे।

### तैनाती का स्थान

भारत के भीतर अथवा विदेश में कहाँ भी

### सेवा की शर्तें

इन्हें भारत के गजट भाग III अनुभाग 1 दिनांक 16 दिसम्बर  
1978 में देखा जा सकता है अथवा इस कार्यालय से डाक द्वारा  
प्राप्त किया जा सकता है।

### परिवीक्षा की अवधि

#### दो वर्ष

आयु और अर्हता की संपुष्टि में प्रमाण पत्र सहित पता,  
आयु, अर्हता, राष्ट्रीयता और अनुभव के पूरे ब्यौरे देते हुए  
आवेदन पत्र सहायक नियन्त्रक-महालेखापरीक्षक (अराज०)  
10, बहादुरगाह जफकर मार्ग, नई दिल्ली-110002 के पास 31  
जनवरी 1979 तक बन्द लिकाफे में भेज दें जिसपर 'अनुभाग  
अधिकारी (परिवीक्षा पर) के लिए आवेदन पत्र' अंकित हो।  
सरकारी कार्यालयों/सोक उपकरण में कार्यरत उम्मीदवारों को  
अपना आवेदन पत्र उचित माध्यम से भजना चाहिए।

### टिप्पणी :

आवेदन पत्रों की संख्या अत्यधिक होने पर उनकी छंटनी  
का अधिकार तथा उन आवेदन पत्रों पर, जो नियन्त्रक-महा-  
लेखापरीक्षक द्वारा निर्धारित न्यूनतम मानकों के अनुरूप न  
होंगे, विचार न करने का अधिकार भारत के नियन्त्रक—महा-  
लेखापरीक्षक द्वारा सुरक्षित है।

भारतीय लेखा तथा लेखा-परीक्षा विभाग में अनुभाग अधिकारी  
(वाणिज्यक—परिवीक्षा पर) की नियुक्ति की शर्तें:—

1. अधिवास : आवेदक के लिए अधिवास की शर्तें निम्न-  
लिखित होंगी :

- (क) भारत का नागरिक,  
या
- (ख) नेपाल का नागरिक,  
या
- (ग) भूटान का नागरिक  
या
- (घ) तिब्बत का विस्थापित जो भारत में स्थायी रूप से  
निवास करने के उद्देश्य से 1 जनवरी 1962 से पहले  
भारत आया हो ;
- (ङ) भारतीय मूल का व्यक्ति जो संवैधानिक परिवर्तन  
के कारण स्थायी रूप से निवास करने के उद्देश्य से  
पाकिस्तान, वर्मा से (1-6-1963) को या उसके  
बाद) श्री लंका से (1-11-1964 को या उसके  
बाद), पूर्वी अफ्रीका देशों जैसे कीन्या, यूगांडा,

से तंजानिया का संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व तांग नाइका और जंजीबा) जाम्बिया, मलायी, जैरे, इथोपिया और वियतनाम से आए हों।

बास्तें कि उसी व्यक्ति को श्रेणी (ख), (ग), (घ) और (ङ) में आने वाला उम्मीदवार माना जाएगा जिसके पक्ष में भारत सरकार द्वारा पाकता प्रमाण पत्र जारी किया गया हो। तथापि इस प्रकार के उम्मीदवारों को प्रवेश परीक्षा/साक्षात्कार के लिए अनुमति दी जाएगी परन्तु उन्हें जाने के बाद नियुक्ति का प्रस्तुत भारत सरकार द्वारा पाकता प्रमाण पत्र जारी किए जाने के बाद ही दिया जाएगा।

2. आयु : आवेदक की आयु 1-3-1979 को 25 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। (चार्टर्ड एकाउन्टेंटों और लागत तथा निर्माण लेखाकारों के मामले में 30 वर्ष) निम्नलिखित मामलों में ऊपरी आयु सीमा में ढील दी गई है :—

(क) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति और सदाशय विस्थापित सीनार, अंधा, बधिर, मूक श्वर शारीरिक रूप से विकलांग के लिए 5 वर्ष तक की ढील होगी। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन-जातियों के आवेदन पत्र के साथ जन्म तिथि दर्शाने वाले मैट्रिक्युलेशन प्रमाण पत्र या स्कूल छोड़ने के प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रतियां होनी चाहिए।

(ख) भूतपूर्व सैनिक जिन्होंने अल सेना में कम से कम 6 महीने सेवा की हो, के मामले में की गई सेवा की अवधि के अतिरिक्त 3 वर्ष तक की ढील होगी।

(ग) गोवा, दमन और दीव के निवासियों के लिए आयु सीमा 50 वर्ष तक की होगी।

(घ) भारतीय मूल के व्यक्तियों जो केन्या, तंजानिया और यूगांडा के पूर्वी अफ्रीका देशों में कार्यरत थे, पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति जो 1-1-1964 को या उसके बाद भारत में आए (विस्थापित प्रमाण पत्र के प्रस्तुतीकरण के अध्यधीन) और बर्मा तथा श्रीलंका से स्वदेश भेजे गए व्यक्तियों, जो उन देशों से क्रमशः 1-6-1963 और 1-11-1964 को या उसके बाद भेजे गए के मामले में आयु सीमा 45 वर्ष तक होगी।

(ङ) विभागीय लेखापरीक्षाओं के मामले में यदि उन्होंने भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग में कम से कम 3 वर्ष की सेवातार सेवा पूरी कर ली है, आयु सीमा 35 वर्ष तक की होगी।

टिप्पणी (i) पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति को पुनर्वास मंत्रालय से जारी किए गए रजिस्ट्रीकरण प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए।

(ii) पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति को ट्रांसिट केन्द्र/राहत केंप के कैम्प कमान्डेंट या उस क्षेत्र के जिसमें फिलहाल वह निवासी हो, जिलाधीश से उस प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रतिलिपि प्रस्तुत

करनी चाहिए जिसमें वह दिखाया गया हो कि वह पुरुष/स्त्री पूर्वी पाकिस्तान का एक सदाशयी विस्थापित व्यक्ति है।

(iii) बर्मा, श्री लंका पूर्वी अफ्रीकी देश जैसे कीन्या उगांडा, तथा तंजानिया का संयुक्त गणराज्य, जाम्बिया, मलायी, जैरे, इथोपिया और वियतनाम से देश प्रत्यावर्तित व्यक्ति को सम्बन्धित देश में भारतीय दूतावास/उच्चायोग द्वारा उस पुरुष/स्त्री को जारी किया गया परिचय प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना चाहिए जिससे वह पता लग सके कि वह पुरुष/स्त्री अमुक देश से सदाशयी देश प्रत्यावर्तित व्यक्ति है।

3. अर्हताएं :—अनुसूचित जाति/ जन जाति के उम्मीदवार से द्वारा प्रार्थी की निम्नलिखित शैक्षिक अर्हताओं में से कोई सी एक अर्हता होनी चाहिए :—

- (क) योग्यता प्राप्त (क्वालीफाइड) चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट
- (ख) योग्यता प्राप्त लागत एवं निर्माण-कार्य लेखाकार
- (ग) प्रथम या द्वितीय श्रेणी बी० काम० (आनर्स)
- (घ) प्रथम या द्वितीय श्रेणी एम० काम०

अनुसूचित जाति और जनजाति के उम्मीदवारों के मामले में न्यूनतम अर्हता वाणिज्य (कामर्स) में विश्वविद्यालय डिप्री होगी।

अनुभाग अधिकारी के पद पर पहले से ही काम कर रहे कर्मचारियों को छोड़ कर, भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग के विभागीय उम्मीदवार, जो उपर्युक्त अर्हताएं रखते हों, आवेदन पत्र देने के पात्र हैं। विभागीय उम्मीदवार जो उपर्युक्त मानदण्ड की अर्हता (वाणिज्य से इतर) रखते हैं, भी आवेदन पत्र दे सकते हैं।

4. आवेदन-पत्र का फार्म, सभी आवेदन पत्रों में निम्नलिखित विवरण होने चाहिए :—

- (1) पूरा नाम (मोटे अक्षरों में)
- (2) पिता का नाम और पेशा
- (3) डाक-पता (बाद में हुए परिवर्तन को शीघ्र सूचित करना चाहिए)।
- (4) राष्ट्रीयता
- (5) अथा अनुसूचित जाति/जनजाति के हैं।

यहि हाँ, तो अनुसूचित जाति/जनजाति का नाम दिया जाए जिसके साथ निर्धारित फार्म में जिलाधीश या सब डिवीजनल ऑफिसर का विधिवत् प्रमाण-पत्र भी हो।

(6) जन्म का स्थान और तिथि (ईस्वी सन् में) जिसके साथ जन्मतिथि की दर्शाने वाले मैट्रिक्युलेशन या स्कूल लीविंग सर्टीफिकेट की सत्यापित प्रति हो।

(7) शैक्षिक अर्हताएं (पूर्ण विवरण) — मैट्रिक/एस० एस० एस० सी० और उससे आगे की प्रत्येक परीक्षा, जिसमें प्रत्येक ऐपर या विषय के अधिकतम अंक और वास्तव में प्राप्तांक तथा कुल अंक और प्राप्त डिवीजन दिए हों एवं जिसके साथ प्रमाण पत्रों की सत्यापित प्रतियां भी हों। संस्थाएं जिनमें शिक्षा प्राप्त की गई हो, के नाम भी दर्शाएं जाएं।

(8) (क) वह वर्ष जिसमें प्रत्याशी अखिल भारतीय प्रतियोगिता परीक्षा (रोल नम्बर और प्राप्तांक और प्राप्तस्थान सभी) में बैठा हो।

(ख) यदि परीक्षा में बैठा हो तो क्या साक्षात्कार के लिए बुलाया गया।

(9) कार्य का पूर्व अनुभव, यदि कोई हो (रोजगार के विवरण दर्शाएं जाएं)।

टिप्पणी :— (1) आवेदन पत्र जिनके साथ उपर्युक्त विवरण नहीं होंगे, अस्वीकार किए जा सकते हैं।

(2) उन उमीदवारों को जो केन्द्रीय/राज्य/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन/सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम में काम कर रहे हैं, केवल उचित माध्यम से ही आवेदन पत्र देना चाहिए। आवेदन पत्रों की अग्रिम प्रतियों पर कार्यवाही नहीं की जाएगी।

5. शंसा-पत्र :— आवेदन पत्रों के साथ ऐसे राजपत्रित अधिकारियों या दण्डाधिकारियों (मजिस्ट्रेट) जो प्रार्थी के सम्बंधी नहीं हैं द्वारा दिए गए चरित्र के दो शंसा पत्र होने चाहिए। अनुसूचित जाति/जनजाति के उमीदवारों को उस स्थान के जिसमें आवेदन-पत्र की तारीख को उनके माता-पिता (या उनमें से एक जीवित) साधारणतः रहते हैं या यदि दोनों माता-पिता मर चुके हैं। तो उस स्थान जिसमें वह अपनी स्वयं की शिक्षा के उद्देश्य के अलावा साधारणतः रहते हैं, के जिलाधीश या सब डिवीजनल अधिकारी या अन्य प्राधिकृत अधिकारी से इस श्रावण का मूल प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना चाहिए कि वह अनुसूचित जातियों/जन जातियों में से किसी एक जाति (जाति या जन जाति) का है। तथापि चुने गए उमीदवारों को नियुक्ति से पूर्व जिलाधीश या सब डिवीजनल अधिकारी या उनके वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा विशिष्ट सत्यापित चरित्र का एक प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा।

6. आवेदन-पत्र की अंतिम तिथि :— सभी आवेदन-पत्र भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक नई दिल्ली के कार्यालय में 31 जनवरी, 1979 या उससे पहले पहुंच जाने चाहिए। उस तारीख के बाद प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा। यही शर्त उन आवेदन पत्रों, जिनकों केन्द्रीय/राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों और सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों में काम कर रहे प्रत्याशियों द्वारा उचित माध्यम से प्रस्तुत करना है, के मामले में भी लागू होगी।

#### 7. प्रवेश परीक्षा और साक्षात्कार

चार्ट एकाउन्टेन्ट और लागत एवं निर्माण-कार्य लेखाकारों से इतर उमीदवारों को प्रवेश-परीक्षा देनी होगी। जोकि भारत में महा-लेखाकारों के सभी मुद्यालयों में होगी और जो अंतर्रिम रूप से नई 1979 के अंतिम सप्ताह में होगी।

परीक्षा के निम्नलिखित पत्र-पत्र होंगे :—

- (क) व्यवसाय-संगठन।
- (ख) वाणिज्य विधि और कम्पनी विधि।
- (ग) उप्रत (एडवांस) बही खाता।
- (घ) लेखापरीक्षा तथा,
- (ङ) लागत लेखा विधि तथा फैक्टरी संगठन।

तथापि चयन बोर्ड द्वारा साक्षात्कार किए जाने के बाद ही अन्तिम चयन होगा।

चार्ट एकाउन्टेन्टों और लागत तथा निर्माण-कार्य लेखाकारों का चयन केवल साक्षात्कार की प्रक्रिया के माध्यम से ही किया जायगा। अनुसूचित जाति/जन जाति के उमीदवारों को छोड़कर अन्य उमीदवारों को अपने व्यय पर चयन बोर्ड के सामने साक्षात्कार के लिए/प्रवेश परीक्षा के लिए उपर्युक्त होना पड़ेगा। साक्षात्कार/प्रवेश परीक्षा के केन्द्र प्रतियोगियों को सूचित किए जायेंगे। अनुसूचित जाति/जन जाति उमीदवारों के मामले में जाने तथा आने का सबसे छोटे मार्ग द्वारा दूसरी श्रेणी की यात्री रेलगाड़ी का एक तरफा रेल भाड़ा दिया जाएगा।

8. परिवीक्षा तथा प्रशिक्षण :— परिवीक्षा काल की अवधि सामान्यतया दो वर्ष होती है। परिवीक्षा अवधि के दौरान उन्हें ऐसे स्थान पर और ऐसी रीति से, जो भी निर्धारित हो, एक नियमित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लेना होगा। उन्हें इस अवधि के दौरान नियमित कार्य भी सौंपा जा सकता है।

#### 9. विभागीय परीक्षाएं तथा स्थायीकरण

(क) प्रशिक्षण पूरा होने के बाद, निम्नलिखित विषयों में एक परीक्षा अप्रयोजित की जाएगी :—

- (i) सार लेखन एवं प्रालृप लेखन।
- (ii) मूल नियमावली, पेशन नियमावली आदि।
- (iii) केन्द्रीय लोक निर्माण लेखाओं सहित सिविल लेखा तथा लेखापरीक्षा।
- (iv) सरकारी लेखा तथा लेखापरीक्षा का परिषय, खजाना नियमावली तथा सामान्य वित्तीय नियमावली।

इस परीक्षा में उत्तीर्ण प्रतियोगियों को नियमित अनुभाव अधिकारी नियुक्त किया जाएगा जो अनुत्तीर्ण रहेंगे उन्हें सेवाओं से मुक्त किया जाएगा।

(ख) जुने हुए व्यक्तियों को सेवा में रहते हुए निम्न-लिखित परीक्षाओं में भी उत्तीर्ण होना होगा।

- (i) हिन्दी शिक्षण योजना के अंतर्गत सेवा के दौरान प्रशिक्षण आदि के लिए भारत सरकार के आदेशों के अनुसार हिन्दी में परीक्षा (यदि उन्होंने मेट्रिक्युलेशन स्तर तक हिन्दी नहीं पढ़ी हो)।
- (ii) उस राज्य की क्षेत्रीय भाषा में परीक्षा जिस राज्य में उनकी अनुभाग अधिकारी के रूप में मूलतः नियुक्ति की गई हो।

(ग) परिवीक्षा के संतोषजनक रूप से पूरा किए जाने पर वह स्थायीकरण का पात्र होगा जबसे कि स्थायी रिक्त स्थान उपलब्ध हो। उसका स्थायीकरण भी तभी होगा जब उसे सेवा में स्थायी रूप से बनाए रखने के लिए सभी प्रकार से सुयोग समझा जाएगा। तथापि, उसके अधीनस्थ लेखा सदा संवर्ग में स्थायीकरण से उसे वरिष्ठता का कोई विशेष हक प्राप्त नहीं होगा। नियमित अधीनस्थ लेखा सेवा (वाणिज्यिक) भाग II की परीक्षा में सफल होने वाले विभागीय प्रतियोगियों की तुलना में सीधी भर्ती के प्रतियोगियों की वरिष्ठता वर्तमान वरिष्ठता नियमावली अर्थात् नियंत्रक—महालेखापरीक्षक के स्थायी आदेशों की पुस्तिका (प्रशासन) खण्ड I के पैरा 184 के अनुसार निर्धारित की जाएगी। एक ही परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले सीधी भर्ती के प्रतियोगियों की परस्पर वरिष्ठता निम्न प्रकार से नियत की जाएगी:—

- (i) वर्ग के रूप में चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट का स्थान वरिष्ठता में सबसे ऊंचा होगा, परन्तु उनकी परस्पर वरिष्ठता भर्ती के समय चयन बोर्ड द्वारा नियत की जाएगी।
- (ii) वर्ग के रूप में लागत तथा निर्माण-कार्य लेखाकार का स्थान वरिष्ठता में चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट से नाचे होगा, उनकी परस्पर वरिष्ठता भर्ती के समय चयन बोर्ड द्वारा दिए गए स्थान के अनुसार होगी।
- (iii) ऊपर के पैरा 3 के अनुसार वर्ग के रूप में बाहर से लिए गए अन्य उम्मीदवारों (विभागीय

उम्मीदवारों सहित) का स्थान वरिष्ठता में चार्टर्ड एकाउन्टेन्टों और लागत तथा निर्माण-कार्य एकाउन्टेन्टों के बाद होगा। इस वर्ग के उम्मीदवारों की परस्पर वरिष्ठता प्रवेश परीक्षा में उनके द्वारा प्राप्त पद के अनुसार नियत की जाएगी।

10. नियुक्ति :—अनुभाग अधिकारी (परिवीक्षा पर) भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग में मुख्य रूप से वाणिज्यिक लेखापरीक्षा कार्यालयों के लिए भर्ती किए जा रहे हैं। विभिन्न कार्यालयों के लिए उनका अंतिम आवंटन अपर उप-नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (वाणिज्यिक) द्वारा किया जाएगा। उम्मीदवारों को भारत तथा विदेश में भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा के किसी कार्यालय में नियुक्त किया जा सकता है।

11. नियुक्ति के समय सभी व्यक्तियों को इस बात का लिखित बचत देना होगा कि वे अपने परिवीक्षा काल के दौरान न तो कहीं और किसी अन्य पद के लिए आवेदन देंगे और न ही अन्य नियुक्तियों के लिए अर्हता प्राप्त करने हेतु किसी परीक्षा में बैठेंगे।

12. वेतनमान :—अनुभाग अधिकारियों (परिवीक्षा पर) को 500 रु० प्रति माह की दर से वेतन तथा समय-समय पर (नियमानुसार) स्वीकार्य भर्ते भी दिए जाएंगे। चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट तथा लागत एवं निर्माण-कार्य लेखाकारों के मामले में यह 620 रु० प्रति माह होगा। उन्हें 500-20-700-द० रो० 25-900-र० के वेतनमान में सामान्य वेतन वृद्धि दी जाएगी। विभागीय परीक्षा पास करने के बाद अनुभाग अधिकारी (लेखा तथा लेखापरीक्षा) के रूप में उनकी नियमित नियुक्ति की तारीख से एक वर्ष बाद उन्हें पहली वेतन वृद्धि मिलेगी।

टिप्पणी :—लेखा तथा लेखापरीक्षा कार्यालय में प्रशिक्षण के लिए अथवा अन्यथा नियुक्त होने पर, उस कार्यालय से सम्बद्ध विभाग अध्यक्ष उसी प्रकार सभी अधिकारों का प्रयोग करेगा, जैसा कि वह उस स्थिति में करता, जबकि नियुक्ति आरम्भ में ही उसी के द्वारा की गई होती।

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 20th November 1978

No. F. 22/79-SCA-(G)—In pursuance of sub-rule (3) of rule 4 of Order II of Supreme Court Rules, 1966 as amended the Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to direct that the following days be observed as Court Holidays during the year—1979.

Name of holidays	Date & Month	Day of the week	No. of days
New Year's Day	1st January	Monday	1
Republic Day	26th January	Friday	1
Basant Panchmi	1st February	Thursday	1
Holi	12th to 14th March	Monday to Wednesday	3
Ramanavami	5th April	Thursday	1
Mahavir Jayanti	10th April	Tuesday	1
Good Friday	13th April	Friday	1
Janmashtami	14th August	Tuesday	1
Independence Day	15th August	Wednesday	1
Dussehra	24th to 28th September	Monday to Friday	5
Vijay Dasami	1st October	Monday	1
Mahatma Gandhi's Birthday	2nd October	Tuesday	1
Diwali	19th & 20th October	Friday & Saturday	2
Id-ul-zuhra (Bakrid)	2nd November	Friday	1
X'mas & New Year Holidays.	24th December to 4th January, 1980	Monday to Friday	12

By Order  
M. P. SAXENA

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 10th November 1978

No. A.35017/1/77-Admn.II.—On his selection for appointment, on deputation, Shri J. G. Kochhar, Section Officer of the office of the Accountant General, Punjab, Chandigarh, has been appointed to officiate as Accounts Officer a gazetted Class II post in General Central service in the office of the Union Public Service Commission w.e.f. the forenoon of 3-11-78 for a period of one year in the first instance, or until further orders, whichever is earlier.

S. BALACHANDRAN, Under Secy.  
for Secy.

New Delhi-110011, the 15th November 1978

No. A.12024/3/78-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri K. Subramanyam IAS (Andhra Pradesh cadre) to the post of Additional Secretary, Union Public Service Commission, in the scale of Rs. 2500-125/2-2750, in the office of the Union Public Service Commission w.e.f. 1-11-1978 until further orders.

The 20th November 1978

No. A.19013/3/78-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri B. N. Som an officer of the Indian Postal Service, as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission w.e.f. the forenoon of 15th November, 1978, until further orders.

S. BALACHANDRAN,  
Under Secy.

New Delhi-110011, the 9th November 1978

No. A.32014/1/78-Admn.III.—The President is pleased to appoint the following permanent Assistant of the CSSS cadre of Union Public Service Commission to officiate as Section Officer, on ad-hoc basis, for the periods indicated against each or until further orders, whichever is earlier:

S. No.	Name	Period for which promoted as Section Officer	Remarks
1.	Shri H. S. Bhatia	for a further period from 1-11-78 to 28-2-79.	—
2.	Shri K. L. Sharma	for a further period from 1-11-78 to 28-2-79	—
3.	Shri B. R. Basra	for a further period from 18-11-78 to 31-1-79	—
4.	Shri I. J. Sharma	for a further period from 1-11-78 to 31-12-78	—
5.	Shri S. K. Arora	for a further period from 1-11-78 to 31-12-78	Shri S. K. Arora, for the period he officiates as Section Officer, has been redesignated as Desk Officer & will draw special pay of Rs 75/- per month in addition to his pay as Section Officer in terms of DOP&AR O.M. No. 12/1/74-CS (J) dated 11-12-75.
6.	Shri R. K. Jasuja	for a further period from 1-11-78 to 31-12-78	—
7.	Shri S. N. Sharma	for a further period from 1-11-78 to 31-12-78	—
8.	Shri Jai Narain	for a further period from 1-11-78 to 31-12-78	—
9.	Shri R. K. Goyal	for a further period from 22-10-78 to 23-12-78	—

The 17th November 1978

No. A.32014/1/78-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri S. P. Mehra, Permanent Personal Assistant (Grade C of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission and at present officiating in the Selection Grade for Grade C Stenographer, who was appointed to officiate as Senior Personal Assistant upto 30-10-78 on purely temporary and ad hoc basis vide orders of even No. dated 30-9-78 as Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) in the same cadre on a purely provisional temporary and ad hoc basis for a period of 2 months w.e.f. 1-11-78 to 31-12-78 or until further orders, whichever is earlier.

Shri Mehra should note that his appointment as Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) is purely temporary and on ad hoc basis and will not confer any title for absorption in Grade B of CSSS or for seniority in that Grade. Further his appointment is subject to the approval of the Department of Personnel & ARs.

S. BALACHANDRAN,  
Under Secy. (Admn.)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS.  
DEPTT. of PERSONNEL & A.R.  
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 24th November 1978

F. No. S-158/67-Ad.V.—Shri S. Rath, an officer of the Orissa State Police, who was on deputation to C.B.I. as Dy. Supdt. of Police, relinquished charge of his office on the afternoon of 3-10-78. His services have been placed back at the disposal of State Government.

F. No. A-19036/16/76-Ad.V.—Shri N. Patnaik, Dy. Supdt. of Police, an officer of the Orissa State Police, who was on deputation to C.B.I., relinquished charge of the office of Dy. Supdt. of Police in C.B.I. on the afternoon of 18-11-78. His services are placed back at the disposal of State Authorities.

F. No. A-19036/34/78-Ad.V.—The Director, Central Bureau of Investigation, & I.G.P., S.P.E. hereby appoints Shri Ranbir Singh, an Officer of Punjab State Police and an Inspector of Police in Ambala Branch of C.B.I. to officiate as Dy. Supdt. of Police in C.B.I., S.P.E., with effect from forenoon of 20-11-78 and until further orders.

RIPDAMAN SINGH,  
Administrative Officer (A)  
C.B.I.

—  
DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE.

New Delhi-110001, the 22nd November 1978

No. O.II-8/76-Estt.—Consequent on his repatriation to his parent state of Assam, Shri P. C. Das, IPS relinquished the charge of the post of IGP S/IV, CRPF, Shillong on the forenoon of 1st November, 1978.

No. O.II-1072/77-Estt.—The President is pleased to accept resignation of Dr. R. Mohan Pillai, Junior Medical Officer (GDO; Gd.II) of 21st Bn, CRPF with effect from 18-9-78 (A.N.).

No. O.II-3/78-Estt.—The President is pleased to appoint on deputation Shri S. Dutta Chowdhury, an IPS officer of Gujarat Cadre, as IGP in the CRP Force.

2. Shri Chowdhury took over charge of the post of IGP S/IV CRPF, Shillong on the afternoon of 7th November, 1978.

The 24th November 1978

No. O.II-451/69-Estt.—The President is pleased to appoint on promotion an ad-hoc basis Shri I. J. Singh as Commandant in the CRPF in a temporary capacity until further orders.

2. Shri I. J. Singh handed over charge of the post Asstt. Comdt. in the office of IGP S/I, CRPF Hyderabad on the afternoon of 1-11-78 and took over the charge of the post of Commandant 44 Bn. CRPF on the afternoon of 7-11-78.

A. K. BANDYOPADHYAY  
Assistant Director (Adm.).

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL  
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE  
New Delhi-110019, the 17th November 1978

No. E-32015(1)/8/74-Pers.—On attaining the age of superannuation Lt. Col. T. K. George relinquished the charge of the post of Commandant CISF Unit FACT, Udyogamandal with effect from the afternoon of 31st October, 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from New Delhi Shri A. S. Khaturia assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit, HAL Pimpri with effect from the afternoon of 16th October 1978 vice Shri S. K. Kohli who on transfer to New Delhi relinquished the charge of the said post w.e.f. the same date.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from Visakhapatnam Shri M. R. Dinesan assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit FACT, Udyogamandal, w.e.f. the forenoon of 12th October, 1978 vice Shri K. G. Thomas Asstt. Commandant who on his transfer on deputation to Cochin Port Trust Cochin as Vigilance Officer, relinquished the charge of the said post w.e.f. the same date.

The 22nd November 1978

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer Shri C. D. Kukreti relinquished the charge of the post of Assistant Commandant CISF Unit DSP Durgapur w.e.f. the forenoon of 21st September, 1978.

The 25th November 1978

No. E-16013(1)/3/76-Pers.—On repatriation on the expiry of his deputation term Shri Hans Raj Swan IPS (Har-57) relinquished the charge of the post of Dy. IG (Adm. & Induc.) CISF HQs., New Delhi, w.e.f. the forenoon of 13th November, 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from Trombay Shri P. S. Nandal assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit BSP Bhilai with effect from the afternoon of 2nd November, 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from Nangal Shri S. K. Jaiman assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit, DSP Durgapur w.e.f. the forenoon of 8th November, 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer Shri K. P. Nair relinquished the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit ISRO Thumba w.e.f. the afternoon of 18th October, 1978 and assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit MAPP Kalpakkam w.e.f. the forenoon of 28th October 1978.

No. E-38013(1)/1/78-Pers.—On completion of training abroad under the Colombo Plan and leave Shri B. R. Luthra, IPS (MP-60) assumed the charge of the post of DIG (Rect. & Trg.), CISF HQs., New Delhi with effect from the forenoon of 13th November 1978.

NARENDRA PRASAD  
Inspector-General/CISF

FINANCE COMMISSION  
VIGYAN BHAWAN ANNEXE

New Delhi, the 24th November 1978

No. 7-F.C. 2(7)-A/77.—Shri P. B. Dhawan, a Permanent Grade IV Officer of the Indian Economic Service formerly Private Secretary to Chairman in the Seventh Finance Commission has been appointed as Senior Research Officer in the same Commission in the scale of Rs. 1100-1600 for the extended period of two months with effect from the forenoon of 1st November, 1978 to 31st December, 1978 (A.N.).

S. K. DAS GUPTA  
Director

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I  
MADHYA PRADESH

Gwalior, the 21st November 1978

No. OE-I/326.—Shri G. V. Ramasubban, as officiating Accounts Officer, has been permitted to retire voluntarily from Government service w.e.f. 1-10-1977 forenoon, under the voluntary retirement scheme, introduced by Government of India, Ministry of Home Affairs Department of Personnel and Administrative Reforms, Office Memorandum No. 29013/7/77-Estt. (A) dated 26-8-1977.

KRISHNA GOPAL  
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF  
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110 022, the 21st November 1978

No. 68018(2)/71-AN. II.—The President is pleased to appoint Shri Arun Kumar Lal, an officer of the Indian Defence Accounts Service (on deputation to the Cabinet Secretariat, Department of Personnel & Administrative Reforms, Ministry of Home Affairs as Deputy Secretary) to officiate in the Junior Administrative Grade (Rs. 1500—60—1800—100—2000) of that Service with effect from the forenoon of 23rd October, 1978, until further orders, under the 'Next Below Rule'.

The 23rd November 1978

No. 4769/AN-II.—On attaining the age of 58 years, Shri Bahadur Murao, an officer of the Indian Defence Accounts Service (on deputation as Member, Bureau of Industrial Costs & Prices) has been transferred to the Pension Establishment and accordingly struck off strength of the Defence Accounts Department with effect from the afternoon of 31st October 1978.

R. L. BAKHSHI  
Addl. Controller General of  
Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF DEFENCE  
DIRECTORATE GENERAL ORDNANCE FACTORIES  
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Calcutta, the 3rd November 1978

No. 72/G/78.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officers as Offg. GM (SG)-Level-II/DDGOF- Level-II with effect from the date shown against them, until further orders :—

(1) Shri G. N. Ramaschhan, . . . . .	20th July, 1978
offg. GM/Gr. I	
(2) Shri J.C. Marwaha, . . . . .	20th July, 1978
Pt. GM/Gr. I	
(3) Shri R. K. Chellam, . . . . .	20th July, 1978
Offg. GM/Gr. I	
(4) Shri V.V. Karmarkar, . . . . .	20th July, 1978
Offg. ADGOF/Gr. I	

No. 73/G/78.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officers as Offg. Manager/Sr. DADGOF with effect from the date shown against them, until further orders :—

(1) Shri T. K. Banerjee, Pt. D.M. . . . .	1st July, 1978
(2) Shri M. Mitra, Pt. DADG . . . . .	2nd Sept., 1978.
(3) Shri A. Ramamurthy, Pt. DADG . . . . .	2nd Sept., 1978

No. 74/G/78.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officers as Offg. Dy. Manager/DADGOF with effect from the date shown against them, until further orders :—

(1) Shri Rajnish Kumar, Pt. A.M. . . . .	22nd April, 1978
(2) Shri Bal Bhushan, Pt. A.M. . . . .	22nd April, 1978
(3) Shri S.S.R. Zaidi, Pt. A.M. . . . .	22nd April, 1978
(4) Shri R. P. Sharma, Pt. A.M. . . . .	22nd April, 1978
(5) Shri B.S. Shiroor, Pt. A.M. . . . .	22nd April, 1978
(6) Shri B.J. Rajah, Offg. A.M. . . . .	22nd April, 1978
(7) Shri K.G. Nair, Offg. A.M. . . . .	22nd April, 1978
(8) Shri R. Krishnan, Pt. A.M. . . . .	16th June, 1978
(9) Shri S. Ramamurthy, Pt. A. M. . . . .	16th June, 1978,
(10) Smt. Minakshi Seth, A.M. (Prob) . . . . .	10th August, 1978,
(11) Shri H. K. Narula, AM (Prob) . . . . .	10th August, 1978

The 21st November 1978

No. 77/78/G.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri H. P. Chatterjee, Offg. Officer Supervisor (Subst. & Permit. A.S.O.) retired from service with effect from 30th September, 1978 (A/N).

No. 78/78/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri K. L. Mukherjee, Offg. Officer Supervisor (Subst. & Permit. A.S.O.), retired from service with effect from 30th September, 1978 (A/N).

The 22nd November 1978

No. 79/78/G.—The President is pleased to appoint Shri Somendra Yamdagni as Asstt. Manager (prob.) with effect from 6th January, 1978.

V. K. MEHTA  
Asstt. Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF LABOUR

DIRECTORATE GENERAL FACTORY ADVICE  
SERVICE & LABOUR INSTITUTE

Bombay, the 20th November 1978

No. 17/18/78-Adm.—The Director-General, Factory Advice Service and Labour Institute, Bombay is pleased to appoint Shri Prem Bahadur Pal, Research Officer (Chemical) w.e.f. 4th November, 1978 (FN) in the Regional Labour Institute, Calcutta under the Directorate General of Factory Advice Service and Labour Institute, Bombay.

A. K. CHAKRABARTY  
Director General

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND  
COOPERATION

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF  
IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 28th November 1978

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL  
ESTABLISHMENT

No. 6/440/56-Admn. (G)/8319.—On attaining the age of superannuation, Shri R. N. Ghosh, Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta relinquished the charge of the post in that office on the afternoon of the 31st October 1978.

No. 6/893/70-Admn. (G)/8326.—On attaining the age of superannuation, Shri H. S. Premchandani, an officer of the Section Officer's Grade of the CSS, relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in this office on the afternoon of the 31st October, 1978.

K. V. SESHADRI  
Chief Controller of Imports & Exports

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT  
(OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER  
FOR HANDLOOMS)

New Delhi, the 7th November 1978

No. A-12025/2/75-E1/DCH. Admn. II.—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 6th September, 1978 and until further orders Shri Chakradhar Datta, as Assistant Director, Grade I (Processing) in the Weavers' Service Centre, Calcutta.

(Km.) RENU SAHNI  
Deputy Development Commissioner  
(Handlooms)

## OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay, the 23rd November 1978

No. CER/4/78—In exercise of the powers conferred on me by Clause 31 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby direct that every Producer having a Spinning Plant shall submit to the Textile Commissioner, Economic Branch, Bombay, true and accurate information in the proforma appended below with respect to the import and consumption of Acrylic fibre:—

1. relating to the period ending on the last day of November 1978 on or before the 31st December 1978 and
2. relating to the one month period beginning from the month of December 1978 on or before the 10th day of the succeeding month.

## PROFORMA

Statement showing Import, Consumption and stock of Acrylic fibre for the month/period ending.....

## (1) Identification Particulars

## (2) Details of Import Licence

S. No.	Item	Particulars	Item Code
(0)	(1)	(2)	(3)
11	State		
12	*Month/period ending		
13	Unit Sr. No.		
14	Sector	*Cotton/ Wool/ Art-silk	*1/2/3

\*Delete whichever is not applicable.  
Name of the Manufacturers :  
Address :

## (3) IMPORTS, CONSUMPTION &amp; STOCK OF ACRYLIC FIBRE

S. No.	Item	Date of opening L.C.	Value of L.C.	Quantity covered	Opening balance	Total Imports during the period/ month	Local purchases	Consumption during the period / month	Balance at the end of the period month	Remarks
(0)	(1)					Kgs.*				
			Rs.	Kgs.	Kgs.		Kgs.	Kgs.	Kgs.	
31	Imported									
32	Indigenous	×	×	×						
40	Total						×			

\*Note :— In respect of return to be furnished by 31st December 1978 the information required in Columns (6), (8) and (9) above should cover the period beginning from the time of import of Acrylic fibre to the end of November 1978.

No. 5(2)/78-CLB-II—In exercise of the powers conferred on me by Clause 10 of the Art Silk Textiles (Production & Distribution) Control Order, 1962, I hereby direct that every manufacturer of Art Silk Yarn shall submit to the Textile Commissioner, Economic Branch, Bombay, true and accurate information in the proforma appended below with respect to the import and consumption of Acrylic fibre:—

1. relating to the period ending on the last day of November 1978 on or before the 31st December 1978 and
2. relating to the one month period beginning from the month of December 1978 on or before the 10th day of the succeeding month.

## PROFORMA

Statement showing Import, Consumption and stock of Acrylic fibre for the month/period ending.....

## (1) Identification Particulars

## (2) Details of Import Licence

S. No.	Item	Particulars	Item Code
(0)	(1)	(2)	(3)
11	State		
12	*Month/period ending		
13	Unit Sr. No.		
14	Sector	*Cotton/ Wool/ Art-silk	*1/2/3

\*Delete whichever is not applicable.  
Name of the Manufacturer:  
Address :

## (3) IMPORTS CONSUMPTION &amp; STOCK OF ACRYLIC FIBRE

S. No.	Item	Date of opening L.C.	Value of L.C.	Quantity covered	Opening balance	Total imports during the period/month	Local purchases	Consumption during the period/month	Balance at the end of the period/month	Remarks
		Rs	Kgs.	Kgs.	Kgs.	Kgs.	Kgs	Kgs	Kgs	
(0)	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)*	(7)	(8)*	(9)*	(10)
31	Imported									
32	Indigenous			X	X	X				
40	Total						X		X	

\*Note :— In respect of return to be furnished by 31st December 1978 the information required in Columns (6), (8) and (9) above should cover the period beginning from the time of imports of Acrylic fibre to the end of November, 1978.

No. 7(2)/78-CLB II—In exercise of the powers conferred on me by Clause 10 of the Woollen Textiles (Production & Distribution) Control Order, 1962, I hereby direct that every manufacturer of Woollen Yarn shall submit to the Textile Commissioner, Economic Branch, Bombay, true and accurate information in the proforma appended below with respect to the import and consumption of Acrylic Fibre :—

1. relating to the period ending on the last day of November 1978 on or before the 31st December 1978 and
2. relating to the one month period beginning from the month of December, 1978 on or before the 10th day of the succeeding month.

## PROFORMA

Statement showing Import, Consumption and stock of Acrylic Fibre for the month/period ending.....

(1) Identification Particulars. (2) Details of Import Licence

S. No.	Item	Particulars	Item Code	S. No.		Licence No. & Date		Quantity (Kgs.)	Value (Rs.)
				(0)	(1)	(2)	(3)		
(0)	(1)	(2)	(3)	(0)	(1)	(2)	(3)	(0)	(1)
11	State				21				
12	*Month/period ending								
13	Unit Sr. No.								
14	Sector	*Cotton/ Wool/ Artsilk	*1/2/3						

\*Delete whichever is not applicable.

Name of the Manufacturer :

Address :

## (3) IMPORTS CONSUMPTION &amp; STOCK OF ACRYLIC FIBRE

S. No.	Item	Date of opening L.C.	Value of L.C.	Quantity covered	Opening balance	Total imports during the period/month	Local purchases	Consumption during the period/month	Balance at the end of the period/month	Remarks
		Rs.	Kgs.	Kgs.	Kgs.	Kgs.	Kgs	Kgs	Kgs	
(0)	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)*	(7)	(8)*	(9)*	(10)
31	Imported									
32	Indigenous			X	X	X			X	
40	Total									

\*Note :— In respect of return to be furnished by 31st December, 1978 the information required in Columns (6), (8) and (9) above should cover the period beginning from the time of import of Acrylic fibre to the end of November 1978.

G. S. BHARGAVA  
Joint Textile Commissioner

## MINISTRY OF STEEL AND MINES

(DEPARTMENT OF MINES)

## GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700 016, the 22nd November 1978

No. 8065B/13/76(DKRC)/19A.—Shri D. K. Roy Chowdhury received charge of the post of Assistant Cost Accounts Officer in the Geological Survey of India on reversion from M/s. Jessop & Co. Ltd., Calcutta in the same capacity from the forenoon of 1st November, 1978.

## CORRIGENDUM

The 23rd November 1978

No. 8117B/30/75/19C.—The name of Shri C. L. V. R. Anjaneyulu, Shift Boss, G.S.I., appearing at Sl. No. 50 of this office Notification No. 30/75/19C dated 10-2-77 stands deleted.

V. S. KRISHNASWAMY  
Director General

## INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 20th November 1978

No. A19012(106)/78-Estt-A.—Shri S. M. Dandekar, Senior Technical Assistant (Geology) is promoted to the post of Assistant Mining Geologist in Group 'B' post in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 24th October, 78, until further orders.

The 22nd November 1978

No. A-19012/16/70-Estt. A.—Shri B. B. Shukla, Permanent Hindi Translator and Officiating Senior Hindi Translator, Indian Bureau of Mines is promoted to officiate as Hindi Officer in Indian Bureau of Mines on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 2nd November, 1978, until further orders.

No. A-19012(43)/76-Estt. A.—Shri D. N. Ghare, Officiating Deputy Librarian, Indian Bureau of Mines is promoted to officiate as Librarian in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 7th November, 1978, until further orders.

S. BAIAGOPAL  
Head of Office

## DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 20th October 1978

No. 9/10/78-SII.—Director General, All India Radio is pleased to appoint the following Sr. Grade Stenographers working in News Service Division/External Service Division, All India Radio, New Delhi to officiate as Reporter (Monitoring), News Services Division, All India Radio, New Delhi on a purely *ad-hoc* basis with effect from the date mentioned against each, until further orders :—

1. Shri J. N. Agnihotri—17-7-78 (F.N.)
2. Shri O. N. Mehrotra—24-7-78 (F.N.).

S. V. SESHADRI  
Deputy Director of Administration  
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING  
FILMS DIVISION

Bombay-400 026, the 20th November 1978

No. A-12026/7/75-Est. I.—The Chief Producer, Films Division, has appointed Shri V. R. Peswani, Permanent Superintendent, Films Division, Bombay to officiate on *ad-hoc*

basis as Assistant Administrative Officer in the same office with effect from the forenoon of the 17th November, 1978.

M. CHANDRAN NAIR  
Administrative Officer  
for Chief Producer

## DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 21st November 1978

No. A. 32015/4/78-SI.—The President is pleased to appoint Shri J. K. Lal Senior Technical Assistant, to the post of Assistant Depot Manager in the Department of Family Welfare with effect from the afternoon of the 13th January 1978 on an *ad-hoc* basis until further orders.

The 27th November 1978

No. A. 12025/6/76-SI.—On the basis of recommendations made by the UPSC, the President is pleased to appoint Dr. Manohar Lal Dewan, Microbiologist, Central Food Laboratory, Calcutta, to the post of Director, Biological Laboratory and Animal House, Government Medical Store Depot, Madras with effect from 1-11-78 a temporary capacity until further orders.

S. K. KARTHAK  
Deputy Director Admn. (Stores)

## MINISTRY OF AGRICULTURE &amp; IRRIGATION

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)

## DIRECTORATE OF MARKETING &amp; INSPECTION

Faridabad, the 24th November 1978

No. A. 19023/57/78-A. III.—On the recommendations of the D.P.C., Shri K. S. Nishal who is working as Marketing Officer (Group II) on *ad-hoc* basis, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group II) in this Directorate at New Delhi on regular basis with effect from 6-11-78, until further orders.

The 25th November 1978

No. A. 19025/56/78-A. III.—On the recommendations of the D.P.C., Shri V. K. Mittal who is working as Assistant marketing Officer (Group III) on short-term basis, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group III), on regular basis with effect from 6-11-78 until further orders.

No. A. 19025/64/78-A. III.—On the recommendations of the U.P.S.C., Shri Nand Lal Singh, officiating as Assistant Marketing Officer on short term basis, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) on regular basis with effect from 31-8-78 (F.N.) until further orders.

No. A. 19025/109/78-A. III.—Shri V. L. Vairagar, Senior Inspector has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I), in the Directorate of Marketing and Inspection at Panaji (Goa) with effect from 9-11-78 (F.N.) upto 31-12-78, or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

No. A. 19025/113/78-A. III.—On the recommendations of the U.P.S.C., Shri Yogendra Kumar Pandey has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Patna with effect from 7-11-78 (F.N.), until further orders.

B. L. MANIWAR  
Director of Administration  
for Agricultural Marketing Adviser

Bhabha Atomic Research Centre  
(Personnel Division)

Bombay-400 085, the 22nd November 1978

No. S/356/Med/Estt. I/4578.—Director, BARC, has accepted the resignation from service tendered by Dr. Sampige Nanjudiah Sreenath, a temporary Resident Medical Officer in

this Research Centre, with effect from the forenoon of 3-10-1978.

2. Dr. Sreenath is deemed to have relinquished charge of his post on 3-10-1978 (F.N.).

M. S. RAO  
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY  
DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 21st November 1978

No. DPS/41(1)/77-Adm./28310A.—In continuation of this Directorate Notification of even number dated September 18, 1978, Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, appoints Shri G. V. Vartak, a temporary Purchase Assistant of this Directorate as an Assistant Purchase Officer on an *ad-hoc* basis for a further period upto December 31, 1978.

B. G. KULKARNI  
Assistant Personnel Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 27th November 1978

No. AMD/1/14/78-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Aftab Ahmed Kidwal as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of 1st November, 1978 until further orders.

No. AMD/1/14/78-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Nazir Ahmad Bhat as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of 1st November, 1978 until further orders.

S. Y. GOKHALE  
Sr. Administrative & Accounts Officer

CIVIL ENGINEERING GROUP

Kalpakkam-603 102, the 2nd November 1978

No. CEG/1(6)/78-Adm.—Chief Engineer (Civil), Civil Engineering Group, Department of Atomic Energy Projects, Kalpakkam, appoints S/shri K. Venkataramani and G. Channappa, temporary Supervisors (Civil) as Scientific Officers/Engineers Grade SB in a temporary capacity in the Civil Engineering Group, Kalpakkam with effect from the forenoon of August 1, 1978 until further orders.

V. S. VENKATESWARAN  
Administrative & Accounts Officer

Bengaluru-560 025, the 13th November 1978

No. 10/3(41)/74-CED(H).—The Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space is pleased to accept the resignation from service submitted by Shri L. N. Nevagi, Engineer-SB with effect from the afternoon of 7th July 1978.

P. I. U. NAMBIAR  
Administrative Officer-II

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 23rd November 1978

No. A. 32013/15/76-FC.—In continuation of this Department Notification No. A. 32013/9/77-EC dated 29th July, 1978, the President is pleased to appoint the following Assistant Technical Officers at present officiating as Technical Officers on *ad-hoc* basis to the grade of Technical Officer on

regular basis with effect from the 19-9-78 (F.N) and until further orders :—

S. No.	Name	Station of posting
S/Shri		
1. S. K. Sharma	.	Aeronautical Communication Station, Palam.
2. D. K. Sharma	.	Radio Const & Dev. Units, New Delhi.
3. D. P. Agnihotri	.	Civil Aviation Training Centre, Allahabad.
4. B. Ramakrishnan	.	Aeronautical Communication Station, Calcutta.
5. K. N. K. Poduval	.	Aeronautical Communication Station, Bombay.
6. A. K. Tikoo	.	Civil Aviation Training Centre, Allahabad.
7. D. B. Sud	.	Aeronautical Communication Station, Safdarjung Airport, New Delhi.

No. A. 32013/9/77-EC.—The President is pleased to appoint the following Assistant Technical Officers to the grade of Technical Officer on *ad-hoc* basis for a period of six months w.e.f. the date of taking over charge of the higher post or till the regular appointment to the grade are made, whichever is earlier w.e.f. the date indicated against each and to post them at the station indicated against each :—

S. No.	Name	Present stn of posting	Stn. to which posted	Date of to taking over charge
1	2	3	4	5
S/Shri				
1. B. N. Godbole	O/o the Regional Director, Bombay.	O/o the Regional Director, Bombay.	22-9-77 (FN)	
2. D.K. Sharma	O/o the Regional Director, Safdarjung Airport, New Delhi	O/o the Regional Director, Safdarjung Airport, New Delhi	11-10-78 (FN)	
3. M. K. Pal	Aeronautical Communication Station, Calcutta	Aeronautical Communication Station, Calcutta	28-9-77 (FN)	
4. P. J. Iyer	Aeronautical Communication Station, Calcutta	Aeronautical Communication Station, Calcutta	3-10-77 (FN)	

S. D. SHARMA  
Deputy Director of Adm.

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 23rd November 1978

No. 1/188/78-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri N. V. Padmanabhan, Permanent Superintendent, Headquarters Office, Bombay, as Assistant Administrative Officer, in an officiating capacity in the same office, with effect from the forenoon of the 1st September, 1978 and until further orders.

No. 1/9/78-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri P. V. Perumal, Tech. Assistant, Madras as Assistant Engineer in an officiating capacity in the same Branch with effect from 2nd May, 1978 and until further orders, purely on *ad-hoc* basis.

No. 1/4/78-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri D. D. Malhotra, Supervisor, New Delhi as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 7-11-1977 to 24-12-1977 (both days inclusive), against a short-term vacancy.

P. K. G. NAYAR  
Director (Admn.)  
for Director General

OFFICE OF THE COLLECTOR, CENTRAL EXCISE

Patna, the 16th November 1978

No. II(7)1-ET/77/11481.—Sri S. K. Mishra, officiating Assistant Collector of Central Excise & Customs Collectorate, Patna has retired from service on superannuation w.e.f. 30-9-78 (A.N.).

D. K. SARKAR  
Collector  
Central Excise, Patna

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 25th November 1978

No. A-32014/1/77-Adm. V(Vol. II).—On the recommendations of the D. P. C. (Group-B), Chairman, Central Water Commission, hereby appoints Shri A. G. Mazumdar, Supervisor, who is presently officiating as Extra Assistant Director/Assistant Engineer on *ad-hoc* basis, on a regular basis in the same grade in an officiating capacity, in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, with effect from the forenoon of 23rd November, 1977, until further orders.

2. Shri A. G. Mazumdar will be on probation in the post of Extra Assistant Director/Assistant Engineer for a period of two years with effect from 23-11-1977.

J. K. SAHA  
Under Secy.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS  
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)  
COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Shree Yogiraj Potteries Pvt. Ltd.*

Ahmedabad, the 21st November 1978

No. 1493/560/CP.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Shree Yogiraj Potteries Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Avkar Benefits Pvt. Ltd.*

Ahmedabad, the 21st November 1978

No. 1926/560/CP.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Avkar Benefits Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Shri Vasuki Pottery Works Pvt. Ltd.*

Ahmedabad, the 21st November 1978

No. 2267/560/CP.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Shri Vasuki Pottery Works Pvt. Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Akota Poultry Farm Pvt. Ltd.*

Ahmedabad, the 21st November 1978

No. 2419/560/CP.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Akota Poultry Farm Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

J. G. GATHA  
Registrar of Companies  
Gujarat

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Malav Wooden And Steel Industries Private Limited*

Gwalior, the 23rd November 1978

No. 1263/A/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Malav Wooden And Steel Industries Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Madhya Bharat Agro And Urban Development Company Private Limited*

Gwalior, the 23rd November 1978

No. 1143/A/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Madhya Bharat Agro And Urban Development Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. The Madhya Bharat Agriculture And Horticulture Company Private Limited*

Gwalior, the 23rd November 1978

No. 1142/A/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. The Madhya Bharat Agriculture And Horticulture Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. The Gwalior Food Growers And Cultivators Company Private Limited*

Gwalior, the 23rd November 1978

No. 1152/A/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. The Gwalior Food Growers And Cultivators Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. The Gwalior Land Development Company Private Ltd.*

Gwalior, the 23rd November 1978

No. 1144/A/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. The Gwalior Land Development Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Dholpur Food Growers Company Private Limited*

Gwalior, the 23rd November 1978

No. 1200/A/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Dholpur Food Growers Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Dholpur Land Development Company Private Limited*

Gwalior, the 23rd November 1978

No. 1195/A/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Dholpur Land Development Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

S. K. SAXENA  
Registrar of Companies  
Madhya Pradesh, Gwalior

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Gitanjali Press Private Limited*

Madras, the 25th November 1978

No. DN/841/560(3)/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560 ( ) of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Gitanjali Press Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

K. PANCHAPAKESAN  
Asst. Registrar of Companies  
Tamil Nadu, Madras

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Pondicherry United Financial and Trading Corporation  
Private Limited'*

Pondicherry-I, the 25th November 1978

No. 42/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Company 'Pondicherry United Financial and Trading Corporation Private Limited', unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. R. V. V. SATYANARAYANA  
Registrar of Companies, Pondicherry

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Kinathu Kadavu Transports Private Limited*

Madras-600 006, the 27th November 1978

No. DN/4518/560(5)/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560 ( ) of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Kinathu Kadavu Transports Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Vikramaditya Transport Company Private Limited*

Madras-600 006, the 27th November 1978

No. 4380/560(5)/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Vikramaditya Transport Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

C. ACHUTHAN  
Asst. Registrar of Companies  
Tamil Nadu

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 22nd November 1978

WEALTH-TAX/GIFT TAX

No. JUR-DLI/1/78-79/29903.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 8AA of Wealth-tax Act, 1957 and 7AA of Gift-tax Act, 1958, the Commissioner of Wealth-tax/Gift-tax Delhi-I, New Delhi hereby directs that all or any of the powers or functions conferred on or assigned to the Wealth-tax Officer/Gift-tax Officers Co. Circle XX, New Delhi in respect of any area or persons or classes of persons or income or classes of Income or cases or classes of cases shall be exercised or performed concurrently by the I.A.C. Range-I-E.

2. For the purpose of facilitating the performance of the functions Commissioner of Wealth-tax/Gift-tax, Delhi-I, New Delhi also authorises the Inspecting Assistant Commissioner of Wealth-tax/Gift-tax Range-I-E to pass such orders as contemplated in sub-section (2) of section 8AA of Wealth-tax Act/7AA of Gift-tax Act.

3. This notification shall take effect from 23-11-78.

K. N. BUTANI  
Commissioner of Income-tax, Delhi-I  
New Delhi

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
BOMBAY CITY-VII

Bombay-400 020, the 23rd November 1978

INCOME-TAX ESTABLISHMENT

No. 575.—Shri N. K. Bam, Tax Recovery Officer, D-II Ward, Bombay is hereby appointed substantively to the post of Income-tax Officer, Class-II (Group B) with effect from 1-8-1977.

KANWAL KRISHAN  
Commissioner of Income-tax  
Bombay City VII, Bombay

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 28th September 1978

Ref. No. Acq/1806-A/Meerut/77-78.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCIIEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 4-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Vishnu Kumar Gupta S/o Khushiram, R/o Dholaki, Sadar, Meerut Cantt, and Santosh Kumar S/o Hardwari Lal, R/o 28, Garh Road, Meerut and Shanti Prasad S/o Radhey Lal, R/o Dalampara, Meerut.

(Transferor)

(2) S/Shri Sahzad Rai S/o Kachchumal, Vinod Kumar S/o Sahzad Rai, R/o Kuncha Neel, and Smt. Krishna Goyal W/o Shanti Prasad, Kusum Goyal W/o Suresh Chand, Mithlesh Goyal W/o Vijendra Kumar, Usha Goyal W/o Naresh Kumar, R/o Dalampara, Meerut, and Pradip Kumar S/o Santosh Kumar, Rajeev Kumar S/o Sambhu Dayal, Smt. Neeru Gupta W/o Atul Kumar Gupta, R/o 28, Garh Road, Distt. Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of Land and Building known as Shree Mahalaxmi Khandsari Udyog, situated at Village Chhittavan, Bhagwanpur, Distt. Meerut, transferred for an apparent consideration of Rs. 1,00,000/-.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 28-9-78

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Ashok Sunderlal  
 Shri Ajit Sunderlal  
 Dr. Krishnalal Tribhovandas Gajjar  
 Shri Trbhuvaldas Amersey  
 C/o M/s. Khimchand Amerchand,  
 Stock Exchange Building,  
 5th Floor, Bombay.

(Transferor)

(2) S/Shri  
 (1) Girish Thakorlal Vakil  
 (2) Virendra Bhogilal Shah  
 (3) Damyanti Vasant Vakil  
 (4) Vijaya Narayan Gujarati  
 (5) Dharmistha Kishor Desai  
 (6) Priyabala Praful Gundarim  
 (7) Saroj Virendra Shah,  
 Partners of Rosevilla Corporation,  
 C/o Virendra B. Shah,  
 Chotalal Bhavan, 418, Kalbadevi Road,  
 Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

ALL those pieces or parcels of land or ground situate admeasuring about 94326 sq. mts. at Kala Tumba, Mouje Lonavla, post Khandala, Taluka Maval, Dist. Pune and in the registration sub-District of Maval together with the bungalows and outhouses standing thereon C.S. No. 163, 160, 160/1 to 160/4, 161, 156, 162, 155, 164, 166, 158, 157 and 159.

(Property as described in the sale deed registered under No. 414 dated 26-5-78 in the office of the Sub-Registrar, Bombay).

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Smt. P. LALWANI  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Pune

Date : 28-11-78

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 16th October 1978

Ref. No. Acq. F. No. 814.—Whereas, J. N. K. NAGARAJAN,  
being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
32-7-19 situated at Kakinada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Kakinada on 22-3-78

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

(1) 1. Smt. Adabala Mangayamma W/o Ramarao,  
2. Shri Ramrao S/o Linganna,  
Yellavari Street, Suryanarayananapuram,  
Kakinada,

(Transferees)

(2) Shri Pasala Venkataraju S/o Peda Venkataraju,  
Yellavari St., Suryanarayananapuram,  
Kakinada.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No.  
1175/78 and 1254/78 registered before the Sub-registrar,  
Kakinada during the fortnight ended on 30-3-78 and  
15-4-78

N. K. NAGARAJAN  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 16-10-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
DHARWAR-4

Dharwar-4, the 25th October 1978

Notice No. 241/78-79/Acq.—Whereas, I, D. C. RAJAGOPALAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S. 678, situated at Anagal Area, Belgaum City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, Belgaum, under Document No. 3083 on 4-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Smt. Prabha Gajanana Nagavekar,  
Represented by  
Shri Deepak Vishwanath Halhankar,  
R/o Mahim, Bombay.

(Transferor)

(2) (a) Shri Gundappa Shantappa Kathe,  
R/o Marketyard, Sangli.  
(b) Shri Baburao Gundappa Subedar,  
c/o M/s. Diamand Photo Frame Works,  
Anagal,  
R/o Tilakawadi, Belgaum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3083 Dated : 4-3-1978]

The property consists of open site which is situated at Anagal Area, bearing C.S. No. 678 out of which Plot Nos. 13 to 17 and 25 to 27 admeasuring area 15 gunthas 5 Anna.

D. C. RAJAGOPALAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Dharwar.

Date : 25-10-1978

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-1**

Bangalore-1, the 25th October 1978

C.R. No. 62/16346/78-79/ACQ/B.—Whereas I, D. C. RAJAGOPALAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 14, (Old No. 6), situated at Hayes Road, Bangalore-560025 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore Doc. No. 3241/77-78 on 9-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri A. Madhava Rao,  
S/o late Rao Saheb A. Vittal Rao,  
No. 48, Karmeswar Koil Street,  
Mylapore, Madras-4.

(Transferor)

(2) Smt. Hassen Parveen,  
W/o Sri Munavar Basha,  
Managing Partner,  
M/s. Kwality Monuments,  
Lakshipuram,  
Kuppam.

(Transferee)

(3) The Military Estate Officer,  
Karnataka Circle,  
Cubbon Road,  
Bangalore-560001.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

[Registered Document No. 3241/77-78 Dated 9-3-1978]

Property bearing New Ml. Corporation No. 14, (Old No. 6) Hayes Road, Bangalore-560025.

*Boundaries :*

North : Premises No. 15  
South : Premises No. 13,  
East : Hayes Road and  
West : Private Property.

**D. C. RAJAGOPALAN**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 25-10-1978

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-1

Bangalore-1, the 25th October 1978

C.R. No. 62/16357/78-79/Acq/B.—Whereas, I, D. C. RAJAGOPALAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

29 (Old No. 25), situated at Grant Road, Bangalore-560001 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore, Doc. No. 3274/7-78 on 15-3-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) (1) Miss Parveen Khaleel,  
D/o Mr. K. K. Shirazi,  
No 16, Ali Asker Road, Bangalore.  
(Transferor)

(2) (1) Mr. L. Em. Natarajan,  
S/o P. Em. L. Ramanathan  
(2) Mrs. N. Saroja alias Unnamaai,  
W/o Mr. L. Em. Natarajan  
(3) Master N. Sethuraman (Minor)  
Rep. by his father and natural guardian  
Shri L. Em. Natarajan  
All are residing at : No. 83, Coles Road,  
Frazer Town, Bangalore-560005.  
(Transferee)

(3) Mrs. M. B. Reid (Main tenant)  
*Sub-tenants :*  
(1) M/s. Shekar Associates  
(Clearing and forwarding agents)  
(2) M/s. Vikram Associates,  
Handling Contractors.  
(3) Mr. C. Viswanatha Iyer,  
Contractor.  
(4) M/s. Udani Engineering Co.  
(5) M/s. Kissan Motors  
(6) M/s. A. Hussain & Co.  
Tax Consultant & Auditor  
Rep. by A. Huseain  
(7) M/s. Power Devices  
(8) M/s. Cauvery Commercial Corporation  
(Commins)  
(9) M/s. Continental Engineering Contractors  
(10) M/s. Emmar Machine Tools  
(11) Shri M. Shivaram  
(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3274/77-78 Dated 15-3-78]  
Property bearing No. 29 (old No. 25), Grant Road, Bangalore-560001 (Division No. 60)

*Boundaries :*  
N : No. 24 (old) Grant Road  
S : Grant Road  
E : Common Road and  
W : Bangalore Brewery Premises

D. C. RAJAGOPALAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 25-10-78

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Mr. I. E. Ross s/o late Mr. C. M. Ross,  
No. 97, M. G. Road, Bangalore-560001.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-1

Bangalore, the 25th October 1978

(2) M/s. Natesan's Anti Quarts (Private) Ltd., Company having its regd. office at No. 2/1 Edward's Road, Bangalore and Rep. by Managing Director, Mr. D. Nateshan.

(Transferee)

\*(3) (1) M/s. Natesan Brothers Pvt. Ltd.  
(2) M/s. Cardbox Industries.  
(3) M/s. Anti Quarts.  
(4) Sri C. A. Gilford.  
(5) Sri Iyer.  
(6) M/s. Select Book Shop.  
(Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

C.R. No. 62/16997/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, D. C. RAJAGOPALAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

97 situated at M.G. Road, Bangalore-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore Doc. No 3353/77-78 on 31-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Registered Document No. 3353/77-78, dated 31-3-78

Property bearing Municipal Corporation No. 97, M. G. Road, Bangalore, Division No. 60.

## Boundaries :

North : Property of Mr. Chatty.  
South : Property of Mr. M. C. Ross.  
East : Property of Housing G.E.C. Ltd and  
West : Property of Mr. M. C. Ross and common passage.

D. C. RAJAGOPALAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 25-10-78

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR  
NAGPUR

Nagpur, the 9th October 1978

Ref. No. IAC/ACQ/79/78-79.—Whereas I, P. B. CHARLES, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 187 (New) Constructed on plot No. 229, Ward No. 70, Dharampeth Extension, Nagpur, situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nagpur on 2-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) 1. Shri Omprakash Shankarlal Rathi,  
2. Smt. Jamnadevi Omprakash Rathi,  
Both R/o Subhash Road, Cotton Market,  
Nagpur.

(Transferor)

(2) 1. Shri Udhaoes Jamnadas Mohta,  
2. Shri Kisandas Jamnadas Mohta,  
Both R/o Ramdaspath, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House No. 759(9) (Old) & 187 (new) constructed on Plot No. 229, Ward No. 70, Dharampeth Extension Western Precint, Nagpur.

B. P. CHARLES  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Nagpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

19—376GI/78

Date : 9-10-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

## OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR  
NAGPUR

Nagpur, the 9th October 1978

Ref. No. IAC/ACQ/80/78-79.—Whereas, I, P. B. CHARLES,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part Portion of House Municipal No. 3-1-6, At, Nanded, in front of Collector's Office, At. Nanded, situated at Nanded

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nanded on 30-3-1978

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) 1. Smt. Chandadevi w/o Radhakisan Malpani, At. Nanded.

(Transferor)

(2) Dr. Deorao Raosaheb Deshmukh, Ambegaonkar, At Nanded.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXI of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Part Portion of House Municipal No. 3-1-6, at Nanded, in front of Collector's Office, Nanded.

P. B. CHARLES  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Nagpur

Date : 9-10-1978  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR  
NAGPUR

Nagpur, the 17th October 1978

Ref. No. iAC/ACQ/83/78-79.—Whereas I, P. B. CHARLES, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

An old structure on Plot Nos. 6 & 8, situated in Ward No. 60, situated at Bhairamji Town, Nagpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nagpur on 6-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Sushila B. Bhairamji,  
7, Bhairamji Town,  
Nagpur.

(Transferor)

(2) Nagpur Mahavidyalaya Staff Co-op. Housing Society Ltd.,  
through Secretary Shri S. A. Ansari,  
r/o Starkey Town,  
Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land & Building in Plot No. 6 & 8 of Nazul Khasra No. 34-A, Sheet in 34-B, situated in Bhairamji Town, Nagpur.

P. B. CHARLES  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Nagpur

Date : 17-10-1978

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Phool Chand Batra s/o  
Shri Nihal Chand,  
R/o E-75, Greater Kailash-2,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. B. K. Steel Industries,  
B-160-161-162, Nehru Park,  
New Township, Faridabad.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 26th October 1978

Ref. No. BGR/38/77-78.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop plots No. 5, 6, 7, and 8 (B-type) Nehru ground, situated at NIT, Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in March, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Vacant plots No. 5, 6, 7 and 8 (B-type) situated in Nehru Ground, N.I.T. Faridabad.

(Property as mentioned in the sale deed registered at serial No. 5395 dated 2-3-78 with the Sub-Registrar, Ballabgarh).

RAVINDER KUMAR PATHANIA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 26-10-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Gurdip Singh s/o Shri Mangal Singh, village and post office, Jhabal Kalan, District Amritsar.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 27th September 1978

Ref. No. ASR/78-79/59.—Whereas, I N. P. SAHNI, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural Land situated at Jhabal Kalan, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jhabal Kalan in July 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) Shri Hardial Singh s/o Shri Dalip Singh, Smt. Harjinder Kaur w/o Shri Hardial Singh, village and post office, Jhabal Kalan, District Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 48K-18M situated in village Jhabal Kalan as mentioned in the Registered Deed No. 532 of July 1978 of Registering Authority, Jhabal Kalan, Distt. Amritsar.

N. P. SAHNI, IRS  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-9-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 27th September 1978

Ref. No. ASR/78-79/58.—Whereas, I N. P. SAHNI, IRS, being the Competent Authority Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land, situated at G. T. Road, Jandiala Guru, Amritsar, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar Tehsil in March 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Raja Industries, Jandiala Guru through Shri Behari Lal Khanna s/o Shri Hari Chand Khanna, resident of 77, Kennedy Avenue, Amritsar.

(Transferor)

(2) M/s New Bharat Shuttle Co. through Shri Gian Singh Partner Jandiala Guru, Tehsil and District Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 6K-14M being 1/2 of 13K-8M situated at G.T. Road, Jandiala Guru Distt. Amritsar as mentioned in Registered Deed No. 5495 of March 1978, of Registering Authority, Amritsar Tehsil.

N. P. SAHNI, IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 27-9-1978  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 27th September 1978

Ref. No. ASR/78-79/60.—Whereas, I N. P. SAHNI, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop Nos. 1882 & 2026/48138/4, Guru Bazar, Amritsar, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City in March 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s Avtar Singh, Manjit Singh through Shri Gian Singh, Sohan Singh, Dyal Singh Avtar Singh ss/o Shri Gian Singh, Guru Bazar, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shrimati Mehma Devi w/o Shri Madan Lal, Guru Ka Mahal Bazar, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop Nos. 1882 and 2026/4 & 138/4, Guru Bazar, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 58 of March 1978 of Registering Authority, Amritsar City.

N. P. SAHNI, IRS  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 27-9-1978  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) Improvement Trust, Amritsar.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 18th November 1978

Ref. No. ASR/78-79/79.—Whereas, I G. L. GAROO, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Plot No. 347, Green Avenue, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City in April 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object to:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(2) Shri Avtar Singh s/o Shri Amar Singh, Gali Wadhan Wali, Chowk Pragdass, through POA Shri Nirmal Singh c/o Zenith Saree House 2402/3, Hardhyam Singh Road, Karol Bagh, New Delhi.  
(Transferee)

(3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot of land No. 347, Green Avenue, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 248 of April 1978 of Registering Authority, Amritsar City.

G. L. GAROO, IRS  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 18-11-1978  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 23rd November 1978

Ref. No. ASR/78-79/84.—Whereas, I G. L. GAROO, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 326, 327, 328 & 329 situated at Queens Road, at Amritsar City in April 1978, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City in April 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Ashok Kumar Mehra s/o Shri Janki Dass Mehra, Bombay through Smt. Raj Kumari Mehra wd/o Shri Janki Dass Mehra, Queens Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shrimati Shashi Seth w/o Shri Satish Chand, Gali No. 3, 45 Model Town, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House property No. 326, 327, 328 and 329 situated at Queens Road, Amritsar as mentioned vide Registered Deed No. 310 of April 1978 of Registering Authority, Amritsar City.

G. L. GAROO, IRS  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 23-11-1978  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—  
20—376GI/78

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th November 1978

Ref. No. ASR/78-79/85.—Whereas, I G. L. GAROO, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House property No. 1676/III-25 and 1675/III-25, situated at Old Mkt. Lakkar Mandi Kt. Jallian Wala, Amritsar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City in April 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Chander Kanta w/o Shri Goverdhan Dass Aggarwal, Dayanand Nagar, Amritsar.  
(Transferor)

(2) Shri Satya Narain s/o Shri Lal Chand and Smt. Vimla Devi w/o Shri Satya Narain resident of Krishna Market, Katra Ahluwalia, Amritsar.  
(Transferee)

(3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property House No. 1676/III-25 and 1675/III-25 Old Lakkar Mandi, Katra Jallian, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 163 of April 1978 of Registering Authority, Amritsar City.

G. L. GAROO, IRS  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 30-11-1978  
Seal :

## FORM IIINS

(1) Shri Mewa Singh s/o Shri Bhagwan Singh,  
r/o Village Kohara, Tehsil Ludhiana.  
(Transferor)

(2) Shri Darshan Kumar Oswal s/o Shri Rattan Chand  
Oswal, r/o 534-B-XIX, College Road, Civil Lines,  
Ludhiana.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 23rd October 1978

Ref. No. LDH/163/77-78.—Whereas I, NATHU RAM,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition  
Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs.  
25,000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 14 kanal 11 marlas situated in  
Village Hiran, Tehsil Ludhiana.

(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at  
Ludhiana in March 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reasons to  
believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 14 kanal 11 marlas situated  
in village Hiran, Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed  
No. 6707 of March 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 23-10-1978  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Ajit Singh s/o Shri Bhagwan Singh, r/o Village Kohara, Tehsil Ludhiana.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Darshan Kumar s/o Shri Rattan Chand Oswal, r/o 534, B-XIX, College Road, Civil Lines, Ludhiana.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 23rd October 1978

Ref. No. LDH/164/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land measuring 14 kanal 11 marlas situated in Village Hiran, Tehsil Ludhiana. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 14 kanal 11 marlas situated in Village Hiran, Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 6708 of March 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-10-1978

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Mewa Singh s/o Shri Bhagwan Singh, r/o Village Kohara, Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Darshan Kumar Oswal s/o Shri Rattan Chand r/o 534, B-XIX, College Road, Civil Line, Ludhiana.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 23rd October 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. LDH/162/77-78—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 14 kanal 11 māras situated in Village Hiran, Tehsil Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 14 kanal 11 māras situated in Village Hiran, Tehsil Ludhiana

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 6706 of March 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NATHU RAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-10-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 23rd October 1978

Ref. No. LDH/172/77-78.—Whereas I, NATHU RAM Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 20 kanal 11 marlas situated in village Hiran, Tehsil Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Kaka Singh and Labh Singh sons of Shri Sham Singh, r/o Rarewala Khewatdar, Hiran, Tehsil Ludhiana.  
(Transferor)

(2) S/Shri Darshan Kumar Oswal and Siripal Oswal, sons of Shri Rattan Chand, r/o 534, B-XIX, College Road, Civil Lines, Ludhiana.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 20 kanal 11 marlas situated in Village Hiran Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 6756 of March 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 23-10-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Nasib Singh and Shri Mewa Singh sons of Shri Sham Singh, r/o Village Hiran, Tehsil Ludhiana.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 23rd October 1978

Ref. No. LDH/173/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 20 kanal 11 marlas situated in Village Hiran, Tehsil Ludhiana. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) S/Shri Jawahar Lal Oswal and Jangi Lal Oswal sons of Shri Vidya Sagar, r/o 396/1 B-XIX, Ghumar Mandi, Civil Lines, Ludhiana.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Agricultural land measuring 20 kanal 11 marlas situated in Village Hiran, Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 6757 of March 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NATHU RAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 23-10-1978

Seal :

## FORM ITNS —————

(1) Shri Nachhattar Singh s/o Shri Santa Singh, r/o Village Mann Garh, Tehsil Ludhiana.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Jangi Lal Oswal s/o Shri Vidya Sagar Oswal, r/o 396/1, B-XIX, Ghumar Mandi, Ludhiana.  
(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 23rd October 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. LDH/157/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 24 kanal situated in Village Hiran, Tehsil Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 24 kanal situated in village Hiran, Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 6660 of March 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-10-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Satinder Pal s/o Shri Bansi Ram, r/o 1121, B-I, Vlshnupuri, Ludhiana.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jawahar Lal Oswal s/o Shri Vidya Sagar Oswal, r/o 396, B-XIX, Ghumar Mandi Road, Civil Lines, Ludhiana.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 23rd October 1978

Ref. No. IDH/166/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land measuring 17 kanal 2 marlas situated in Village Hiran, Tehsil Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

21-376GI/77

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 17 kanal 2 marlas situated in village Hiran, Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 6710 of March 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 23-10-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 23rd October 1978

Ref. No. DHR/33/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 78 bighas 10 biswas situated at Village Kajhli Tehsil Dhuri. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dhuri in March 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Sant Singh s/o Shri Joga Singh, Mukhtiar Punjab Kaur wd/o Shri Harnam, r/o Village Kajhli, Teh. Dhuri.

(Transferor)

(2) Shri Gurdev Singh, Ranjit Singh sons of Shri Teja Singh, Shri Gurnam Singh, Sat Pal Singh sons of Shri Mohinder Singh, r/o Village Jonpur, Dist. Sangrur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 78 bighas 10 biswas situated at Village Kajhli Tehsil Dhuri, Distt. Sangrur.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1 of 31-3-1978 of the Registering Officer, Dhuri).

NATHU RAM  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Date : 23-10-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Brij Bihari Sharma s/o Shri Hari Krishan, Jawahar Nagar, Mandi (H.P.).  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 23rd October 1978

Ref. No. MND/1/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House property situated on Joginder Road, Khaliar, Mandi (adjoining to Income-tax Office, Mandi). (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mandi in February 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Brij Bihari Kapoor s/o Shri Ganesh Kapoor, Jawahar Nagar (Khiliar) Mandi (H.P.).  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property situated on Joginder Road, Khaliar, Mandi, H.P. (Adjoining to the Income-tax Office, Mandi).

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 135 of February 1978 of the Registering Officer, Mandi).

NATHU RAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-10-1978  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 23rd October 1978

Ref. No. SOL/2/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion of Building situated on Palace and situated as Ser. Solan, Distt. Solan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Solan in April 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Ishwari Singh s/o Shri Gopal Singh, r/o Palace Road, Solan.

(Transferor)

(2) Shri Munna Lal Bansal s/o Shri Shanti Narain, Superintending Engineer, P.W.D., Solan.

(Transferee)

(3) Shri Munna Lal Bansal s/o Shri Shanti Narain, Superintending Engineer, PWD, Solan.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property situated on Palace Land in Ser, Solan.  
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 94 of April 1978 of the Registering Officer, Solan).

NATHU RAM  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 23-10-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

## FORM ITNS

(1) S/Shri Kapoor Singh and Shamsher Singh sons of  
Shri Sunder Singh, r/o Palace Road, Solan.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 23rd October 1978

Ref. No. SOL/3/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House property situated in Ser. Solan on Palace Road, Solan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Solan in April 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Munna Lal Bansal, s/o Shri Shanti Narain, Superintending Engineer, PWD, Solan.  
(Transferee)

(3) Shri Munna Lal Bansal s/o Shanti Narain Supdt. Engineer, PWD, Solan.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

House property situated in Ser Solan (Palace Road).  
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 95 of April 1978 of the Registering Officer, Solan).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NATHU RAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-10-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Hari Singh s/o Shri Amar Singh, r/o Palace Road, Solan.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Munna Lal Bansal, s/o Shri Shanti Narain, Superintending Engineer, H.P., PWD, Solan,  
(Transferee)

(3) Shri Munna Lal Bansal s/o Shri Shanti Narain, Superintending Engineer, PWD, Solan,  
(Person in occupation of the property)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 23rd October 1978

Ref. No. SOL/4/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House property situated in Ser, Solan (Palace Road), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Solan in April 1978, for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

House property situated in Ser, Solan.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 96 of April 1978 of the Registering Officer, Solan).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NATHU RAM  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 23-10-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Satyinder Singh s/o Shri Devi Singh, r/o of Palace Road, Solan.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Munna Lall Bansal s/o Shri Shanti Narain, Superintending Engineer, PWD, Solan.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

(3) Shri Munna Lall Bansal s/o Shri Shanti Narain, Superintending Engineer, PWD, Solan.

(Person in occupation of the property)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ludhiana, the 23rd October 1978

Ref. No. SOL/5/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House property situated in Ser, Solan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Solan in April 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House property situated in Ser, Solan.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 97 of April 1978 of the Registering Officer, Solan).

NATHU RAM  
Competent Authority.  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 23-10-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Varinder Singh and Haminder Singh sons of  
Shri Shiv Singh, Palace Road, Solan.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 23rd October 1978

Ref. No. SOL/6/78-79.—Whereas I, NATHU RAM  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition  
Range, Ludhiana,  
being the Competent Authority under Section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that  
the immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.  
House property situated in Ser, Solan (Palace Road),  
situated at Solan,  
(and more fully described in the Schedule  
annexed hereto), has been transferred  
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the  
office of the Registering Officer at  
Solan in April 1978,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reasons to  
believe that the fair market value of property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(2) Shri Munna Lall Bansal s/o Shri Shanti Narain  
Superintending Engineer, H.P. P.W.D., Solan.

(Transferor)

(3) Shri Munna Lall Bansal s/o Shri Shanti Narain,  
Superintending Engineer, H.P. P.W.D., Solan.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property situated in Ser, Solan, Palace Road, Solan.  
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 98  
of April 1978 of the Registering Officer, Solan).

NATHU RAM  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 23-10-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Joseph Antony, Thazhathedath Thelliyl Muttam-palam, Kottayam.  
(Transferor)

(2) Thomas Abraham and others, Vazhayil Purackal, Vellyanad.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ANJIPARAMBIL BUILDINGS,  
ANAND BAZAR, COCHIN-682016,

Cochin-682016, the 9th October 1978

Ref. L.C. 245/78-79.—Whereas, I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy No.

No. as per scheduled situated at Vijayapuram Village has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kottayam (additional) on 15-3-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

45.323 cents of land with buildings in Vijayapuram village Survey No. 12/5A/1.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. MOHANLAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

22—376GI/77

Date : 9-10-1978

Seal

## FORM ITNS

(1) Shri M. Kuriako.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri T. Shamsuddin.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ANJIPARAMBIL BUILDINGS,  
ANAND BAZAR, COCHIN-682016,

Cochin-682016, the 21st October 1978

Ref. L.C. 246/78-79.—Whereas, I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Chavaghat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Kottappadi on 18-3-1978,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

10 cents of land with buildings vide schedule to doc. No. 291/78 of S.R.O. Kottappady.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. MOHANLAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

Date : 21-10-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) (1) Sri Joy.  
(2) Smt. Omana.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shamsuddin.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, ANJIPARAMBIL BUILDINGS,  
ANAND BAZAR, COCHIN-682016,

Cochin-682016, the 21st October 1978

Ref. I.C. 247/78-79.—Whereas, I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Chavaghat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kottappady on 14-3-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property; within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

25½ cents of land vide document No. 281/78 of S.R.O. Kottappady.

V. MOHANLAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 21-10-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Smt. Pushpam and 4 others.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, ANJIPARAMBIL BUILDINGS,  
ANAND BAZAR, COCHIN-682016,  
Cochin-682016, the 23rd September 1978

Ref. L.C. 249/78-79.—Whereas, I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Palayur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Kottappady on 4-3-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

2.36 acres of agricultural land vide document No. 287/78 of S.R.O. Kottappady.

V. MOHANLAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 23-10-1978

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri K. Jagannatha Naidu and 5 others,  
No. 4, Appah Gardens Road,  
Kilpauk, Madras-10.  
(Transferor)

(2) Shri G. S. Doraiswamy Mdr and 2 others,  
87-A, Ramaswami Street,  
Mannady, Madras-1.  
(Transferees)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 13th October 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 19/March/78.—Whereas, I. O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4 situated at Appa Gardens Road, Kilpauk, Madras-10, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet, Madras (Document No. 193/78) on 17 March 1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and Buildings at No. 4, Appa Gardens Road, Kilpauk, Madras-10, measuring 6 grounds and 215 sft.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely :—

Date : 13 October 1978  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6**

Madras, the 24th October 1978

Ref. No. 8129.—Whereas, I, T. V. G. KRISHNAMURTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Virugalpatty Village of Udumalpet Taluk,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Gomangalam (Doc. No. 123/78) on March 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri M. Khader Mohideen,  
27, New Majid St., Dharapuram.

(2) Shri Vijayammal,  
Virugalpattypudur.

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Agricultural lands at Virugalpattypudur Village 11.01 acres (Doc. No. 123/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 24-10-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. M. Vijayamma, W/o. K. Vasudevan Pillai, No. 1, Baghirathi Road, Srinivasa Avenue, Madras-28.

(Transferor)

(2) Mrs. Jaya Balasurya, W/o. E. W. Balasurya, 9, Crescent Avenue, Kesavaperumalpuram, Madras-28.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras, the 24th October 1978

Ref. No. 6126.—Whereas, I, T. V. G. KRISHNAMURTHY, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 21, situated at Subbiah Avenue, Bishop Garden Layout, Madras-28, hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) on the office of the Registering Officer at at Mylapore Madras (Doc. No. 285/78) on March 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House and Ground No. 21, Subbiah Avenue, Bishop Garden Layout, Madras-28.  
(Doc. No. 285/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 24-10-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001  
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 21st October 1978

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/361/March-41/78-79/3568.—  
 Whereas, I, J. S. GILL,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
 No. A-28, situated at Kailash Colony, New Delhi,  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1978,  
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Dr. H. S. Kanwar s/o Shri R. R. Singh
- (2) Kanwar Shakat Singh s/o Dr. H. S. Kanwar R/o. 5, Bridge Street, Penshurst, N.S.W. 2222, Australia, through their G.A.K. Kanwar Vijay Singh R/o D-21, Panchsheel Enclave,
- (3) Kanwar Partap Singh 18/2, Dr. Omar Sjiriff Road, Basavar Guddi, Bangalore, through G.A. Kanwar Vijay Singh,
- (4) Kanwar Vijay Singh, R/o D-21, Panchsheel Enclave, New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s. Amrit Estate Private Limited, A-3, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One and a half bungalow built on a free-hold plot of land bearing No. 28, Block No. 'A' measuring 1156.25 sq. yds. in the residential colony known as Kailash Colony, Village Zamuradpur, in the Union Territory of Delhi and bounded as under :—

East : Property No. A-29.  
 West : Road.  
 North : Road.  
 South : Road.

J. S. GILL,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-I,  
 Delhi/New Delhi

Date : 21-10-1978

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III  
4/14A, ASAFT ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 23rd November 1978

Ref. No. IAC/Acq-III/11-78/316.—Whereas, I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5, situated at Rajindra Park, New Delhi, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 23-3-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

23-376 GI/78

- (1) (1) Col. S. K. Khosla S/o late Shri Gurur Ditta Mal Khosla and
- (2) Shri R. K. Khosla S/o, late Shri Gurur Ditta Mal Khosla through his lawful general attorney Smt. Harshi Khosla W/o Col. S. K. Khosla both R/o No. 3, Pollo Road, Delhi Cantt. (Transferor)
- (2) (1) Shri Raman Kalsi
- (2) Shri Ashok Kalsi
- (3) Shri Pawan Kalsi and
- (4) Shri Arun Kalsi S/o Shri Mohan Lal Kalsi, R/o 5, Rajindra Park, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A 2½ storeyed building bearing No. 5, Rajindra Park, New Delhi, measuring 375 sq. yds. bounded as under :—  
North : Service Lane.  
South : Road.  
East : Built up plot No. 4 of others.  
West : Built up plot No. 6.

D. P. GOYAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
Delhi/New Delhi

Date : 23-11-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 27th November 1978

Ref. No. IAC/Acq-III/11-78/319.—Whereas, I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 131/1, Block No. 1-B situated at Basti Rehgar Pura, Dev Nagar, Karol Bagh, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 20-3-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri Ram Parsad and Narender Kumar s/o Shri Bansi Lal R/o 6533/9, Dev Nagar Karol Bagh New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Phool Chand S/o Lala Badri Parshad and Babu Rajendra Kumar S/o Shri Lala Phool Chand R/o. Mohalla Shri Mahavirganj, Farukhabad (U.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

Three storey built property No. 6112 and 6113 Basti Rehgar Pura Plot No. 131/1 Block No. 1-B, Ward No. XVI Karol Bagh, New Delhi, measuring 100 sq. yds. is bounded as under:—

East : Building on plot No. 132.

West : Road.

North : Gali.

South : Gali.

D. P. GOYAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 27-11-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Brijinder Singh Duggal and Shri Raminder Singh Duggal S/o (Late) Shri Uttam Singh Duggal, R/o 3 Golf Links, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Inter-craft Limited, A-16 Naraina Industrial Area, New Delhi, through Shri Rahul Mehta S/o Shri S. N. Mehta, its Managing Director and Principal Officer.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 30th November 1978

Ref. No. J.A.C. Acq.-1/S.R.III/471/May-37/77-78.—  
Whereas, I, ANJANI OZA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 10/3 situated at Golf Link, New Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 16-5-1978,  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid  
property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A 2½ storeyed building bearing No. 10/3 situated at Golf Link, New Delhi built over a lease hold residential plot measuring 2471.5 sq. yards.

ANJANI OZA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Delhi/New Delhi

Date : 30-11-1978

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II  
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 30th November 1978

Ref. No. IAC/Acq.II/March-48/3680/78-79/4348.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding **Rs. 25,000/-** and bearing

No. 38, situated at Najafgarh Road, Industrial Area, Rama Road, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 17-3-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Parshotam Lal Mehta s/o Late Shri Gian Chand Mehta, r/o 54, Malcha Marg, Chanakya Puri, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Tek Chand and Sons, through its partners S/Shri Tek Chand, Ram Phal, Ram Niwas and Bapu Ram, r/o 2-C, Shivaji Park, New Delhi.

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Portion of Plot No. 38 measuring 2501 sq. yds. in area or thereabouts together with the Factory Building constructed upon it, situated at Rama Road, Najafgarh Industrial Area, New Delhi and bounded as under :—

East : Plot No. 39.  
West : Vendors Property.  
North : Plot No. 27.  
South : Rama Road.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 30-11-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Harish Chander and Ramesh Chander ss/o.  
Shri Mangal Sain Tondon, R/o. B-9, Gujrawalan  
Toan, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sardar Sukhbir Singh and Sardar Attar Singh,  
ss/o. Sardar Sukhbir Singh, R/o. E-16, Model Town,  
Delhi.

(Transferee)

(3) M/s. Ahuja & Co., Shri Satbir Singh Col. I.S. Bajaj  
& M/s. Bhai Jee Attar Wale.  
(Person(s) in occupation of the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 30th November 1978

Ref. No. IAC/Acq. II/March-78/3687/78-79/4348.—  
R. B. L. AGGARWAL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. H-4/6 situated at Model Town, Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Delhi on 21st March, 1978,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reasons to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
monies or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold plot of land measuring 320 sq. yds. bearing  
No. 6, Block No. H-4, situated at Model Town, within the  
limits of Delhi Municipal Corporation, Delhi and bounded  
as under:—

East : Road.

West : Service Lane.

North : Building on Plot No. H-4/7.

South : Building on Plot No. H-4/5.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 30-11-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,  
namely:—

**FORM ITNS**

(1) Shri Parkash Chand Jain as karta of HUF & Vir Anil Jain, S/o. Shri Seth Parmanand Jain, R/o. 47, Bunglow Road, Kamla Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Balwant Rai Gupta, S/o. Shri Jagan Nath Gupta, R/o. 81-A, Kamla Nagar, Delhi.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II  
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—**

New Delhi, the 30th November 1978

Ref. No. IAC/Acq.II/March-71/3693/78-79.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Bunglow No. 47, situated at Bunglow Road, Kamala Nagar, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 21-3-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

1/4th of Bunglow No. 47 measuring 320.34 sq. mts. situated at Bunglow Road, Kamla Nagar, Delhi and bounded as under:—

East : Back Bunglow Lane.  
West : Main Bunglow Road.  
North : Bunglow No. 46.  
South : Rest of the Main Bungalow.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 30-11-1978  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Smt. Kamla Devi W/o. Shri Shiv Dayal, W/o. Shri Chander Bhan, R/o. D-11/18, Model Town, Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Sylvester Henry Scott, S/o. Shri Henry George Scott and Smt. Pearl Scott W/o. Shri Sylvester Henry Scott, R/o. F-3/6, Model Town, Delhi. (Transferee)
- (3) Shri Kirori Mal, Suresh Chand Jain and Amool Chand. (Person(s) in occupation of the property).

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 30th November 1978

Ref. No. IAC/Acq.II/March-94/3715/78-79.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D-11/18 situated at Model Town, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on 29-3-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Free-hold Plot measuring 294.73 sq. yds. bearing No. 18, Block No. D-11, situated at Model Town, Delhi and bounded as under :—

East : Road.  
West : Building built on Plot No. D-10/18.  
North : Road.  
South : Building built on Plot No. D-11/17.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 30-11-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Roop Chand Mahajan s/o. Shri Brij Lal Mahajan r/o. A-30, Kirti Nagar, New Delhi.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Raghbir Chand Mahajan s/o. Shri Brij Lal Mahajan r/o. A-60, Kirti Nagar, New Delhi.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 30th November 1978

Ref. No. IAC/Acq.II/March-103/3721/78-79.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A-60, situated at Kirti Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March, 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Free-hold plot of land measuring 200 sq. yds. bearing No. A-60, situated at Kirti Nagar, New Delhi and bounded as under :—

East : Plot No. A-60A.  
West : Plot No. A-59.  
North : Road and Park.  
South : Service Road.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 30-11-1978  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 30th November 1978

Ref. No. IAC/Acq.II/March-106/3721/78-79.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. ½ share of 2824, situated at Gali Chahalpuri, Kinari Bazar, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March, 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

24-376 GI/78

(1) Shri Raghbir Sahai Mathur S/o Late Shri Hanumat Sahai Mathur R/o. C-15, Gulmohar Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Hans Raj S/o Chand Mal Monka, R/o. 419, Raveli Haider Kuli Khan Bazar, Chandni Chowk, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

½ share of property No. Old No. 1267 and New No. 2824 Ward No. 4 measuring about 267 sq. yds. situated in Gali Chahalpuri, Kinari Bazar, Chandni Chowk, Delhi bounded as under :—

East : Property No. 2624.

West : House No. 2825.

North : House No. 2823.

South : Property No. 2825.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 30-11-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Raghbir Sahai Mathur S/o. Late Shri Hanumat Sahai Mathur R/o. Kothi No. E-20, University Resident Kurukshetra (Haryana), Now : C-15, Gulmohar Market, New Delhi.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Mohan Singh Sharma S/o. Shri Shiv Ram R/o. 311, Panyan Teliwara Delhi.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II  
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 30th November 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq.II/March-105/3723/78-79.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3 (South) share of 2824/4, situated at Gali Chahalpuri, Kinari Bazar, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 31-3-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

<sup>2</sup> (Southern portion) of property No. Old No. 1267 and New No. 2824 measuring 267 sq. yds. Block No. 4, Gali Chahalpuri, Kinari Bazar, Chandni Chowk Delhi bounded as under :—

East : Property No. 2624.

West : Gali Chahalpuri and portion of H. No. 2825.

North : H. No. 2823.

South : H. No. 2825.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 30-11-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

FORM ITNS

(1) M/s. Vishwa Estates Private Ltd., B-6, Asaf Ali Road  
New Delhi-110002.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 30th November 1978

Ref. No. IAC/Acq.II/March-80/3704/78-79.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 7-F, situated at Vishwa Apartment, 3, Shankracharya Marg, Civil Lines Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi 24th March 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Smt. Raj Arora, Shri Krishan Dev Singh, Shri Ratan Anmol Singh, 7-F, Vishwa Apartment 3-Shankracharya Marg, Civil Lines, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

First Floor Flat of Block No. 7 in Group Housing Scheme known as Vishwa Apartments situated at 3 Metcalf Road, now known as 3-Shankaracharya Marg, Civil Lines Delhi bounded as under :—

East : Block No. 8.

West : Open Area.

South : Other banglow occupied by Spencer's.

North : 30 feet wide Road.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 30-11-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 30th November 1978

Ref. No. IAC/Acq-II/March-58/3688/78-79.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 24, situated at Daryaganj New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 30-7-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Pearey Mohan Sharma S/o Shri Shiv Mohan Sharma,  
(2) Shri Amitesh Sharma S/o. Shri Pearey Mohan Sharma and  
(3) Smt. Sarla Sharma W/o. Pearey Mohan Sharma all R/o. 24/18, Daryaganj, New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s. EMCA Construction Co. through its proprietor Shri M. P. Gupta S/o. Radhakrishan Gupta, R/o. 16/F-3, Daryaganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A free hold piece of land measuring about 285.5 sq. yds. bearing Plot No. 24, Khasra No. 51 situated at No. 24, Daryaganj, New Delhi which is shown in blue in the plan attached and bounded as under :—

East : Ansari Road.  
West : Property of Shri Nem Chand Jain.  
North : Boundary Wall of Plot No. 23 of Shri Manmohan Sharma.  
South : Ansari Road.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 30-11-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 30th November 1978

Ref. No. IAC/Acq-II/March-107/78-79.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7/9 situated at Ansari Road Darya Ganj, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 31-3-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Ram Bihari Mathur,  
(2) Shri Banke Behari Lal Mathur,  
(3) Shri Bipin Behari Lal Mathur, s/o. Late Shri Kishan Chand, R/o. 7/9, Darya Ganj, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) (1) Shri Arun Kumar Jain, Anil Kumar Jain s/o. Shri Parkash Chand Jain  
R/o. 4378/4, Ansari Road Gali Murari Lal, Darya Ganj.  
(Transferee)
- (3) Shri Dhan Pal Singh Jain,  
(4) Shri Riksh Pal Jain, s/o. Shri Jagan Lal Jain, r/o. H. No. 995/178 E-8, Gali No. 2, Kailash Nagar, Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Kothi No. 7/9 measuring 527.78 sq. yds. situated at Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi and bounded as under :—

East : Others property.  
West : 20 feet wide Road.  
North : 20 feet wide Road.  
South : Building of S/Shri Dayal Chand and others.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 30-11-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II  
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 30th November 1978

Ref. No. JAC/Acq.II/March-36/3671/78-79.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-1/16 situated at East Patel Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 15th March, 1978, consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Narinder Nath Mohan, S/o. Late Shri Mehta Amar Nath Mohan, R/o. E-1/16, Patel Road, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri Man Mohan Singh Bedi, s/o. Late Shri Dr. Jawahar Singh, r/o. 30/15, East Patel Nagar, New Delhi.  
(Transferee)
- (3) Shri M. M. S. Karke, S. R. Nair, Dr. R. L. Krie, Surinder.  
(Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Kothi No. E-1/16 measuring 800 sq. yds. situated at East Patel Nagar, New Delhi and bounded as under :—

East : 60 feet wide Street.  
West : Bungalow No. E-1/15.  
North : 30 feet wide Street.  
South : Main Patel Road.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 30-11-1978

Seal :

## FORM ITNS —————

(1) Shri Choudhry Raj Singh, s/o. Ch. Bodhu Mal, r/o. E-52, Satyawati Colony, Ashok Vihar-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Charanjit Sikri, s/o. Shri Munshi Ram Sikri, r/o. 49, Old Gupta Colony, Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 30th November 1978

Ref. No. IAC/Acq.II/March-3/3651/78-79.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 139, situated at Old Gupta Colony, Vijay Nagar, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 3-3-1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 139 measuring 240 sq. yds. situated at Old Gupta Colony, Vijay Nagar (Kingsway Camp), Delhi and bounded as under :—

East : Gali.  
West : Gali.  
North : House on Plot No. 140.  
South : House on Plot No. 138.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 30-11-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri Pritimoy Bhattacharjee.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (1) Sri Pranab Kumar Banerjee.  
 (2) Sri Dhirendra Narayan Majumder.  
 (3) Sri Pijush Kanti Das Purkayastha.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV CALCUTTA

Calcutta, the 16th October 1978

Ref. No. AC-31/Acq.R-IV/Cal/78-79.—Whereas, I, S. K. DAS GUPTA,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 29, situated at Sultan Alam Road, Calcutta, (schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 6-3-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of vacant land measuring 4 cottahs 10 chittaks situated at 29, Sultan Alam Road, Calcutta under P. S. Tollygunge.

S. K. DASGUPTA,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-IV, Calcutta,  
 54, Rafi Ahmed Khan Road, Calcutta-16

Date : 16-10-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) 1. Parvez Keki Saklet.  
2. Dr. Zuben Keki Saklet.

(Transferors)

(2) Shri Rustam Tehmuras Saklet.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
CALCUTTA

Calcutta, the 26th October 1978

Ref. No. 464/TR-291/C-279/Cal-1/77-78.—Whereas I, C. N. DAS, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9, situated at Grants Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at 5, Govt Place North Calcutta on 16-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Partly two & partly three storeyed brick built house being the Premises No. 9 Grants Lane, Calcutta situated on a plot of land measuring 6 k (Half share) and Registered before the Registrar of Assurance, Calcutta vide No. I-1459 dated 16-3-78.

C. N. DAS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

25-376GI/78

Date : 26-10-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Arabinda Mitra,

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Dhanonjoy Koley.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
CALCUTTA

Calcutta, the 26th October 1978

Ref. No. SL 465/TR-292/C-278/Cal-1/77-78.—Whereas I, C. N. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

155, situated at Acharya Jagadish Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 31-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

## THE SCHEDULE

Two storeyed brick built house being the Premises No. 155 Acharya Jagadish Ch. Bose Road, Calcutta, situated on a plot of land measuring 3 k and Registered before the Registrar of Assurance, Calcutta vide No. I-1728 Dt. 31-3-1978.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

C. N. DAS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-10-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) 1. Monorama Khan.  
2. Barun Kr. Khan.

(Transferors)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Zubaida Bai.  
2. Tasneem Bai.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) 1. Md. Giasuddin  
2. Yuqub Miya.  
3. G. M. Anwar Hussain  
4. P. Mondal  
5. Karuna Sindhu Mitra  
6. M. Azam Ali  
7. Mrs. E. A. Beeby  
8. Grand Hotel  
9. Gurubachan Singh  
10. M/s. Moti Jhangiamani & Bros.  
11. Shivji Velji Kotuari.

[Person in occupation of the property]

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
CALCUTTA

Calcutta, the 26th October 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ref. No. Sl. 466/TR-285/C-273/Cal-1/77-78.—Whereas I, C. N. DAS, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1, situated at Ripon St. Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt place North Calcutta on 10-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons namely:—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Partly one & partly two storeyed brick built house being 1/8 undivided share of the Premises No. 1 Ripon St. Calcutta, situated on a plot of land measuring 15 k 4 ch 8 sq. ft and Registered before the Registrar of Assurance Calcutta vide No. 1288 Dt. 10-3-1978.

C. N. DAS  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Calcutta

Date : 26-10-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) 1. Smt. Monorama Khan  
2. Sri Barun Kr. Khan,

(Transferors)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
CALCUTTA

Calcutta, the 26th October 1978

Ref. No. Sl. 467/TR-282/C-266/Cal-1/77-78.—Whereas I, C. N. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1, situated at Ripon St. Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt Place North Calcutta on 10-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Jafer Hussain Abdeali (Bharmal),

(Transferee)

(3) 1. Md. Giasuddin  
2. Yuqub Miya  
3. G. M. Anwar Hussain  
4. P. Mondal  
5. Karuna Sindhu Mitra  
6. M. Azam Ali  
7. Mrs E. A. Beeby  
8. Grand Hotel  
9. Gurubachan Singh  
10. M/s Moti Jhangamani & Bros.  
11. Shivaji Velji Kotuari.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Partly one & partly two storeyed brick built house being 1/8 undivided share of the Premises No. 1 Ripon St. Calcutta, situated on a plot of land measuring 15 k 4 ch 8 sq. ft and Registered before the Registrar of Assurance Calcutta vide No. I-1291 Dt. 10-3-1978.

C. N. DAS

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Calcutta

Date : 26-10-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) 1. Smt. Monorama Khan  
2. Sri Barun Kr. Khan.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
CALCUTTA

Calcutta, the 26th October 1978

Ref. No. Sl. 468/TR-283/C-265/Cal-1/77-78.—Whereas I, C. N. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1, situated at Ripon St. Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt Place North Calcutta on 10-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money; or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Mohammadul Bakir.

(Transferee)

(3) 1. Md. Giasuddin  
2. Yuqub Miya  
3. G. M. Anwar Hussain  
4. P. Mondal  
5. Karuna Sindhu Mitra  
6. M. Azam Ali  
7. Mrs E. A. Beeby  
8. Grand Hotel  
9. Gurubachan Singh  
10. M/s Moti Jhangiamani & Bros.  
11. Shivji Velji Kotuari.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Partly one & partly two storeyed brick built house being 1/8 undivided share of the Premises No. 1 Ripon St. Calcutta, situated on a plot of land measuring 15 k 4 ch 8 sq. ft and Registered before the Registrar of Assurance Calcutta vide No. I-1290 Dt. 10-3-1978.

C. N. DAS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Calcutta

Date : 26-10-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Monorama Khan  
2. Sri Barun Kr. Khan.

(Transferor)

(2) Mrs. Mariyum Jafar Hussain.

(Transferee)

(3) 1. Md. Giasuddin  
2. Yuqub Miya  
3. G. M. Anwar Hussain  
4. P. Mondal  
5. Karuna Sindhu Mitra  
6. M. Azam Ali  
7. Mrs E. A. Beeby  
8. Grand Hotel  
9. Gurubachan Singh  
10. M/s Moti Jhangiamani & Bros.  
11. Shivji Velji Koturai.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Partly one & partly two storeyed brick built house being 1/8 undivided share of the Premises No. 1 Ripon St. Calcutta, situated on a plot of land measuring 15 k 4 ch 8 sq. ft and Registered before the Registrar of Assurance Calcutta vide No. I-1289 Dt. 10-3-1978.

C. N. DAS  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Calcutta

Date : 26-10-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

## FORM ITNS

(1) Shri Malay Ranjan Kar,  
20, Bipradas Street,  
P. S. Narkeldanga.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S. Cyril Fernandez,  
(2) 90/1/2, Chowringhee Road, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

OFFICE OF THE I.A.C., ACQUISITION RANGE-II  
CALCUTTA

Calcutta, the 26th October 1978

Ref. No. AC-16/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I, S. C. YADAV, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

situated at Mouza-Sarsuna, P. S. Behala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Registrar of Assurances Calcutta on 29.3.78. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of rayat Sthitiban Sali land containing a total area of 1.47 acres be the same or little more or less being (i) R. S. Khatian No. 488, Touzi No. 3, 4 & 5, J. L. No. 17, Dag No. 1024 having an area of 1.10 acres and (ii) R. S. Khatian No. 1086, Touzi No. 47 & 51, J. L. No. 17 Dag No. 1025 having an area of 0.37 acre within Mouza Sarsuna P. S. & Sub-Registry Behala, Dist. 24-Parganas.

S. C. YADAV,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date : 26-10-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Ashoka Marketing Ltd.,  
8, Cumac Street, Calcutta,  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (i) Sri Prakritinath Bhattacherjee,  
(ii) Smt. Gayatri Bhattacherjee,  
(iii) Sri Lokenath Bhattacherjee &  
(iv) Sri Somenath Bhattacherjee of 31/1/1, Kashinath Chatterjee Lane, Sibpur, Howrah.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

OFFICE OF THE I.A.C., ACQUISITION RANGE-II  
CALCUTTA

Calcutta, the 26th October 1978

Ref. No. AC-17/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I, S. C. YADAV, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6 situated at Hastings Park Road, Calcutta-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 29.3.78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that apartment No. 3B on the 3rd Floor of Rajhans Block of Multi-storied Building at No. 6, Hastings Park Road, Alipore, Calcutta-27 containing a gross floor area of 215.44 sq. metres.

S. C. YADAV,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date : 26-10-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s Ashoka Marketing Ltd.,  
8, Camac Street, Calcutta.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Pranab Kumar Sen,  
Apartment No. 9C, Rajhans,  
Apartment, 6, Hastings Park Road Calcutta.

(Transferee)

(3) Vendee

(Person in occupation of the property)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OFFICE OF THE I.A.C., ACQUISITION RANGE-II  
CALCUTTAObjections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Calcutta, the 26th October 1978

Ref. No. AC-18/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I, S. C. YADAV, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 6 situated at Hastings Park Road, Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 30.3.78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

2093 sq. ft. covered area being premises No. 6, Hastings Park Road, Calcutta. Apartment no 9C, Rajhanse Apartment.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. C. YADAV  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
26—376GI/78

Date : 26-10-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Ashoka Marketing Ltd.,  
8, Camac Street, Calcutta-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Indira Nanda,  
141, G Block, New Alipore,  
Calcutta-53

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

OFFICE OF THE I.A.C., ACQUISITION RANGE-II  
CALCUTTA

Calcutta, the 26th October 1978

Ref. No. AC-19/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I S. C. YADAV, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6 situated at Hastings Park Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 30.3.78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor of pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All the Apartment No. 7D on the 7th Floor of Rajhans Block of Multi-storied building at No. 6, Hastings Park Road, Alipore, Calcutta-27 containing a floor area of 128.86 sq. metre.

S. C. YADAV,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date : 26-10-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. Ashoka Marketing Ltd.,  
8, Cumac Street, Calcutta-17.

(Transferors)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 OFFICE OF THE I.A.C., ACQUISITION RANGE-II  
 CALCUTTA

Calcutta, the 26th October 1978

Ref. No. AC-20/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I, S. C. YADAV,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

6 situated at Hastings Park Road, Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 14.3.78

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Apartment No. 2 II on the 2nd floor of 6, Hastings Park Road, Calcutta containing an area of 114.92 sq. metres.

S. C. YADAV,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-II, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 26-10-1978  
 Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Ashoka Marketing Ltd.,  
8, Camac Street, Calcutta.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ruma Shankar Jhawan,  
12, Mysore Road, Calcutta.

(Transferor)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXOFFICE OF THE I.A.C., ACQUISITION RANGE-II  
CALCUTTA

Calcutta, the 26th October 1978

Ref. No. AC-21/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I, S. C. YADAV, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6 situated at Hastings Park Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 13.3.78. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Apartment No. 31, 3rd Floor, Rajshree Block, 6, Hastings Park Road, Calcutta.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. C. YADAV,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-10-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. New Tea Company Limited.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Allied Industrial Corporation.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV,  
CALCUTTA

Calcutta, the 30th October 1978

Ref. No. AC-33/Acq. R-IV/Cal/78-79.—Whereas I, S. K. DAS GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Touji No. 91, situated at Naxalbari, Darjeeling (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 30-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 3.95 acres buildings, structures, sheds and factory buildings together with machineries thereon situated at Mouza Uttar Bagdogra, Touji No. 91 P.S. Naxalbari, Dist. Darjeeling more particularly as per deed No. 1689 dated 30-3-1978.

S. K. DASGUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV, Calcutta

Date : 30-10-1978

Seal :

## FORM ITNS —

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,  
CALCUTTA

Calcutta-16, the 1st November 1978

Ref. No. AC-34/Acq. R-IV/Cal/78-79.—Whereas I, S. K. DASGUPTA,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/1, situated at Dr. Daudar Rahman Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 29-3-1978  
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sri Subodh Kumar Mukherjee  
 Sri Probodh Kumar Mukherjee  
 Sri Sunil Kumar Mukherjee  
 Shebaits of the Deity Sri Sri Lakshmi Narayan Jew.  
 (Transferor)
- (2) M/s. Janata Cooperative Housing Society Ltd.  
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring an area of 2 bighas 8 cottahs 4 chittaks and 40 sft being premises No. 1/1, Dr. Daudar Rahman Road also known as 2, Dr. Daudar Rahman Road, P.S. Tollygunge, Calcutta more particularly as per deed No. 1659 dated 29-3-1978.

S. K. DASGUPTA  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-IV, Calcutta

Date : 1-11-1978

Seal :

FORM ITNS —————

(1) Smt. Reba Sen.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Jitendra Nath Roy.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV,  
CALCUTTA

Calcutta-16, the 1st November 1978

Ref. No. AC-35/Acq. R-IV/Cal/78-79.—Whereas I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 161A, situated at Netaji Subhas Chandra Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 10-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5 cottahs 12 chittaks together with two storied building thereon situated at 161A, Netaji Subhas Chandra Bose Road, P.S. Tollygunge, Calcutta more particularly as per deed No. 1281 10-3-1978.

S. K. DASGUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV, Calcutta

Date : 1-11-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri Amal Kumar Mitra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV,  
CALCUTTA

Calcutta-16, the 1st November 1978

Ref. No. AC-36/Acq. R-IV/Cal/78-79.—Whereas I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S. Plot 9607,

situated at Ward No. VI of Siliguri Municipality (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Siliguri on 23-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitates the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of vacant land measuring 25 cottahs being part of C.S. plot No. 9607, Khatian No. 5298 in Mouza Siliguri within Ward No. VI of Siliguri Municipality, Dist. Darjeeling.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. K. DASGUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 1-11-1978

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sri Sanat Chakraborty.

(Transferor)

(2) Sri Krishnapada Das Gupta.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,  
CALCUTTA

Calcutta-16, the 1st November 1978

Ref. No. AC-37/Acq. R-IV/Cal/78-79.—Whereas I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 64/30A, situated at Khudiram Bose Sarani (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 2-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
27—376GI/78

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided  $\frac{1}{4}$  share of all that piece and parcel of land measuring 1 cottah 8 chittaks together with five storied building thereon situated at 64/30A, Belgachia Road now known as Khudiram Bose Sarani, Calcutta more particularly as per deed No. 1130 dated 2-3-1978.

S. K. DASGUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV, Calcutta

Date : 1-11-1978

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sri Sanat Chakraborty.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,  
CALCUTTA

Calcutta-16, the 1st November 1978

Ref. No. AC-38/Acq. R-IV/Cal/78-79.—Whereas I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 64/30A, situated at Khudiram Bose Sarani (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 2-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Smt. Supta Das Gupta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided  $\frac{1}{4}$  share of all that piece and parcel of land measuring 1 cottah 8 chittaks together with five storied building thereon situated at 64/30A, Belgachia Road now known as Khudiram Bose Sarani, Calcutta more particularly as per deed No. 1131 dated 2-3-1978.

S. K. DASGUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV, Calcutta

Date : 1-11-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Rabindra Nath Mukherjee.

(Transferors)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Bengal Saws & Steel Products Ltd.  
(Transferees)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,  
CALCUTTA

Calcutta-16, the 1st November 1978

Ref. No. AC-39/Acq. R-JV/Cal/78-79.—Whereas I. S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

25, situated at Nilgunge Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 31-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of garden land measuring an area of 4 bighas 4 cottahs and 3 chittaks situated at 25, Nilgunge Road in Kamarhati Municipality, P.S. Belgharia Dist. 24-Parganas more particularly as deed No. 1716 dated 31-3-1978.

S. K. DASGUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV, CalcuttaDate : 1-11-1978  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri Anil Behari Mallick.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Anil Kumar Paul  
Sri Sunil Kumar Paul.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV,  
CALCUTTA

Calcutta-16, the 1st November 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AC-40/Acq R-IV/Cal/78-79.—Whereas I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 265/20, situated at Gopal Lal Tagore Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 11-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 4 cottahs 8 chittaks together with two storied building thereon situated at 265/20, Gopal Lal Tagore Road, P.S. Baranagore, 24-Parganas more particularly as per deed No. 1310 dated 11-3-1978.

S. K. DASGUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range IV, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 1-11-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Anath Bandhu Dutta,  
3/77, Vivek Nagar,  
Calcutta-32.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bibhuti Kumar Mitra,  
5/92, Netaji Nagar,  
Jadavpur, Calcutta-40.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III,  
54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD

Calcutta-16, the 3rd November 1978

Ref. No. 414/Acq.R-III/78-79/Cal.—Whereas, I VASKAR SEN

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

11/22, situated at Jheel Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Alipore on 13.3.1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land measuring three cottahs more or less together with a three storied building situated at 11/22, Jheel Road, Calcutta-32.

VASKAR SEN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Calcutta-16.

Date : 3.11.1978.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. Saloni Ownership Flats Schemes (P) Ltd.,  
6, Harrington Street, Calcutta.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bimla Devi Khandelwal,  
201, Maharshi Debendra Road,  
Calcutta-7.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III,  
54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD

Calcutta-16, the 6th November 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 415/Acq. R-III/78-79/Cal.—Whereas, I VASKAR SEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 'H' on 2nd floor situated at 2, Mandeville Gardens, Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 10.3.1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

All that entire flat No. 'H' on the 2nd floor of the building named "Jay Jayanti" situated at 2, Mandeville Gardens, Calcutta.

VASKAR SEN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6.11.1978.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Bagree Estates (P) Ltd.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gordhandas Bagree and others.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 7th November 1978

Ref. No. St.470/TR-279/C-268/Cal-1/77-78.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 54, situated at Ezra Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at 5 Got. Place North Calcutta on 4-3-78, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Four storeyed brick built house being the premises No. 54 Ezra St. Calcutta situated on a plot of land measuring 1 Bigha 1 cottaha and Registered before the Registrar of Assurance Calcutta vide No. I-2276 P Dated 4-3-78.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

I. V. S. JUNEJA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 7-11-1978

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Uma Banerjee,  
17/1C, Alipore Road, Calcutta-27.  
(Transferors)

(2) Sri Ashutosh Mukherjee Smt. Manju Mukherjee,  
both of 2/1/B, Hindustan Park, Calcutta.  
(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III,  
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16  
Calcutta-16, the 13th November 1978

Ref. No. 419/Acq.R-III/78-79/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),  
(hereinafter referred to as the 'said Act'),  
have reason to believe that the immovable property,  
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and  
bearing  
No. 57A situated at Hindustan Park, Calcutta,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at  
Alipore on 30-3-78  
for an apparent consideration  
which is less than the fair market value of the aforesaid  
property, and I have reasons to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of  
such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not  
been truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer; and /  
or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel land admeasuring 4 cottah 9  
chattacks 40 sq. ft. together with structures built therein  
being portion of land situated at premises No. 57A, Hindustan  
Park, Calcutta.

VASKAR SEN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, (3rd Floor),  
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 13-11-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Bhaitabal w/o. Madhavdas,  
R/o. 59, Juna Risala, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 27th October 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1150/78-79.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Indore, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 13-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Smt. Ramadevi Ghadge w/o. Narayanrao Ghadge, R/o. 6, Chhipa Bakhali, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Western portion of plot No. 27/3, at Radha Nagar Extension Colony, Indore.

D. C. GOEL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, or the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

28—376 GI|78

Date : 27-10-1978  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Nandkishore s/o Ramratanji,  
R/o Ada Bazar, Indore.

(Transferor)

(2) (1) Shri Ashok Kumar s/o Sripalji;  
(2) Shri Vijaykumar s/o Sripalji Badjatya,  
both R/o 97, Biyabani, Indore.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 27th October 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1051/78-79.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Plot situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on 13-3-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Plot No. 23/1, at Dr. Roshan Singh Bhandari Marg, Indore.

D. C. GOEL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 27-10-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) (1) Smt. Tarabai wd/o Shri Chandra Shekhar Kekra;  
 (2) Shri Avinash Chandra Shekhar Kekra; and  
 (3) Shri Jivan Chandra Shekhar Kekra,  
 R/o New Palasia, Indore (Transferors).

(Transferor)

(2) (1) Shri Vijaysingh s/o Ratanlal Chaudhary and  
 (2) Shri Shailendrasingh s/o Ratanlal Chaudhary,  
 R/o Maheshwari Gali Dewas.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 27th October 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1152/78-79.—Whereas, I, D. C. GOEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 10-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House No. 3, St. No. 5, at Palasia Hana, Indore.

D. C. GOEL,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-10-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Shivadaya  
s/o Shri Kadorelal Sahu,  
r/o H. No. 26, Sadhu Nagar, Indore.  
(Transferor)

(2) Shri Omprakash  
s/o Shri Pannalalji Somani,  
r/o H. No. 36, St. No. 2, Chippal Bakhali,  
Indore.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 27th October 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1153/78-79.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, (1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 9-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House on Plot No. 27, at Sadhu Nagar, Indore.

D. C. GOEL,  
Competent Authority.  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-10-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Hajarimal  
s/o Shri Tilokchand Patni  
(Transferor)

(2) Smt. Manakbai  
w/o Shri Hajarimal Jain,  
r/o H. No. 7, St. No. 2  
Parsi Mohalla, Indore.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 27th October 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1154/78-79.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- House situated at Indore and bearing No. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 9-3-1978 for an apparent Consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Mpl. House No. 7, St. No. 2, at Parsi Mohalla, Indore.

D. C. GOEL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-10-1978  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 27th October 1978

Ref. No. 1AC/ACQ/BPL/1155/78-79.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 6-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Daryavsingh  
s/o Shri Ramprasadji Verma,  
r/o 76, Rupram Nagar Colony,  
Indore.

(Transferor)

(2) 1. Shri Jagannath  
s/o Shri Radhakrishnaji,  
2. Smt. Mathurabai  
wd/o Shri Radhakrishnaji,  
r/o H. No. 75, St. No. 2,  
Raoji Bazar, Indore.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

**THE SCHEDULE**

H. No. 76, situated at Rupram Nagar Colony, Indore.

D. C. GOEL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-10-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 27th October 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1156/78-79.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 8-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Rakmanlal  
s/o Shri Jankiprashadji Bavari,  
owner of M/s. Shubhkaran Prahladdas,  
14, Chhota Sarafa, Indore.
- (2) M/s. Raj Transport Co.,  
through its partner  
Shri Ramniwas  
s/o Shri Mangilalji Goyal,  
r/o 51, Malipura, Juni Indore.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 15/2 at Kadavghat, Indore.

D. C. GOEL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 27-10-1978  
Seal ;

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

(1) 1. Smt. Gitabai  
w/o Shri Radhakishan,  
2. Shri Radhakishan  
s/o Shri Jhutalal.  
3. Shri Babulal & Shri Kailashchandra s/o  
Shri Radhakishanji  
all r/o Mpl. H. No. 108,  
R.N. Tagore Marg, Indore.  
(Transferor)

(2) Smt. Basantidevi  
w/o Shri Ranganathji Kakani,  
r/o H. No. 10, St. No. 4,  
Murari Mohalla, Indore.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 27th October 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1157/78-79.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 6-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

Mpl. H. No. 108, Ravindra Nath Tagore Marg, Indore.

D. C. GOEL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 27-10-1978

Seal :

## FORM ITNS —————

(1) Smt. Ushadevi  
w/o Shri Vikram Sen Rao, Matkar,  
r/o 5 Race Course Road, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 27th October 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1158/78-79.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 30-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Ground Floor of H. No. 306 (Old No. 19) at Jawahar Marg, Indore.

D. C. GOEL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 27-10-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

**FORM ITNS**

(1) Smt. Lalitabai w/o Shri Rajendra Menon, r/o 5, Race Course Road, Indore.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Mithalal s/o Mehtachand Raka, r/o 4/7, North Raj Mohalla, Indore.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th October 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1159/78-79.—Whereas I, D. C. GOEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 30-3-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

**THE SCHEDULE**

Ground floor of H. No. 305 (Old No. 18) at Jawahar Marg, Indore.

D. C. GOEL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date 27-10-1978.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th October 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1160/78-79.—Whereas, I D. C. GOEL, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Jaora (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaora on 31-3-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Virendrakumar, (2. Shri Pukbraj, 3. Shri Dilipkumar all sons of Shri Surajmalji & 4. Smt. Mankumar wd/o Shri Surajmalji Mahajan, all r/o Jaora (at present residing at Anand Bhawan, Jaipur).

(Transferors)

(2) 1. Shri Pavankumar, 2. Shri Manaklal and 3. Shri Mahendrakumar, all sons of Shri Fatehlalji Mahajan, r/o Jawahar Peth, Jaora.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Three storied house bearing Mpl. No. 92, at Kothi Bazar, Jaora.

D. C. GOEL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 27-10-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) 1. Shri Prabhakar Raut & 2. Shri Sharadkumar Raut, both sons of Dr. Sadashivrao Raut, r/o Padawa Wd. No. 19, Khandwa.

(Transferors)

(2) 1. Shri Radheyshaym & 2. Shri Harigopal, both sons of Shri Ramprasadji Agarwal, r/o Padawa Wd. No. 19, Khandwa.

(Transferees)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1161/78-79.—Whereas, I D. C. GOEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Khandwa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Khandwa on 21-3-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Two storied house H. No. 11 & 12 Block No. 11, situated at Padava Wd. No. 19, Khandwa.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

D. C. GOEL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 27-10-1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) Sqn. Leader Shri Prakash Narayan Nagu, r/o 138, North Avenue, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.  
COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th October 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1162/78-79.—Whereas, I D. C. GOEL, being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing no. Plot situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 17-3-78

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) 1. Mrs. Shirin C. Seth, 2. Dinesh C. Seth and Master Sanjay C. Seth, through mother guardian Mrs. Shirin C. Seth, r/o B. No. 93, Mhow.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Plot No. 1, forming part of S. No. 763/L, in village Khajrana, Old Palasia, Indore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. C. GOEL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-10-1978.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Krishnakumar Gamkhar s/o Shri Tribhuwan Krishna Gamkhar, r/o 88, Rabindra Nagar, New Delhi

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th October 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1163/78-79.—Whereas, I D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 17-3-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 2, forming part of S. No. 763/L, in Village Khajrana, Old Palasia, Indore.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. C. GOEL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Date : 27-10-1978.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Lilabhai w/o Laxmandasji, 30, Bairathi Colony, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Shri Somnath s/o Mukundram &amp; 2. Smt. Shanti-devi w/o Mukundram, r/o 3, Bairathi Colony, Indore.

(Transferees)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th October 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1164/78-79.—Whereas, I D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 24-3-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

House on Plot No. 30, at Bairathi Colony, Indore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. C. GOEL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 27-10-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Dr. Laxminarayandas s/o Rishikeshdas, r/o Shankar Nagar, Raipur.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Khushrang Batra s/o Laxmichand Batra, r/o Kumhari, Teh. &amp; Dist. Durg.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th October 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1165/78-79.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Raipur on 27-3-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by afores than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House on Khasra No. 37/5, P.H. No. 110, at Gram Shankar Nagar, Raipur.

D. C. GOEL,  
Competent Authority.  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

Date : 27-10-1978.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Maharao Kamlakarsingh, r/o Shankargarh, Teh. Kardhana, Dist. Allahabad, (at present residing at Katghar, Mutthiganj, Allahabad).

(Transferor)

(2) Shri Harimohan Gupta s/o Gurudev Gupta, r/o Venkat Road, Rewa.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th October 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1166/78-79.—Whereas, I D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Rewa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rewa on 20-3-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Plot No. 1011 (Part), at Venkat Road, Rewa.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. C. GOEL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons namely:—

30—376GI/78

Date : 27-10-1978.  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th November 1978

Ref. No. JAC/ACQ/BPL/1167/78-79.—Whereas, I D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Rewa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), Rewa on 20-3-78 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration officer at for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

(1) Shri Maharao Kamlakarsingh, r/o Shankargarh, Teh. Kardhana, Dist. Allahabad, (at present residing at Katghar, Mutthiganj, Allahabad). (Transferor)

(2) Shri Gurudev Gupta s/o Shri Mannulal Gupta, r/o Venkat Road, Rewa. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 1011 (Part) at Venkat Road, Rewa.

D. C. GOEL  
Acquisition Range, Bhopal  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 27-10-1978.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Harbhajanlal, r/o Gole Bazar, Jabalpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.

COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th November 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1168/78-79.—Whereas, I D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Jabalpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur on 15-3-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

H. No. 374, at Ranjhi, Jabalpur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. C. GOEL,  
Acquisition Range, Bhopal  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 27-10-1978.

Seal :

**FORM ITNS**

(1) 1. Shri Bhimandas s/o Sewaram & 2. Shri Gangaldas s/o Bhimandas, r/o Idgaha Bhata College, Ward, Raipur.  
(Transferors)

(2) 1. Shri Mohanlal (minor) through Guardian father Shri Srikishan Agarwal & 2. Shri Bajrangbali s/o Shri Chhabildas, r/o Kesinga, Teh. Bhawani Patna, Dist. Kalahandi, (Orissa).  
(Transferees)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th November 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1169/78-79.—Whereas, I D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. house situated at Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 4-4-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Three storied house bearing Municipal No. 19/998/999 19/1000 (New No. 22/251) at Jorapara Baraipara, Raipur.

D. C. GOEL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date : 27-10-1978.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Dr. Jagdish s/o L. R. Gulati, Prof. E.N.T. Gandhi Medical College, Bhopal.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th November 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1170/78-79.—Whereas, I D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No. house situated at Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 31-5-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the office Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Single storied house on Plot No. 10, E-1 Sector, Arora Colony, Bhopal.

D. C. GOEL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 27-10-1978.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Shri Madhukar s/o Sridhar Ghorgaonkar, r/o Maheshwar.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th November 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1171/78-79.—Whereas, I D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. Land situated at Vil. Larvi, Teh. Maheshwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Maheshwar on 23-3-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 19.16 acres in village Maheshwar.

D. C. GOEL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-10-1978

Seal :

## FORM JTNS

(1) Shri Dinkar s/o Sridhar Ghorgaonkar, r/o Maheshwar.  
(Transferor)

(2) ShriShri Vallabh s/o Babulal Bharud, r/o Village Ladvi, Teh. Maheshwar.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th October 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1172/78-79.—Whereas, I D. C. GOEL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agl. Land situated at Maheshwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Maheshwar on 21-3-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to any tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agl. land admeasuring 19.15 acres in village Maheshwar.

D. C. GOEL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 27-10-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Gopal s/o Sridhar Ghorgaonkar, r/o Maheshwar.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Khemram s/o Ranchod Bharud, r/o Village Kharerkhera, Teh. Kukshi, 2. Shri Ghanshyam & 3. Shri Ganesh, both minors, through guardian Karta Shri Sigdar s/o Ramchand Bharud, r/o Vil. Ladvi, (now Gandhi Nagar), Maheshwar.  
(Transferees)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th October 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1173/78-79.—Whereas, I D. C. GOEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land situated at Vil. Ichakpura, Teh. Maheshwar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at—

Maheshwar on 2-3-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 16.28 acres in village Ichakpura, Teh. Maheshwar.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. C. GOEL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-10-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Smt. Ramkumaribai w/o Shri S. K. Verma; Shri Ajitkumar & Shri Bhawanilal, all r/o Hanumantal, Jabalpur.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Sahadatkhan s/o Abdul Rehman Khan and 2. Smt. Hazarabi, both r/o Hanumantal, Jabalpur.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th October 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION** :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1174/78-79.—Whereas, I D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot & Bldg. situated at Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur on 27/31-5-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—  
31—376GI/78

THE SCHEDULE

Plot measuring 15386 Sqft. with incomplete building—Part of Khasra No. 22/2, at Mouza Baitla, S. No. 52, Teh. & Dist. Jabalpur.

D. C. GOEL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 27-10-1978.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Madhav Dinkar Dhamankar R/o 53/2, Kalali Mohalla, Sanyogithaganj, Indore.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 2nd November 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1175/78-79.—Whereas, I B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. house situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 24-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) 1. Prahladdas S/o Bansilal 2. Shri Ramkishan S/o S/o Shri Babulal 3. Shri Kailashchand 4. Shri Krishna Vallabh 5. Om Prakash, all sons of Shri Babulal 6. Shri Ashok Son of Shri Ram Chand 7. Gyarsilal S/o Ghisalal. all residence of 43 Shradhanand Marg. Indore.

(Transferees)

Bhopal, the 2nd November 1978

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Southern portion of house No. 53/2 Shradhanand Marg, Indore.

B. L. RAO,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 2nd November, 1978  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Ajmal Hussain S/o Abbas Ali, Manager  
R/o Mohalla Kherati Bazar, Burhanpur.  
(Transferor)

(2) Shri Gopal (Minor) S/o Jagannath R/o Phophnar  
Kala, Teh. Burhanpur.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 2nd November 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1176/78-79.—Whereas, I, B. L. RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. Land situated at Phophnar Kala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Burhanpur on 20-3-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Agricultural land area 12.33 Acres Kh. No. 25 situated at Mouza Phophnar Kala, Teh. Burhanpur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other acts which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. L. RAO,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2nd November, 1978  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) 1. Shri Sheikh Janglu 2. Shri Sheikh Afzal (Minor) both sons of Shri Gyasuddin R/o Palasur, Teh. Burhanpur.

(Transferor)

(2) Shri Liladhar (Minor) S/o Prahla Through guardian mother Smt. Parwati Bai W/o Prahla R/o Gram Palasur Teh. Burhanpur.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 2nd November 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1177/78-79.—Whereas, I B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. Land situated at Palasur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Burhanpur on 6-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land Rakba 15.38 acres Kh. No. 147 with well, electric connection and 2 Mahuwa Trees situated at gram palasur, Teh. Burhanpur.

B. L. RAO  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 2nd November, 1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Inayat Hussain S/o Khan Saheb Eukman Bhai R/o Ujjain.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Anjuman Jani Bohara Jamat Committee Shajapur through its President Shri Amil Saheb, Ibrahim Bhai Bohara R/o Shajapur.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 2nd November 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1178.—Whereas, I B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. Land. House situated at Gram Girver (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Shajapur on 22-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agricultural land Rakba 3.668 Hecters Kh. No. 864 and 865 with house No. 7, 8 Ward No. 9 and well and boundary will be situated at Village Girwar, Shajapur.

B. L. RAO,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2nd November, 1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Dinesh S/o Devdutt Kulmi, resident of Kuwa,  
Tehsil Rajpur.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 2nd November 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1179.—Whereas, I B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri/Land situated at Balgaon village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Rajpur on 30-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Shivram S/o Mangilal and 2. Shri Pratapsingh S/o Shiva Bhilala resident of Village Devla, Tehsil Rajpur, Dist. Khargone.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural land Rakba 15-75 acres at village Balgaon, Tehsil Rajpur.

B. L. RAO,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2nd November, 1978  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Durgeswar Das,  
Jhalukbari, Gauhati

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Eastern Tea Brokers (P) Ltd.,  
Gauhati.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX (C.A.)  
ACQUISITION RANGE,  
SHILLONG

Shillong, the 7th October 1978

Ref. No. A-193/Gau/78-79/2464-65.—Whereas, I, S.  
MAJUMDAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Dag No. 214, Patta No. 19

situated at Village Mukminigaon Mouza Beltela, Gauhati Dist. Kamrup  
and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gauhati on 3-3-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Land measuring 3 bigha situated at Village Mukminigaon, Mauza Beltela Gauhati in the district of Kamrup (Assam).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. MAJUMDAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax (C.A.)  
Acquisition Range, Shillong.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 6-10-78

Seal :

OFFICE OF THE COMPTROLLER & AUDITOR GENERAL  
OF INDIA

New Delhi, the 5th December 1978

## ADVERTISEMENT

No. 2583-NGEIII/60-NGEII/78.—Applications are invited for appointment as Section Officers in the Subordinate Accounts Service (Commercial)(on Probation) of the Indian Audit and Accounts Department.

## No. of vacancies

100—120 Reservation 15% for Scheduled Castes, 7½% for Scheduled Tribes and 10% for Ex-Servicemen, for which a certificate from the prescribed authority will be necessary.

## Qualifications &amp; Experience :

Chartered Accountants or Cost and Works Accountants, First or Second Class M. Com. or B. Com (Hons) or First Class B. Com (Pass). For S.C./S.Ts. the minimum qualification will be a University Degree in Commerce.

Departmental candidates, other than those who are already working as Section Officers, who possess above qualifications or non-commercial qualifications of above mentioned standards can also apply.

## Age as on 1-3-1979 :

30-years for Chartered Accountants and Cost and Works Accountants and 25-years for others, relaxable for SC&ST candidates by 5-years and upto the age of 35-years for Departmental Candidates who have worked as Auditors continuously for 3-years or more in the I.A. & A.D.

## Entrance Examination :

Candidates other than Chartered Accountants and Cost and Works Accountants will have to appear for an Entrance Examination, scheduled to be held in last week of May 1979, consisting of the following papers :—

- (a) Business Organisation;
- (b) Mercantile Law and Company Law;
- (c) Advance Book Keeping;
- (d) Auditing; and
- (e) Cost Accounting and Factory Organisation.

## Salary :

In Pay scale of Rs. 500—20—700—EB—25—900. Initial pay for Chartered Accountants and Cost and Works Accountants : Rs. 620/- P.M. plus usual allowances like Dearness Allowance, House Rent Allowance, City Compensatory Allowance etc. as per Government Orders. For others : Rs. 500/- P.M. plus usual allowances. Medical and other benefits will also be admissible as per Government Order.

## Place of Posting :

Anywhere in India or abroad.

## Terms &amp; Conditions of service :

These may be seen in the Gazette of India Part-III Section-I dated 16th December 1978 or obtained from this office by post.

## Probation period :

Two years.

Application setting out full details of address, age, qualification, nationality and experience with attested copies of testimonials in support of age and qualification should be sent in a closed cover superscribed "APPLICATION FOR THE POST OF SECTION OFFICER (ON PROBATION)" to the Asstt. Comptroller and Auditor General (N), 10, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 so as to reach him not later than 31st January 1979. Candidates working in Government offices/Public Sector Undertakings should route their applications through proper channel.

NOTE : The Comptroller and Auditor General reserves the right to screen the applications if the number of applications will be unduly large and not to entertain the application of applicants who do not come up to the minimum standard that might be laid down by him.

Conditions of Appointment of Section Officers (Commercial on Probation) in the Indian Audit and Accounts Department.

## 1. Domicile :—An applicant must be

- (a) a Citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January 1962, with the intention of permanently settling in India,
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, (on or after 1-6-1963), Sri Lanka (on or after 1-11-1964) East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire, Ethiopia and Vietnam due to constitutional changes, with the intention of permanently settling in India.

Provided a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by Government of India. Such a candidate will, however be admitted to the entrance examination interview but the offer of appointment on selection, will be given only after the necessary eligibility certificate has been issued by the Government of India.

2. Age.—The age of applicants should not exceed 25-years on 1-3-1979 (30-years in the case of Chartered Accountants and Costs and Works Accountants). Upper age limit is relaxable :—

- (a) upto 5-years for Scheduled Castes/Tribes candidates as well as bona fide displaced goldsmiths, blind, deaf, mute and orthopaedically handicapped persons. Applications from SC/STs should be supported by attested copies of Matriculation or School Leaving Certificate showing the date of birth.
- (b) upto 3-years in addition to period of service rendered in the case of Ex-serviceman who have put in not less than 6-months service in the Armed Forces.
- (c) upto 50-years for residents of Goa, Daman and Diu.
- (d) upto 45-years in respect of persons of Indian origin who were employed in East African Countries of Kenya, Tanzania and Uganda. Displaced persons from East Pakistan who have migrated to India on or after 1-1-1964 (subject to production of refugee certificate) and repatriates from Burma and Sri Lanka who migrated from that country on or after 1-6-1963 and 1-11-1964 respectively.
- (e) upto the age of 35-years in the case of departmental Auditors if they have rendered not less than three years continued service in the I.A.&A.D.

NOTE : (i) A displaced person from Pakistan should produce an attested copy of the certificate of Registration issued by the Ministry of Rehabilitation.

(ii) A displaced person from East Pakistan should produce an attested copy of the certificate from the Camp Commandant of the Transit Centre/Relief Camp or the Distt. Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he/she is a bona fide displaced person from East Pakistan.

(iii) A repatriate from Burma, Sri Lanka East African countries of Kenya, Uganda the United Republic of Tanzania, Zambia, Malawi, Zaire, Ethiopia and Vietnam should produce the identity certificate issued to him/her by the Embassy/Dhigh Commission of India in the country concerned that he/she is bona fide repatriate from that country.

3. QUALIFICATIONS.—Applicants, other than from Scheduled Castes/Tribes candidate should have any of the following academic qualifications :—

- (a) Qualified Chartered Accountants.
- (b) Qualified Costs and Works Accountants.

- (c) First Class-B. Com (Pass).
- (d) First or 2nd Class B. Com. (Hons.).
- (e) First or 2nd Class M.Com.

In the case of SC/ST candidates the minimum qualification will be a University Degree in Commerce.

Departmental candidates of I.A.&A.D., other than those who are already working as Section Officers who possess the above qualifications are also eligible to apply. Departmental candidates with non-commercial qualifications of the above mentioned standards may also apply.

**4. Form of Application :** All applications should contain the following particulars :—

1. Name in full (Block letters).
2. Father's Name and Occupation.
3. Postal Address (subsequent changes should be promptly intimated).
4. Nationality.
5. Whether member of SC/ST.
- If so, give name of SC/ST duly supported by a certificate from Distt. Magistrate or Sub-Divisional Officer etc. in the prescribed form.
6. Place and date of birth (Christian Era) supported by an attested copy of the Matriculation or School Leaving Certificate showing the date of birth.
7. Educational Qualifications (Full particulars in each Examination from Matric/SSLC onwards indicating maximum marks for each paper or subject and marks actually secured, with totals and Divisions obtained, duly supported by attested copies of certificates. Name of Institutions attended also to be indicated).
8. (a) Year in which the candidate appeared in the All India Competitive test (all roll number and marks secured and position).
- (b) If appeared, whether called for interview?
9. Previous experience of work, if any, (Details of employment to be indicated).

**NOTE :** (1) Applications not supported by the above particulars are liable to be rejected.

(2) Candidates who are employed in Central/State/Union Territory Admns/Public Sector Undertakings should apply through proper channel only. Advance copies of applications will not be entertained.

**5. TESTIMONIALS.**—Applications should be accompanied by two testimonials of character by Gazetted Officers or Magistrates who are not related to the applicants. A Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates should produce a certificate in original that he belongs to one of the S/Castes or S/Tribes (mentioning the Caste or Tribe) from the District Magistrate or sub-Divisional Officer of the place in which his parent (or surviving parent) ordinarily resides on the date of his application or if both his parents are dead, of the place in which he himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education; or from other authorised officers. The selected candidates shall, however, before appointment, be required to produce one certificate of character duly attested by a Distt. Magistrate or a Sub-Divisional Officer of their superior officers.

**6. LAST DATE FOR APPLICATION.**—All applications must reach the office of the Comptroller and Auditor General of India, New Delhi on or before 31st Jan. 79. Applications received after that date will not be considered. This will apply also in the case of applications required to be sent through proper channel by the candidates who are employed in Central/State Governments/Union Territories and Public Sector Undertakings.

#### **7. ENTRANCE EXAMINATION AND INTERVIEWS :**

Candidates, other than Chartered Accountants and Costs and Works Accountants will be required to appear in an Entrance Examination, to be held at Headquarters station of

all the offices of the Accountants General in India, tentatively scheduled to be held in the last week of May, 1979. The Examination will consist of the following papers :—

- (a) Business Organisation.
- (b) Mercantile Law and Company Law.
- (c) Advance Book Keeping.
- (d) Auditing.
- (e) Cost Accounting and Factory Organisation.

The final selection will, however, be done after interview by the Selection Board.

The selection of Chartered Accountants and Costs and Works Accountants will be made through process of an interview only. Candidates shall have to appear before a Selection Board for interview/appear in the Entrance Examination at their own expense except for those belonging to SC/ST. The Centres of interviews/Entrance Examination will be intimated to candidates. In the case of SC/ST candidates, single 2nd class Passenger Train rail fare to and fro by the shortest route will be paid.

**8. PROBATION AND TRAINING.**—The period of probation will normally be two years. During the period of probation they shall have to undergo a regular course of training at such place and in such manner as may be prescribed. They may also be assigned regular duties during the period.

**9. DEPARTMENTAL EXAMINATION AND CONFIRMATIONS.**—(a) On completion of training, an examination will be conducted in the following subjects :

- (i) Precis and Drafting.
- (ii) Fundamental Rules, Pension Rules, etc.
- (iii) Civil Accounts and Audit including Central Public Works Accounts.
- (iv) Introduction to Government Accounts and Audit, Treasury Rules and General Financial Rules.

Candidates who pass this examination will be posted as regular Section Officers. Those who fail are liable to be discharged from service.

(b) The selected persons will also be expected to pass while in service :

- (i) a test in Hindi (in case they have not already read Hindi upto matriculation standard) in terms of Government of India orders for in-service training, etc. under Hindi Teaching Scheme.
- (ii) a test in Regional language of the State to which they are initially posted as Section Officers.
- (c) On satisfactory completion of probation, he will be eligible for confirmation subject to availability of permanent vacancies. His confirmation is also subject to his being considered fit in all respects for permanent retention in the service. His confirmation in the SAS cadre will not, however, give him any special claim to seniority. The seniority of direct recruits to the cadre *vis-a-vis* departmental candidates passing regular SAS (Commercial) Part II will be fixed in accordance with the seniority rules as at present, *viz.*, para 184 of C&AG's M.S.O. (Admn.) Vol. I. The Seniority of direct recruits passing the same examination amongst themselves will be fixed as under :—

- (i) The Chartered Accountants as a class will rank seniormost, *inter-se* seniority among them being fixed by the Selection Board at the time of recruitment.
- (ii) The costs & Works Accountants as a Class will be ranked below the Chartered Accountants, *inter-se* seniority among them being in accordance with the position given to them by the Selection Board at the time of recruitment.
- (iii) Other open market candidates (including departmental candidates) vide para 3 above as a Class will rank next in seniority to Chartered Accountants and Costs and Works Accountants, the *inter-se*-seniority among them will be fixed in accordance with the rank obtained by them in the Entrance Examination.

10. *POSTING*.—The Section Officers (on probation) are being recruited mainly for the Commercial Audit offices in the Indian Audit and Accounts Department. The final allotment to various offices will be made by the Additional Deputy Comptroller and Auditor General (Commercial). The candidates will be liable to be posted to any office of the IA&AD in India and abroad.

11. All persons at the time of appointment will be required to give an undertaking in writing to the effect that during the period of their probation they will neither apply for any appointment elsewhere nor sit for any examination to qualify for other appointments.

12. *SCALES OF PAY*.—The Section Officers (on probation) will be allowed pay at the rate of Rs. 500/- p.m. plus allowances as admissible from time to time. In the case of Chartered Accountants and Costs and Works Accountants, this will be Rs. 620/- p.m. They will get their normal increments in the scale of Rs. 500—20—700—EB—25—900. The first increment will accrue after one year from the date of their Regular posting as Section Officer (Audit and Accounts) after they have passed the departmental examination.

Note : On posting to an Audit and Accounts Office, either for training or otherwise, the Head of Department in relation to that office will exercise all powers in the same way as he would have done, had the appointment been *ab-intio* made by him.